Awarded for Excellence in Editorial Concept, Art & Visual Presentation

हिन्दी Abroad

www.hindiabroad.com | Vol. 17 | Issue-41 | Friday, March 19 , 2021 | $1 | Tel :-905-673-9929

मौसम

Fri	04°C
Sat	11°C
Sun	09°C
Mon	12°C
Tue	11°C
Wed	10°C
Thu	12°C

बुजुर्गों के लिए स्वर्ग से कम नहीं हैं ये जगहें...

पृष्ठ-12 देखें

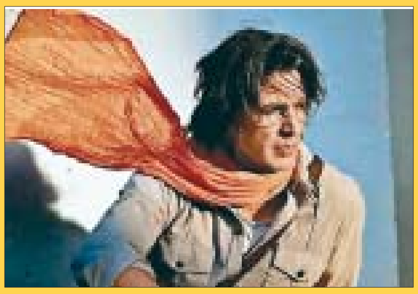

अयोध्या में शुरू होने जा रही है अक्षय कुमार की फिल्म...

पृष्ठ-13 देखें

जीवन को अपसेट नहीं, परफेट बनाये ...

पृष्ठ-16 देखें

AKAL OPTICAL
WE DO EYE EXAMS
www.akaloptical.com
Toronto 416-745-7242
Brampton Shoppers World 905-459-9978
Brampton 905-792-7242
Milton 905-876-0556
Gore 905-794-8200
Markham 905-294-4900
Mississauga 905-607-7000
Orangeville 519-941-0188

Law Office of Aman Sharma

• Real Estate
• Business Purchase & Sale
Commercial Leases
• Notarization & Affidavits
AMAN SHARMA
LL.B, Barrister, Solicitor & Notary Public
Tel : 905-913-2355 Fax : 905-913-2344
25 Cherrycrest Drive, Unit # 6, Brampton, Ontario, L6P 3W4
PROVIDING EXCELLENT QUALITY LEGAL SERVICES TO OUR CLINTS

WEConnect COMMUNITY SERVICES
Share your stories about Culture, Traditions, Cuisine Immigration, and Family!
Kahaani

Call 416 - 301 - 1291

UNIVERSAL
MORTGAGES
1st, 2nd Mortgage, Line of Credit, Refinancing
100% Approval
ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੌਰਗੇਜ ਜਾਂ
ਲਾਈਨ ਆਫ਼ ਕਰੈਡਿਟ ਲੈਣ
ਲਈ ਮਨੀਸ਼ ਤੇਗੀ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ
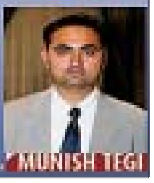
Ph: 416-317-3487
MUNISH TEGI

हिन्दी Abroad
हिन्दी अब्रॉड
अब
फेसबुक
ट्वीटर
व्हाट्सऑप
और
इंस्टाग्राम
पर भी उपलब्ध
www.hindiabroad.com

अर्थव्यवस्था को देखते हुए रेड जोन में भी...

जल्द खोलने होंगे आउटडोर डाईनिंग-फिटनेस क्लासेस

रेस्टॉरेंटस और आउटडोर परिसरों में गेदरींग की संख्या 10 तक सीमित की जाएंगी

■ **बाहरी क्षेत्रों में घूमने वाले लोगों के लिए भी सावधानियां जारी की हैं और लोगों से बार-बार अपील की जाएगी कि वे नियमों का उचित प्रकार से पालन करें अन्यथा जुर्माना भरना पड़ सकता हैं।**

टोरंटो.विशेष संवाददाता

टोरंटो के वरिष्ठ लोक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डेविड विलीयम्स ने माना कि राज्य में तेजी से कोविड-19 की स्थिति बिगड़ती जा रही है, परंतु अर्थव्यवस्था को देखते हुए अधिक समय तक व्यवसायों को बंद नहीं रखा जा सकता, इसलिए सिटी को रेड़ जोन में शामिल करके आउटडोर डाईनिंग और फिटनेस क्लासेस को खोलने की अनुमति जारी की जा सकती है। इन क्षेत्रों में रेस्टॉरेंटस और आउटडोर परिसरों में गेदरींग की संख्या 10 तक सीमित की जाएंगी।

इसके अलावा उन्होंने यह भी माना कि ग्रे जोनस के लिए नए प्रावधानों पर भी विचार किया जा रहा है। ज्ञात हो कि पिछले माह ग्रे और ऑरेन्ज जोन के रैस्टॉरेंटस डायनिंग रुमस, जिम और इन्डोर स्पोर्टस सुविधाओं आदि को खोल दिया था। उन्होंने यह भी बताया कि गत 26 फरवरी से ऑरेन्ज जोन में सिनेमा और थियेटरों को भी खोल दिये गए थे। ओरेंज जोन के अंदर आने वाले रेस्टॉरेंटस में दो व्यस्क अपने बच्चों के साथ प्रवेश कर सकते हैं, जिसके लिए उन्हें पंजीकरण अवश्य करवाना होगा। बाहरी क्षेत्रों में घूमने वाले लोगों के लिए भी सावधानियां जारी की हैं और लोगों से बार-बार अपील की जाएगी कि वे नियमों का उचित प्रकार से पालन करें अन्यथा जुर्माना भरना पड़ सकता हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गत दो सप्ताह के आंकड़ों की पूर्ण समीक्षा के पश्चात ही यह निर्णय लिया गया और उन्होंने सबसे पहले यूनिवर्सिटीज और जूनियर कॉलेजों को खोलने की अनुमति भी दे दी थी। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि वर्तमान में कुल मामले 1,053 दर्ज किए गए हैं जबकि 38 लोगों की मौत की पुष्टि की गई हैं। पिछले 24 घंटों में केवल सात नए केस आने से यह माना गया कि जल्द ही स्थिति नियंत्रण में आ जाएंगी, परंतु उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अभी भी राज्य के अस्पतालों में भारी दबाव बना हुआ हैं, लेकिन प्रतिदिन भारी संख्या में लोगों को अस्पताल से छुट्टी मिल रही हैं, जिससे यह माना जा रहा हैं कि जल्द ही अस्पताल सुचारु रुप से कार्य करेंगे, लेकिन अभी भी 178 मरीज आईसीयू में उपचार के लिए भर्ती हैं और इसलिए किसी को भी असावधानी बरतने की सलाह नहीं दी जा रही हैं।

कैनेडियन सीनेट ने सहायक मृत्यु बिल सी-7 पारित किया

औटवा। असह्य रुप से पीड़ित लोगों के लिए सरकार द्वारा प्रस्तुत किए सहायक मृत्यु बिल सी-7 को पारित कर दिया गया, इसके लिए कैनेडियन सीनेट ने भी अपनी मंजूरी दे दी है। जानकारों का मानना है कि इसके लिए मानसिक रुप से बीमार हो रहे लोगों के लिए यह बहुत बड़ी राहत साबित करने के लिए सरकार ने इस प्रस्ताव को पेश किया था। ज्ञात हो कि इस बिल को सरकार ने वर्ष 2019 में हाऊस ऑफ कोमनस में प्रस्तुत किया था, परंतु इसके विरोध में विपक्ष ने

बिल को सरकार ने वर्ष 2019 में हाऊस ऑफ कोमनस में प्रस्तुत किया था, परंतु इसके विरोध में विपक्ष ने क्यूबेक सुपीरीयर कोर्ट में केस कर दिया था।

क्यूबेक सुपीरीयर कोर्ट में केस कर दिया था। इस बिल को रॉयल के सामने प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 26 मार्च तक है, इसलिए सरकार ने इस बिल को पारित करवाने के लिए जी तोड़ प्रयास आरंभ कर दिया था। जानकारों के अनुसार इस बिल में कुछ खामियां बताई गई थी जिसे समाप्त करते हुए सरकार ने इसके संशोधित रुप को पेश किया गया, अब इसके संशोधित रुप को सीनेट ने भी पारित कर दिया जिसके पश्चात आगे की कार्यवाही के लिए इसे जल्द ही पेश किया जाएगा। जिसके पश्चात इसे कानून बनाने के लिए अंतिम रुप दिया जाएगा। न्याय मंत्री डेविड लामेटी ने कहा कि इस बिल के कारण असह्य रुप से पीड़ित कैनेडियनस को राहत दी जाएगी, पिछले एक वर्ष से इस बिल की मांग के लिए सरकार प्रयासरत थी।

हिन्दी Abroad

SUBSCRIPTION FORM

सब्सक्रिप्शन फार्म

प्रिय पाठकों
कैनेडा का सर्वश्रेष्ठ हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र 'हिन्दी अब्रॉड' की प्रति अब आप घर बैठे ही मंगवा सकते हैं। प्रति मंगवाने के लिए इस फार्म को भरकर और चैक लगाकर भेजे दें।

नाम :- ....
पता :- ....
सिटी :- .... पोस्टल कोड ....
दूरभाष :- .... सैल फोन ....
ई-मेल :- ....

मैं हिन्दी अब्रॉड को सब्स्क्राइब करना चाहता/चाहती हूं

(हस्ताक्षर)

अब...
हिन्दी अब्रॉड
घर बैठे पाएं
सिर्फ
$150
में पूरे साल

7071 Airport Road, Suite 204A Mississauga, ON Canada. L4T 4J3
Tel : 905-673-9929, Fax 905-673-9114
E-mail : editor@hindiabroad.com
Web : wwwhindiabroad.com

gta credit

MONEY PROBLEMS?

Make One Small Monthly Payment For all Your DEBTS!

Ask Yourself?

- Are you using your Overdraft all the time?
- Are creditors constantly Threatening & Harassing you at home or at work?
- Are you struggling to pay your Rent, Mortgage or Car Payment?
- Are your financial difficulties the cause of your Marriage or Health Problems?
- Do you think your Credit Rating is in jeopardy forever?
- Are you afraid of Losing your car, house, RRSP, Stocks or any other asset?
- Do you have Court Orders against you?
- Are you having any trouble with Government (CRA) about personal tax or any other tax issues?

If you answered "Yes" to any of the above questions then you should contact us for a Private & Confidential meeting with one of our Credit Counsellors

416-650-5800

Five Convenient Locations:
Scarborough , North York , Mississauga
Brampton and Toronto Downtown

Proudly Served over 15,000 Families since 2004
Visit : GtaCredit.Com

Ajay Oberoi
Professional Credit Counsellor

GUPTA ACCOUNTING OFFICE

SERVICES PROVIDED:

- Accounting for Truck Drivers, Owner Operators & Brokers
- Accounting for Real Estate Agents & Brokers
- Accounting for Franchise Businesses
- Accounting for Professionals -Lawyers, Doctors, Dentists etc.
- Accounting for Investment, Commercial & Rental Properties
- General Accounting & Bookkeeping Services
- Business Plans & Cash Flow Statements
- HST, WSIB, EHT & Payroll Tax Returns
- Compilation of Financial Statements-Notice to Reader
- Business & Personal Tax Returns
- Business Registrations & Audits

www.surajgupta.ca
suraj@surajgupta.ca

SURAJ GUPTA CPA,CGA
CHARTERED PROFESSIONAL ACCOUNTANT
TEL: 905-677-1334

2355 Derry Road East, Suite 33(2nd Floor)
Mississauga, Ontario, L5S 1V6 (Derry/Torbram)

DEV VISAS
Experience the excellence

BHAVESH PATEL

Expert-Visa, Passports & OCI

Services

- Indian Visa & Passport
- OCI-Overseas Citizenship of India
- Name Change, PAN Card, Birth Certificate
- Visa for UK, USA, Sri Lanka & many more countries

Call : 416-716-1098
info@devvisas.ca www.DevVisas.ca
831 Bovaird Dr W, #25, Brampton, ON L6X 0T9

Published by
Hindi Abroad Media Inc.

Chief Editor
Ravi R. Pandey
(Media Critic. Times of India Group, New Delhi)

Editor
Jayshree

Sr. News Editor
Firoz Khan

Asst. Editor
Santosh Tangri

Reporting Team
Rahul, Shiv

New Delhi Bureau
Rangnath Pandey
(Ex Chief Sub Editor- Navbharat Times, New Delhi)
Vijay Kumar Pandey

Designing
Vijay kumar

India Representative
Dinesh Jain

7071 Airport Road, Suite 204A
Mississauga, ON Canada, L4T 4J3
Tel : 905-673-9929, Fax 905-673-9114
E-mail : editor@hindiabroad.com
Web : wwwhindiabroad.com

Disclaimer : The opinions expressed in Hindi Aborad may not be those of the publisher. Contents of this publication are covered by copyright and offenders will be prosecuted under the law.

यॉन्ग स्ट्रीट नॉर्थ में बाईसिकल लेन और स्ट्रीट पैटीयो बनेगा

टोरंटो। बाईसिकल लेन्स, स्ट्रीट पैटीयो और अन्य सार्वजनिक बदलावों के साथ सिटी ने यॉन्ग स्ट्रीट के परिवर्तन का प्रस्ताव पारित किया हैं। सिटी सूत्रों के अनुसार ब्लर स्ट्रीट से डैवीसवीले एवैन्यू तक के 3.2 किलोमीटर के मार्ग में यह सभी परिवर्तन होंगे जोकि पूर्णतः स्ट्रीटस पायलट परियोजना के अंतर्गत कार्यन्वित किया जाएगा। इसी प्रकार समान बदलाव डैनफॉर्थ एवैन्यू में भी बदलावों को मंजूरी दी गई हैं। स्टाफ का यह भी कहना है कि इस बार यॉन्ग स्ट्रीट का बदलाव संपूर्ण रुप से पारित कर दिया गया हैं और इसे रिडिजाईन किया गया हैं। सिटी स्टाफ द्वारा यह भी

यॉन्ग स्ट्रीट नॉर्थ ऑफ ब्लर के प्रमुख बदलाव के अंतर्गत गलियों और रोड़स में किए जाएंगे परिवर्तन

बताया गया कि इस क्षेत्र के 90 प्रतिशत भाग को मिश्रित उपयोग के लिए परिवर्तित किया जाएगा। सिटी का यह भी कहना है कि यह बदलाव क्षेत्र के सुधार के साथ साथ व्यापार में बढ़ोत्तरी को भी ध्यान में रखकर पारित किया गया हैं, महामारी काल के कारण इस समय स्ट्रीट फूड उद्योग बहुत अधिक प्रभावित हुआ हैं और इस समय इसके विकास के लिए आवश्यक कदम उठाने ही श्रेष्ठकर साबित होंगे, जिन्हें विचार करके ही इन बदलावों को पारित किया गया हैं।

जानकारों के अनुसार इन बदलावों के कारण इस क्षेत्र से कुछ पार्किंग स्थानों को समाप्त किया जाएगा और उनके स्थान पर अन्य स्थानों को विकसित किया जाएगा। पिछले ग्रीष्म ऋतु में किए गए सर्वे में इन बदलावों पर चर्चा के पश्चात ही यह निर्णय लिया गया कि इन बदलावों को सुचारु रुप से कार्यन्वित किया जाएं। बदलावों के पश्चात यह माना जा रहा है कि इस क्षेत्र से लगभग 75 से 71 प्रतिशत तक पार्किंग सुविधाओं में नियमितता आ जाएंगी जिससे लोग इस क्षेत्र में खुलकर व्यापार कर सकेंगे।

सिटी ने पहली पोटहोल मरम्मत ब्लिट्स 2021 का शुभारंभ किया

टोरंटो। सिटी ऑफ टोरंटो ने शनिवार को शहर के पहले पोटहोल मरम्मत ब्लिट्स के शुभारंभ की घोषणा की, इस योजना के अंतर्गत सिटी के अनेक सड़कों, गलियों और एक्सप्रैसवे की मरम्मत कार्य को पूरा किया जाएगा। सिटी के सूत्रों ने यह भी बताया कि इस मरम्मत कार्य के कारण ड्राईवरों और साईकिल चालकों को कुछ समय तक के लिए डिले का सामना करना पड़ सकता हैं, परंतु जल्द ही स्थितियां सामान्य कर दी जाएंगी, अधिकारियों के अनुसार यह मरम्मत कार्य प्रातः 6 बजे से सायं 6 बजे तक निर्धारित किया गया। मेयर जॉन टोरी ने यह भी बताया कि पहले पोटहोल मरम्मत ब्लिट्स 2021 का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य लोगों को सुरक्षित सड़क मार्ग उपलब्ध करवाना हैं, ज्ञात हो कि अधिकतर सड़क दुर्घटनाओं का कारण इन सड़कों पर बने गड्ढ़े व टूट-फूट होती हैं, जिस कारण से इन्हें जल्द से जल्द ठीक करने का प्रावधान किया गया। यह पूरा मरम्मत कार्य शनिवार को इसलिए आयोजित किया गया क्योंकि उस दिन अधिकतर सभी कार्यालय बंद रहते हैं और मौसम विभाग के अनुसार भी पूरा दिन साफ रहा जिससे मरम्मत कार्य जल्द ही मजबूत हो सके। सिटी के अनुसार लगभग 127 कर्मचारियों का दल इस पूरे मरम्मत कार्य में शामिल हुआ, सिटी के अनुसार गत 1 जनवरी से पूरे शहर में 30,000 से अधिक मरम्मत कार्यों को पूरा किया जा चुका हैं। सिटी स्टाफ के अनुसार प्रत्येक पोटहोल की लागत 25 डॉलर के अनुमानित सुनिश्चित की गई हैं वहीं मेयर ने यह भी बताया कि इस वर्ष सिटी द्वारा वर्ष 2021 के बजट में इन सभी कार्यों के लिए 4.7 मिलीयन डॉलर का बजट भी पारित किया गया जिससे भविष्य में सड़क मार्गों की मरम्मत कार्यों में कोई भी व्यवधान न आ सके।

Thinking of Buying or Selling Home, Business, Commercial or Investment Property!

The Realtor Who Exceeds Your Expectations!
KAILASH SHARMA
Broker Manager
DIR:416-418-7465
Email: kailashsharmarealtor@gmail.com • Web: www.century21.ca/kailash.sharma

Residential & Commercial • Friendly Service • Free Market Evaluation • Flexible Commission Packages* • Free Advt. of Your Property until sold*

Your Local Area Expert Realtor With More Than 20 Years Experience!

I provide all kinds of Real Estate Services thru'out GTA, Assist in obtaining Mortgage*, arrange Lawyers & House Inspection.

Century 21
People's Choice Realty Inc. Brokerage
1780 Albion Rd., Unit 2 & 3
Toronto, ON M9V 1C1
Bus: 416-742-8000
Independently Owned and Operated
*Some Conditions Apply

◆ Multi Award Winner ◆
- CENTURION® PRODUCER FOR CONTINUOUS 13 YEARS (2004-2016)
- MASTERS HALL OF FAME
- CENTURION® HONOR SOCIETY
- DOUBLE CENTURION®
- SUCCESSFUL LISTER
- PLATINUM PLUS AWARD

ETOBICOKE $349,900
Kipling Ave Location Location Just Minutes Away From Pearson Airport&Downtown.One Of The Best Building In The Area.Upgraded New Kitchen,Renovated Bathroom Freshly Painted,New Laminate Flooring,Small Den Can Be Used Like Second Bedroom

NORTH YORK $399,999
Weston/Finch Beautifully Renovated 2 Bedrms Bright & Clean, North Facing Condo. 870 Sqft. Featuring A Spacious Open Concept Living & Dining Rm, Kitchen With Bar Walk-Out To Balcony From Dining Rm, Spacious Bedrms, Move-In Ready! Well Maintained And Clean Building.

MALTON $469,900
Goreway/Morning Star Amazing Location In Malton !!! A Gem For First Time Home Buyers And Investors Featuring 2 Story Stacked Condo Spacious 3 Bed And 2 Bath, Laminate Flooring, Spacious Clean Kitchen, Pot Lights, One Car Parking, 1 Locker, Lots Of Visitors Parking2 Large Balconies Facing Westwood Mall

MISSISSAUGA $499,900
Rathburn/Dixie Welcome To "The Capri" One Of Mississauga's Most Prestigious Condos ...

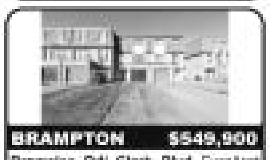
BRAMPTON $549,900
Bramalea Rd/ Clark Blvd Excellent Location And Golden Opportunity For The First Time Buyers To Own A House ... Spacious 4+1 Bedrms Townhouse With Finished W/O Bsmt

ETOBICOKE $589,999
Kipling/Steeles Highly Desirable, Spacious Corner Unit With Split Bedrooms ...

VAUGHAN $649,900
Rutherford&Melville Luxury Low Rise Condo In Heart Of Maple Bright Spacious ...

BRAMPTON $749,900
Mcmurchy S Of Queen Wow>>> For First Time Home Buyers And Investors. ...

BRAMPTON $799,000
Kennedy & Clarence Close To Shopping Bus. Freshly Painted, Beautiful Detached ...

MISSISSAUGA $799,900
Mavis/Dundas Spacious Luxurious Fully Renovated 3 Bdrm Condo Townhome Located In The Centre Of Mississauga! ...

BRAMPTON $829,900
Steeles/Mavis Bright & Spacious Freehold Townhouse ...

NORTH YORK $849,900
Finch & Islington Welcome To 38 Brubeck, 3+2 Bdrms, 2 Kitchens, ...

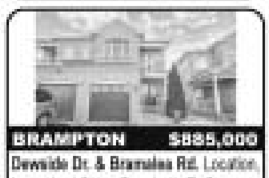
BRAMPTON $885,000
Dewside Dr. & Bramalea Rd. Location, ...

BRAMPTON $889,900
Ashbyfield & Bovaird. Location ...

BRAMPTON $899,900
William Pkwy/Mclaughlin Stunning 3+2 Bedroom Detached Home ...

MILTON $949,999
Yates/Louis St. Laurent Prime Location. ...

BRAMPTON $969,000
Dixie/Countryside ...

MISSISSAUGA $989,000
Mavis / Bristol ...

BRAMPTON $1,099,988
Steeles/Hudson ...

BRAMPTON $1,199,000
Sandalwood/Sunny Meadow ...

BRAMPTON $1,249,000
FLETCHER'S CREEK / WILLIAM PKW ...

MISSISSAUGA $1,299,900
MAVIS/EGLINTON ...

BRAMPTON $1,399,000
Chinguacousy/ Williams Parkway ...

CASTLEMORE $1,599,000
Castlemore & Drummondville ...

एस्ट्रा जैनेका वैक्सीनेशन कार्यक्रम के लिए

प्रीमियर फोर्ड ने नए आयु वर्ग की घोषणा की

प्रीमियर ने एस्ट्रा जैनेका की नियमित वैक्सीनेशन आरंभ होते ही वैक्सीन लगवाने वालों की आयु घटाकर 64 वर्ष तक कर दी हैं, ज्ञात हो कि इससे पूर्व 80 वर्ष या उससे ऊपर के लोग ही वैक्सीनेशन के लिए पात्र व्यक्ति माने जाते थे

टोरंटो.विशेष संवाददाता

ओंटेरियो प्रीमियर डाग फोर्ड ने अपने साक्षात्कार में यह बताते हुए प्रसन्नता जाहिर की और बताया कि राज्य को जल्द ही 194,500 एस्ट्रा जैनेका के डोजस की प्राप्ति स्वतंत्र रुप से होगी, जिसके पश्चात ओंटेरियो में वैक्सीनेशन के लिए और अधिक लोगों को शामिल किया जा सकता हैं, जिसके लिए उन्होंने वैक्सीनेशन के लिए अब योग्य आयु 64 वर्ष निर्धारित कर दी हैं, प्रीमियर के अनुसार आज से 64 वर्ष या इससे अधिक आयु के सभी लाभार्थी कोविड-19 वैक्सीनेशन के लिए सुयोग्य माना जाएगा।

उन्होंने पत्रकारों को इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि एनएसीआई को इस बात की जानकारी दे दी गई है कि राज्य में उन सभी को वैक्सीनेट किया जाएं जिनकी आयु 1 जनवरी, 1957 और 31 दिसम्बर, 1961 के मध्य हैं, यह आयु सीमा इसलिए घटाई गई हैं क्योंकि फिलहाल सरकार के पास ऐसे कोई पुख्ता आंकड़े मौजूद नहीं हैं जिससे बिल्कुल वास्तविक संख्या के लोगों का वैक्सीनेशन शामिल किया जाएं इस समय संभवतः 64 वर्ष या इससे अधिक आयु के सभी कैनेडियन नागरिकों को वैक्सीनेशन के लिए सुयोग्य घोषित कर दिया गया हैं, उन्होंने यह भी माना कि इस समय लापरवाही पर अधिक ध्यान न दें और सुनिश्चित होकर वैक्सीनेशन के लिए तैयार रहें जिससे वैक्सीनेशन के अगले चरण को सुचारु रुप से कार्यान्वित किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि इस समय एस्ट्रा जैनेका को लेकर फैल रही अफवाहों से दूर रहे और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी बयान पर ध्यान दें जिसमें यह स्पष्ट कहा गया है कि एस्ट्रा जैनेका संबंधित सभी तथ्य मिथ्या थे और इस वैक्सीनेशन को समाप्त करने के लिए कैनेडा पर भी दबाव बनाया जा रहा था कि इसे तुरंत बंद कर दें और प्राप्त डोजस को वापस कर दिया जाएं। परंतु स्वास्थ्य विभाग और कैनेडा की सूझ बूझ के कारण इस वैक्सीनेशन पर सभी ने अपनी विश्वास जताया और आज इसके डोजस लाखों लोगों को स्वस्थ्य बना चुके हैं।

विशेषज्ञ उपलब्ध सूचना पर चर्चा करने के लिए इस हफ्ते बैठक कर रहे हैं और बृहस्पतिवार को इस सिलसिले में एक सिफारिश की जाएगी। रक्त का थक्का जमने की चिंताओं को लेकर डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली, नार्वे और आइसलैंड सहित कई यूरोपीय देशों ने इस टीके के इस्तेमाल पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। इस बीच, एस्ट्राजेनेका और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि इस बारे में कोई साक्ष्य नहीं है कि इस टीके से रक्त के थक्के जमने के मामले बढ़े हैं। एस्ट्राजेनेका ने कहा कि यूरोपीय संघ और ब्रिटेन में 1.7 करोड़ लोगों के इस टीके की खुराक दी गई, जिनमें 37 लोगों में रक्त के थक्के जमने के बारे में रिपोर्ट है। आंग्ल-स्वीडिश औषधि निर्माता ने कहा, ''इतनी बड़ी आबादी में प्रत्याशित संख्या की तुलना में यह बहुत कम है औ यह कोविड-19 के अन्य लाइसेंसशुदा टीकों के समान है।''

कोविड-19 वैक्सीनेशन प्रोग्राम में चल रहे कुप्रबंधन के बचाव में उतरे प्रीमियर फोर्ड

प्रीमियर डाग फोर्ड ने माना कि फर्स्ट नेशनस एमपीपी द्वारा लगाएं गए आरोपों को लेकर कहा कि हम दो अलग-अलग राजनैतिक पार्टियों के नेता हैं जिन्हें इस समय मिलकर व्यवस्थाओं को संभालना होगा।

ओंटेरियो प्रीमियर डाग फोर्ड ने दोहराते हुए कहा कि वह इस बात के लिए सर्व साधारण से क्षमाप्रार्थी हैं क्योंकि फर्स्ट नेशनस एमपीपी ने उन पर आरोप लगाया था कोविड-19 वैक्सीनेशन प्रोग्राम में लाईन तोड़कर प्रीमियर डाग फोर्ड आगे आएं थे जोकि उन्हें शोभा नहीं देता। प्रशनकाल के दौरान वास्तव में इसी प्रकार का आरोप एमडीपी एमपीपी सोल मामाकवा ने भी प्रीमियर पर लगाया था। इस सत्र के प्रशनकाल में प्रीमियर डाग फोर्ड से यह भी पूछा गया कि उन्होंने आदिवासी समुदायों के वैक्सीनेशन प्रोग्राम को सुचारु रखने के लिए क्या प्रबंध किए हैं और इस संबंध में उनकी आगामी योजना क्या होगी। प्रीमियर डाग फोर्ड ने यह भी माना कि वैक्सीनेशन कार्यक्रम केवल एक विशेष समुदाय के लिए नहीं सुनिश्चित किया गया हैं बल्कि ओंटेरियो के सभी समुदायों के लिए इसकी कार्य योजना को बनाया गया हैं। मामाकवा ने यह भी बताया कि उन्हें इस वैक्सीनेशन कार्यक्रम में विशेष आमंत्रण दिया गया था, परंतु उन्हें इस बात पर भी निराशा हुई कि इस वैक्सीनेशन कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों ने बहुत कम संख्या में भाग लिया, जिससे यह प्रमाणित हो रहा है कि अभी भी लोग वैक्सीनेशन को लेकर आश्वस्त नहीं और वे कम से कम संख्या में वैक्सीनेशन में भाग ले रहे हैं। प्रीमियर फोर्ड ने प्रशनकाल में एमपीपी ने यह भी वादा किया कि वे जल्द ही उचित प्रबंधन पर अधिक ध्यान देंगे और इस बात को भी सुनिश्चित करेंगे कि यह प्रोग्राम हर उस व्यक्ति को मिले जिसे इसकी सबसे अधिक आवश्यकता हो।

ओंटेरियो के फार्मेसियों में जल्द ही एस्ट्राजैनेका वैक्सीन की हो सकती हैं कमी : लॉबलो फार्मेसी

टोरंटो। ओंटेरियो में एक बार फिर से एस्ट्राजैनेका की कमी का संकट उभर सकता हैं, इस बारे में आशंका जताते हुए राज्य के प्रमुख फार्मेसी विभाग ने यह सूचना जारी की हैं कि जल्द ही राज्य की फार्मेसियों में एस्ट्राजैनेका वैक्सीन की कमी उत्पन्न हो सकती हैं।

इस स्थिति से बचने के लिए मांग में कमी करने पर भी विचार किया जा रहा हैं। राज्य की प्रख्यात लॉबलो फार्मेसी और शॉपरस ड्रग मार्ट ने स्पष्ट किया कि टोरंटो, किंगस्टन और विंडसर-ईसेक्स आदि शहरों में अभी तक 28,000 ओंटेरियो वासियों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं, परंतु अभी भी इन क्षेत्रों में बहुत से ऐसे स्थान बचे हुए हैं जहां आपूर्ति की कमी देखी जा सकती हैं, इससे बचने के लिए कंपनी ने जल्द ही आपूर्ति की बात को भी स्वीकारा हैं। कार्यालयों को इस बात के लिए भी सुनिश्चित रहने के लिए कहा गया है कि वितरण प्रणाली पर पूरी तरह से नजर रखी जाएं जिससे किसी भी कमी के होने पर इसे जल्द ही पूरा किया जा सके। आंकड़ों के अनुसार शहर में 65 वर्ष की आयु से अधिक के लोगों को वैक्सीनेशन के लिए सुनिश्चित किया गया हैं। लोक सेवा और प्रापण मंत्री अनीता आनंद ने इस बात की भी पुष्टि की हैं कि इस वर्ष की दूसरी और तीसरी तिमाही तक वैक्सीन की डिलवरियां जल्द ही की जाएंगी जिससे उत्पाद की कमी का संकट उत्पन्न ही नहीं हो सकेगा। उन्होंने इस बात की भी सूचना देते हुए बताया कि अमेरिकी अधिकारी दूसरी तिमाही तक 20 मिलीयन एस्ट्राजैनेका के डोजस की आपूर्ति कर देगा जिसके पश्चात सितम्बर माह तक भारत से भी लगभग 500,000 डोजस की आपूर्ति के लिए सुनिश्चितता कर दी गई हैं इन आपूर्तियों के पश्चात देश में वैक्सीनेशन प्रणाली को जल्द ही समय से पूरा कर लिया जाएगा।

यूरोपीय औषधि एजेंसी के प्रमुख ने कहा है कि इस बारे में कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं कि एस्ट्राजेनेका टीके लगवाने के बाद रक्त के थक्के जम गये। गौरतलब है कि यह टीका लगाए जाने के बाद रक्त के कथित तौर पर थक्के जमने की खबरों को लेकर कई यूरोपीय देशों ने इसके उपयोग को स्थगित कर दिया। एमर कुक ने मंगलवार को कहा कि एजेंसी इस बात से पूरी तरह से सहमत है कि एस्ट्राजेनेका की खुराक खतरों को कम कर देती है, हालांकि इस बारे में आकलन जारी है।

कुक ने कहा कि विशेषज्ञ उपलब्ध सूचना पर चर्चा करने के लिए इस हफ्ते बैठक कर रहे हैं और बृहस्पतिवार को इस सिलसिले में एक सिफारिश की जाएगी। रक्त का थक्का जमने की चिंताओं को लेकर डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली, नार्वे और आइसलैंड सहित कई यूरोपीय देशों ने इस टीके के इस्तेमाल पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है।

इस बीच, एस्ट्राजेनेका और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि इस बारे में कोई साक्ष्य नहीं है कि इस टीके से रक्त के थक्के जमने के मामले बढ़े हैं। एस्ट्राजेनेका ने कहा कि यूरोपीय संघ और ब्रिटेन में 1.7 करोड़ लोगों के इस टीके की खुराक दी गई, जिनमें 37 लोगों में रक्त के थक्के जमने के बारे में रिपोर्ट है। आंग्ल-स्वीडिश औषधि निर्माता ने कहा, ''इतनी बड़ी आबादी में प्रत्याशित संख्या की तुलना में यह बहुत कम है औ यह कोविड-19 के अन्य लाइसेंसशुदा टीकों के समान है।

जज ने सुनाई दो महिलाओं के कातिल को सजा

टोरंटो। एडम स्ट्रॉन्ग, एक 47 वर्षीय औसवा निवासी पर एक गर्भवती महिला और एक 19 वर्षीय युवती की हत्या के आरोप का केस आरंभ हो चुका हैं, सूत्रों के अनुसार इस घटना में रोरी हैचे और कैनदीस फिटचपैट्रीक नामक महिलाओं की हत्या हुई हैं जिसमें से 17 वर्षीय हैचे गर्भवती थी, जिसे हत्या के पश्चात औसवा हारबर में फेंक दिया गया था और मछुआरों ने उसकी लाश को हारबर से निकाला।

उसके लापता की रिपोर्ट वर्ष 2017 से लिखवाई गई थी। इसके अलावा हैचे के बॉडी के कुछ पार्ट आरोपी के घर से मिले जिसे एक पल्मबर ने संदिग्ध अवस्था में देखकर पुलिस को इसकी सूचना दी थी, वहीं 19 वर्षीय फिटचपैट्रीक वर्ष 2008 से लापता थी जिसकी खोज पुलिस द्वारा हो रही थी। स्ट्रॉन्ग ने अपने अपराध की पुष्टि कर दी हैं और अब जज द्वारा इस मामले की सजा सुनाई जाएंगी, जिसके लिए प्रक्रिया आरंभ हो चुकी हैं।

शादी समारोह और फ्यूनरल्स में शामिल होने की संख्या में इजाफा

ओंटेरियो.संवाददाता

ओंटेरियो में कोविड-19 के अंतर्गत लागू लॉकडाऊन में सरकार ने कुछ राहत देने की घोषणा की हैं, जिसके अनुसार अब राज्यों को ग्रे जोन में शामिल करते हुए यहां होने वाले सभी शादी समारोह और फ्यूनरलस आदि में उपस्थित होने के लिए लोगों की संख्या को बढ़ाने का निर्णय लिया हैं। सरकार के अनुसार यह नियम 15 मार्च को प्रातः 12:01 से लागू हो गए हैं। इसके अलावा राज्य के कई प्रांतों को भी अन्य-अन्य जोनों में बांटा गया, जिसमें लैम्बटन पब्लिक हैल्थ यूनिट को ग्रे लॉकडाऊन जोन में शामिल किया गया, जबकि नॉर्थ वेस्टर्न हैल्थ यूनिट को रेड़ कंट्रोल जोन में रखा गया, इसी प्रकार ग्रीनवीले और लानार्क डिस्ट्रीक्ट हैल्थ यूनिट को यैलो जोन में रखा गया हैं। सरकारी स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार गत 3 से 9 मार्च के प्राप्त आंकड़ों के आधार पर यह निर्णय लिया गया हैं इनमें से लैम्बटन के केसों में 110 केस सामने आने से यहां पूर्व नियमों को बरकरार रखा गया हैं, शेष सभी को छूट के प्रावधान में शामिल किया गया हैं।

ओंटेरियो में कोविड-19 के मद्देनजर नए दिशा-निर्देश जारी किए गए जिसमें लोगों के निजी कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों की संख्या को बढ़ाते हुए नए नियम लागू किए गए

ग्रे जोन में शादी समारोह और फ्यूनरलस आदि में बढ़ाई गई संख्या :

सरकारी घोषणा के अनुसार आगामी शादी समारोह, फ्यूनरलस और कोई भी धार्मिक कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों की संख्या स्थान के अनुसार बढ़ाई गई है। घोषणा के मुताबिक 15 मार्च से राज्य में होने वाले इस प्रकार के कार्यक्रमों में इन्डोर गेदरींग को 10 से बढ़ाकर 50 कर दिया गया हैं इसका अर्थ यह हुआ कि अब लगभग 15 प्रतिशत लोग इस प्रकार के कार्यक्रमों में शामिल हो सकते है। डॉ. डी वीला ने यह भी माना कि कोविड काल के पश्चात इस प्रकार से गेदरींग को बढ़ाना लोगों और सरकार के लिए एक चुनौती हैं जिसके लिए सभी को तैयारी के साथ आगे बढ़ना होगा तभी स्थितियां सामान्य हो सकती हैं अन्यथा कभी भी इस महामारी काल से बाहर नहीं आ सकते। कोविड-19 नियमों को देखते हुए यह माना जा रहा है कि जब सरकार व अन्य कार्यक्रमों में सतर्कता के साथ कार्य किए जा रहे हैं तो इन निजी कार्यक्रमों को भी क्यों नहीं शामिल किया जा रहा? इसलिए राज्य के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ने इस नए आदेशों को लागू करने पर प्रसन्नता जाहिर की। इसलिए सरकार से बार-बार यहीं अपील की जा रही है कि जल्द से जल्द नियमों में छूट देते हुए सभी गैर-आवश्यक व्यापारिक संस्थानों को खोलने की अनुमति प्रदान करें जिससे वास्तव में अर्थव्यवस्था को कुछ लाभ मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि इस समय हम बहुत अधिक दयनीय स्थिति में हैं, हमें इस संकट से उबरने के लिए उचित सहारे की आवश्यकता हैं जिसके लिए हमें रेड़ जोन में डालना ही सही होगा, जिससे इस जोन को मिलने वाली सुविधाओं के कारण हम स्वयं के व्यवसाय को बचा सकेंगे।

15 प्रतिशत इन्डोर गेदरींग बढ़ाने के आदेश का स्वागत किया धार्मिक नेताओं ने

ओंटेरियो। ओंटेरियो सरकार ने रविवार को जारी किए अपने नए दिशा-निर्देश के अंतर्गत राज्य में होने वाले सभी शादी समारोह, अंत्येष्टि कार्यक्रम व धार्मिक आयोजनों में इन्डोर गेदरींग को बढ़ाने की घोषणा कर दी हैं, इस घोषणा के पश्चात अब सभी प्रकार के कार्यक्रमों में 10 के स्थान पर 50 लोगों की गेदरींग को मान्यता दी गई हैं, परंतु इन्हें अभी भी कोविड-19 संबंधी सभी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करना होगा अन्यथा जुर्माना लग सकता हैं। कार्डिनल थॉमस कोलीन्स, टोरंटो के प्रमुख पादरी ने कहा कि किसी भी कैथेड्रल फिटस में 1500 लोगों की उपस्थिति होती हैं परंतु सरकार के 10 की मान्यता पूर्णतः अनुचित थी, परंतु अब इसे बढ़ाने से कुछ राहत अवश्य मिलेगी और धार्मिक लोगों को इससे मानसिक व पारिवारिक शांति भी बहाल हो सकेगी। उन्होंने यह भी माना कि वैक्सीनेशन बढ़ाने के बाद और अधिक लोगों की संख्या भी बढ़ाई जा सकती हैं, जिससे धीरे-धीरे पुरानी स्थितियां सामान्य हो सकती हैं। ओंटेरियो में कोविड-19 के अंतर्गत लागू लॉकडाऊन में सरकार ने कुछ राहत देने की घोषणा की हैं, जिसके अनुसार अब राज्यों को ग्रे जोन में शामिल करते हुए यहां होने वाले सभी शादी समारोह और फ्यूनरलस आदि में उपस्थित होने के लिए लोगों की संख्या को बढ़ाने का निर्णय लिया हैं। सरकार के अनुसार यह नियम 15 मार्च को प्रातः 12:01 से लागू हो गए हैं। इसके अलावा राज्य के कई प्रांतों को भी अन्य-अन्य जोनों में बांटा गया, जिसमें लैम्बटन पब्लिक हैल्थ यूनिट को ग्रे लॉकडाऊन जोन में शामिल किया गया।

हालो ने आरंभ किया 'नो मोर लॉस्ट डॉग्स' मिशन

टोरंटो.संवाददाता

हालो नामक पेटस सुरक्षा संस्था ने केसर मिलान के साथ प्राप्त आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि देश में प्रति वर्ष 10 मिलीयन से अधिक डॉग्स लापता हो जाते हैं और इनकी सुरक्षा के लिए कोई भी उचित प्रबंध नहीं किए गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार हालो ने बताया कि वर्ष 2020 में ही देश में 444,789 डॉग्स लापता हो गए, जिनकी सुरक्षा के लिए अभी तक कोई भी ठोस प्रबंध नहीं किए गए हैं जिनसे उनका पता नहीं चल पाया हैं। इस समस्या के हल हेतु संस्था ने ''नो मोर लॉस्ट डॉग्स'' नामक मिशन को आरंभ करने की बात स्वीकारी हैं जिसमें अपने डॉग्स को घरों में सुरक्षित रखने के लिए इनके मालिकों को जागरुक किया जाएगा और भविष्य में आपके डॉगस कहीं भी लापता नहीं हो सकेंगे। इस मिशन में न केवल आपके डॉग्स को लापता होने से बचाया जाएगा अपितु जो डॉग्स लावारिस अवस्था में मिलते है तो उनके लिए रहने और खाने का उचित प्रबंध भी करेंगे।

आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष दुनिया के प्रमुख शहरों में रिकॉर्ड संख्या में लापता डॉग्स का विवरण इस प्रकार से हैं :

कैलीफॉर्निया - 72,802
टैक्सास - 60,200
फ्लोकिरडा - 41,006
अरीजोना - 19,974
जिर्योजिया - 15,944
ओहीयो - 14,913
नॉर्थ कारोलिना - 13,467
टैनेसी - 12,677
न्यूयॉर्क - 12,243
वाशिंगटन - 11,566

हालो संस्था के अनुसार हालो कॉलर का प्रयोग कर इसमें लगे ट्रैकर द्वारा लापता डॉग को जल्द से ढूंढ लिया जाएगा जिससे इसके मालिकों को बिना किसी बड़ी परेशानी के इन्हें ढूंढने में कोई संकट नहीं आएंगा। डॉग्स प्रेमियों से यही प्रार्थना की जा रही हैं कि इसका प्रयोग कर अपने डॉग्स की सुरक्षा को सुनिश्चित करें और भविष्य में भी किसी भी संकट के लिए आप तैयार रह सकते हैं।

ऑरेंज एयर एम्बुलेंस की लेजर स्ट्राईक्स की जांच होगी

टोरंटो। ओंटेरियो के एयर एम्बुलेंस सेवा द्वारा आयोजित लेजर स्ट्राईक्स की जांच अब पुलिस द्वारा की जाएंगी। ऑरेंज के अनुसार गत 4 मार्च से लगातार तीन रातों तक इस प्रकार की कार्यवाही होना कोई इत्तेफाक नहीं हो सकता जब पायलट द्वारा रनवे पर गलत तरीके से एयरक्राफ्ट को लैंड किया गया हो, इस प्रकार की घटना किसी भी अन्य बड़ी दुर्घटना को अंजाम दे सकती थी, जिसके कारण इसमें संभलने के लिए पूर्व में ही उन गलतियों को पता लगाया जाएं और दोषियों को इसके लिए दंड दिया जाएं। टिमीन्स में रेड़ और ग्रीन लेजरस को कोकपिट में जोड़ा गया। परंतु जब अगली रात्रि पुनः वहीं घटना घटी तो इसमें संदेह उजागर होने लगा। इसी प्रकार से गत 6 मार्च को ऐसी ही घटना 6 मार्च को हुई, जिसके पश्चात

तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचित किया गया और बार-बार होने वाली इस घटना के पश्चात इसके लिए जांच के आदेश जारी किए गए। ऑरेंज के अधिकारिक सूत्रों के अनुसार पिछले तीन दिनों में हुई घटना के अंतर्गत सभी मरीज सुरक्षित हैं जिन्हें इन हवाई संसाधनों द्वारा अपने-अपने गंतव्यों पर ले जाया जा रहा हैं। परिवहन कैनेडा की महिला प्रवक्ता ने यह भी कहा कि इस प्रकार की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता जिसके लिए सरकार प्रतिबद्ध हैं ।

सैन्य लोकपाल ने स्वतंत्र विभाग की मांग उठाई

सैन्य लोकपाल का कहना है कि पिछले कई दशकों से कैनेडियन पूर्वाधिकारियों के हस्तक्षेप के कारण वे उचित निर्णय नहीं ले पा रहें हैं।

पिछले दिनों उन्हें इस बात के लिए समझाया भी गया कि इस मंत्रालय को रक्षा मंत्रालय से अलग नहीं किया जा सकता इससे इसका अपना वर्चस्व खो जाएंगा

औटवा। कैनेडा के सैन्य लोकपाल ने पिछले दिनों सत्ताधारी केंद्रीय लिबरल सरकार से यह गुहार लगाते हुए कहा कि जल्द ही सैन्य लोकपाल का स्वतंत्र विभाग हो इसकी घोषणा करें, जिससे वे कार्यों को निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कर सके, किसी भी सेना के पूर्वाधिकारियों द्वारा उनकी कार्य योजनाओं में अनुचित रुप से अत्यधिक हस्तक्षेप किया जाता था, जिससे कार्यों को करने के लिए बहुत अधिक समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं, इसलिए केंद्र सरकार सैन्य लोकपाल का विभाग उच्च अधिकारियों के बिना पारित करें जिससे बच्चों व अन्य सैनिकों के उन्नत विकास हेतु वे कारगर कार्य कर सके।

अपने साक्षात्कार में लोकपाल ने यह भी माना कि आगामी बजट में सरकार इस बारे में अतिरिक्त फंड जारी कर इस विभाग के कार्यों और स्टाफ आदि को सुनिश्चित करें। लिक ने यह भी कहा कि पिछले दिनों उन्हें इस बात के लिए समझाया भी गया कि इस मंत्रालय को रक्षा मंत्रालय से अलग नहीं किया जा सकता इससे इसका अपना वर्चस्व खो जाएंगा परंतु मिलीट्री लोकपाल का कहना है कि समय की मांग को देखते हुए इस प्रकार से अलग-अलग विभाग ही अपनी श्रेष्ठता को साबित करने के लिए बहुत अधिक अच्छा कार्य करेंगें। लिक ने मीडिया को यह भी बताया कि उनके पास कई ऐसे उदाहरण हैं जिसमें देश के कई महत्वपूर्ण जांच अभियानों में उन्हें उच्च सदस्यों का दबाव सहना पड़ता था। वहीं कंसरवेटिवस रक्षा समीक्षक जैम्स बेजन का कहना है कि केंद्र सरकार इस पूरे मामले को दबाने का प्रयास कर रही हैं जिसके लिए उन्हें जनता कभी माफ नहीं करेगी, यदि सरकार में इस मामले को लेकर कोई दुविधा नहीं तो अभी तक किसी भी जांच कमेटी के गठन की घोषणा क्यों नहीं की गई? और आरोपों की स्पष्टता के पश्चात भी अभी तक इस बारे में कोई नए आदेश जारी नहीं करना ही सरकार की उदासीनता का प्रमाण है।

उचित निर्णय नहीं होने के कारण कई मामले अभी भी लंबित पड़े हुए हैं। इन दिनों विवादित केस पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 से जांच के अंतर्गत चल रहे पूर्व जनरल जोनाथन वेन्स के केस में अभी तक स्पष्ट टिप्पणियां नहीं मिलने से इस बारे में कोई भी फैसला नहीं लिया गया, जिसका मूल कारण आपसी मतभेद बताएं जा रहे हैं और जोनाथन के मित्रों ने समय -समय पर इस केस में अपनी पहचान के आधार पर इस पूरे मामले को दबाया, जिससे लगभग तीन वर्ष बाद भी इस बारे में कोई भी निर्णय नहीं निकल सका हैं।

पील प्रांत में कर्मचारियों को भी वैक्सीनेशन कार्यक्रम में शामिल करें सरकार : लिबरल

ओंटेरियो.संवाददाता

पील प्रांत के लिए नामांकित ओंटेरियो लिबरल पार्टी के उम्मीदवारों ने स्थानीय लोगों से इस बारे में उनका समर्थन मांगा हैं कि उन्होंने ओंटेरियो सरकार से पील प्रांत के कर्मचारियों को वैक्सीनेशन कार्यक्रम में शामिल करने की अपील की हैं। लिबरलस ने यह भी मांग की हैं कि प्रांत के वेयरहाऊसों, निर्माण स्थलों और लॉगीस्टीक्स सेंटरों पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को भी जल्द ही वैक्सीनेशन लगवाने की योजना में शामिल किया जाएं।

लिबरल्स का मानना है कि पील प्रांत में कोविड-19 को नियंत्रण करने के लिए इस योजना को सुचारु करना सबसे आवश्यक हैं क्योंकि यदि प्रांत के कर्मचारी स्वस्थ्य होंगे तभी राज्य की अर्थव्यवस्था को भी नियमित रुप से आगे बढ़ाया जा सकेगा। आंकड़ों के अनुसार इस समय सबसे अधिक जोखिम कर्मचारियों पर बना हुआ हैं वे अपने कार्य के लिए घर से बाहर निकल रहे हैं और संक्रमण से बचने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। लिबरलस ने यह भी कहा कि पिछले वर्ष उन्होंने सरकार को कई प्रकार की नीतियों में बदलाव की सलाह दी थी जिससे कई जिंदगियों को बचाया जा सकता था, परंतु सरकार ने इनका पालन नहीं किया जिसके कारण आज कई निर्दोषों को मौत हो गई। अब आगामी संकट से बचने के लिए सरकार को सहयोग के साथ आगे बढ़ना होगा तभी सफलता मिल सकेगी। इस प्रस्ताव के लिए काउन्सिल व जनता का समर्थन ही ओंटेरियो सरकार को पील प्रांत की सुरक्षा में नए आयाम निर्धारित करने में मदद कर सकेगा।

कैनेडा ने वैक्सीन के लिए व्हाईट हाऊस से मदद मांगी

लेकिन अभी तक व्हाईट हाऊस की ओर से अधिकारिक तौर पर सहमति का कोई जवाब नहीं आया

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रेस सचिव जेन प्साकी ने अपनी रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया कि कैनेडा और मैक्सिको की ओर से वैक्सीन डोजस की अधिक संख्या में मदद के लिए लिखित अपील मिल चुकी हैं, यह माना जा रहा है कि जल्द ही अमेरिकी सीनेट इस अपील को पारित कर सकता हैं। लेकिन उन्होंने यह भी माना कि फिलहाल अभी तक व्हाईट हाऊस की ओर से इस बारे मे कोई भी अधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है। ज्ञात हो कि पिछले माह नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा था कि सभी व्यस्क अमेरिकियों को 1 मई से कोरोना वैक्सीन देना शुरू कर दी जाएगी। बाइडेन ने राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद पहली बार राष्ट्रको अपना प्राइम-टाइम संबोधन दिया, उन्होंने देश के सभी राज्यों को आदेश दिया है कि 1 मई से सभी वयस्कों को वैक्सीन दी जाए. इससे कुछ घंटो पहले उन्होंने कोरोना राहत देने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर किए थे. अमेरिका में कोरोना वायरस महामारी के कारण 5.29 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है । राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने संबोधन में कहा, ''एक साल पहले इस कोविड ने हमें आघात पहुंचाया था, ये वायरस बड़ी ही खामोशी से आया और सभी जगह फैल गया, पहले हम इसे टालते रहे. लापरवाही की बहुत लोगों की मौत हुई, हालांकि ये सभी के लिए अलग था, इसके कारण हम सभी ने कुछ न कुछ खोया है।'' कैनेडा में 4 कोरोना वैक्सीन को मंजूरी दी गई है इसमें फाइजर, मॉडर्ना और एस्ट्राजेनेका के अलावा जॉनसन एंड जॉनसन की कोरोना वैक्सीन का नाम शामिल है, खास बात है कि इसमें एक वैक्सीन ऐसी भी है जिसकी सिर्फ एक डोज ही काफी है । कोरोना वायरस के खिलाफ जारी जंग को मजबूती देते हुए कैनेडा ने जॉनसन एंड जॉनसन की कोरोना वैक्सीन के इस्तेमाल की अनुमति दे दी है, खास बात है कि इस वैक्सीन की दो के बजाय सिर्फ एक डोज ही वायरस से बचाने के लिए काफी है।

गौरतलब है कि कई अन्य देशों की तरह कैनेडा में भी वैक्सीन का लोकल उत्पादन नहीं होने के चलते उसे तत्काल टीके की कमी का सामना करना पड़ा। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने ट्वीट करते हुए कहा, 'यह चौथा टीका है, जिसे कैनेडा के हेल्थ एक्सपर्ट्स ने सुरक्षित पाया है, पहले ही लाखों डोज तैयार हैं और हम वायरस से निपटने में एक कदम दूर हैं।'

10 करोड़ जे एंड जे कोविड वैक्सीन ऑर्डर करने की योजना

बाइडन ने यह भी कि उनका प्रशासन जॉनसन एंड जॉनसन कोविड-19 वैक्सीन के 100 मिलियन (10 करोड़) डोज और ऑर्डर करेगा, इस योजना को अमलीजामा पहनाए जाने के बाद अमेरिका द्वारा ऑर्डर किए गए कोविड-19 वैक्सीन के कुल डोज की संख्या 800 मिलियन यानि कि 80 करोड़ पर पहुंच जाएगी। बाइडेन ने कहा था, ÷शनिवार को हमने अमेरिका में एक दिन में 29 लाख टीकाकरण करके रिकॉर्ड बनाया है, 'साथ ही उन्होंने कहा था कि मई के अंत तक संयुक्त राज्य अमेरिका के पास उसके हर वयस्क नागरिक के लिए कोविड-19 वैक्सीन डोज होंगे। यानि कि जुलाई के आखिर के लिए तय की गई समयसीमा से पहले ही हम अपना लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे।

एडमॉन्टन स्कूल में लड़के ने की लड़की की हत्या

पुलिस ने आरोपी छात्र को किया गिरफ्तार

अल्बर्टा। दक्षिणी एडमॉन्टन स्थित एक स्कूल में दिल दहला देने वाली घटना ने सभी को हैरान करके रख दिया, सूत्रों के अनुसार स्कूल परिसर में एक 17 वर्षीय छात्र ने अपनी सहपाठी छात्रा पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने नाबालिग छात्र को स्कूल में हिंसा करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया हैं।

घटना के समय स्कूल में 350 से अधिक छात्र-छात्राएं मौजूद थी, क्योंकि इस समय राज्य के सभी स्कूलों में कक्षा 9 से 12 तक के सभी विद्यार्थियों की पढ़ाई भौतिक रुप से आरंभ करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं, पुलिस को अभी तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया हैं जिसके लिए उपयुक्त समय पर आरोपी छात्र से पूछताछ की जाएंगी और मामले की विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के पश्चात ही इस केस को सजा हेतु कोर्ट में पेश किया जाएंगा। इन्सपेक्टर डाले केनडाल ने बताया कि ये दोनों विद्यार्थी एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते थे तभी हमले के समय कोई भी आवाज किसी ने नहीं सुनी, साथी सहपाठियों का मानना है कि मृतक लड़की को यह नहीं पता था कि हत्यारा लड़का उस पर हमला करने वाला हैं नहीं तो वह वहां से भाग जाती या किसी को अपनी मदद के लिए अवश्य बुलाती, परंतु ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और इस कारण से यह मामला इतना अधिक गंभीर माना जा रहा हैं।

महिला पुलिस अधिकारी ने इस घटना पर गहरा दुःख जताते हुए माना कि इस प्रकार से स्कूलों में हिंसक घटना बहुत अधिक चिंता का विषय हैं इस प्रकार की घटनाओं से न केवल आरोपी छात्र-छात्राओं के जीवन पर असर पड़ता हैं बल्कि सभी छात्र-छात्राओं के जीवन पर भी गहरा प्रभाव ड़ालती हैं।

यह घटना इस बात का भी प्रमाण देती हैं कि परिवार में कलह या दोस्तों के साथ झगड़े आदि के कारण छात्र गुस्से में इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम दे देते हैं और बाद में उनका पूरा भविष्य खराब हो जाता हैं।

ओंटेरियो श्रम मंत्री ने अमेजन साईट का निरीक्षण किया

अमेजन वेयरहाऊस में कोविड-19 के निर्देशों का उल्लंघन करने पर शटडाऊन के आदेश जारी कर दिए गए, जिसकी पुष्टि के लिए स्वयं श्रममंत्री ने मौके की जांच की

ओंटेरियो। ओंटेरियो सरकार के आंतरिक सूत्रों के अनुसार सोमवार को अमेजन वेयरहाऊस के शटडाऊन करवाएं गए साईट का निरीक्षण करने स्वयं श्रममंत्री पहुंचें, इस बात की विस्तृत जानकारी देते हुए श्रम मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि ब्रैम्पटन, ओंटेरियो स्थित इस साईट में हजारों कर्मचारी कार्य करते हैं और यदि कोविड-19 संबंधी किसी भी निर्देश का उल्लंघन किया जाता हैं तो इससे यह महामारी प्रकोप बनकर इन कर्मचारियों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, इसलिए कोई भी लापरवाही नहीं बरतते हुए इस स्थान को अस्थाई तौर पर शटडाऊन कर दिया गया हैं। प्रवक्ता हैरी गोडफ्रे ने बताया कि यदि जांच में यह पाया गया कि अमेजन कंपनी द्वारा नियमों की अनदेखी की गई तो श्रम कानूनों के अंतर्गत भारी जुर्माने के रुप में 1.5 मिलीयन डॉलर या कठोर कारावास के लिए तैयार रहें। श्रम मंत्रालय इस बार पारदर्शी रवैया अपनाएंगा और दोषी पाएं जाने पर उसका नाम अवश्य ही सार्वजनिक किया जाएगा।

राज्य के वरिष्ठ चिकित्सक का भी कहना है कि अमेजन में कुल मिलाकर 5000 कर्मचारी कार्य कर रहे हैं और अक्टूबर से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इनमें से अब तक 600 कुल केसों की पुष्टि भी की जा चुकी हैं परंतु अभी तक इस बात का पुख्ता प्रमाण नहीं मिल सका हैं कि ये केस अमेजन वेयरहाऊस में नियमों का उल्लंघन करने से फैले या कहीं बाहर से इन कर्मचारियों को यह संक्रमण हुआ।

रोजर्स-शॉ की डील पर मूल्यों को लेकर उठे विवाद

टोरंटो। रोजरस कम्युनिकेशनस द्वारा प्रस्तावित डील के अनुसार शॉ कम्युनिकेशनस खरीदा जाएगा। यह बात पढ़ने में जितनी सामान्य लग रही हैं, उतनी हैं नहीं, विवाद इस बात का खड़ा हो रहा है कि शॉ कम्युनिकेशनस की खरीदारी के लिए मूल्यों का निर्धारण कैसे किया गया। जानकारों के अनुसार इस डील के पीछे राजनैतिक प्रभाव हो सकता हैं।

अर्थशास्त्रियों को यह भी संदेह है कि इस डील को कोविड-19 के अंतर्गत क्यों किया गया, इसकी भी जांच होनी चाहिए रॉजरस द्वारा शॉ का अधिग्रहण करने के पीछे की आशा अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई हैं। रोजरस के अनुसार इस डील की प्रस्तावना को हुए लगभग तीन वर्ष बीत चुके हैं परंतु इसके मूल्य निर्धारण में कोइ भी परिवर्तन नहीं किया गया और जितना मूल्य तीन वर्ष पूर्व निर्धारित किया गया था उतनी ही राशि आज भी सुनिश्चित की गई हैं।

इसके अलावा रोजरस द्वारा शॉ के निवेशकों को यह भी समझाया जा रहा है कि इस डील में कोई भी परिवर्तन नहीं किया जाएगा जिससे निवेशकों के लाभ को कोई भी हानि न पहुंच सके। कैनेडा रिसर्च चैयर का दावा है कि इस डील के अंतर्गत इंटरनेट और ईकॉमर्स लॉ को भी अनदेखा किया गया हैं, जोकि किसी भी वायरलेस कंपनी की अधिग्रहण डील के लिए आवश्यक होता हैं, जानकारों का यह भी मानना है कि इस डील का मुख्य लक्ष्य केवल बाजार में अधिपत्य स्थापित करना हैं और देश में वायरलेस सेवाओं के लिए केवल एक ही कंपनी का प्रभुत्व बना रहें इसी धारणा से यह डील अंजाम दी गई हैं। जिसके लिए पूर्ण जानकारी के पश्चात ही इसे कार्यान्वित करने पर विचार करना चाहिए अन्यथा भविष्य में यह आम लोगों के लिए एक घाटे का सौदा साबित हो सकती हैं। सूत्रों के अनुसार देश की प्रसिद्ध वायर और फोन कंपनी इस मसौदे को 26 बिलीयन डॉलर खर्च करके पूरा करने का विचार कर रही हैं और जल्द ही रोजरस अपना अधिग्रहण शॉ पर कर लेगी। जानकारों का यह भी मानना है कि इस समय देश में रोजरस और शॉ प्रत्यक्ष रुप से प्रतियोगी नहीं हैं और न ही इनके उत्पादों से बाजार में किसी भी प्रकार की मांग-आपूर्ति समस्या उत्पन्न हो सकेगी।

अधिकारियों ने यह भी माना कि इस डील की योजना गत 2016 से बनाई जा रही हैं परंतु सरकारी योजनाओं के अभाव में कंपनियों ने इस डील को स्वयं ही अनुमोदित करने की योजना को स्वीकार किया हैं। ज्ञात हो कि वर्ष 2016 में शॉ ने देश की एक अन्य कंपनी विंड मोबाईल का भी अधिग्रहण किया था।

अब लगभग पांच वर्ष पश्चात कंपनी ने रोजरस के साथ डील करने पर अधिक जोर दिया हैं। इस डील के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए लॉयरस ने बताया कि अभी तक इस बारे में किसी भी विनिमय को स्वीकार नहीं किया गया हैं।

रोजर्स खरीदेगा शॉ, परंतु आपसी प्रतियोगिता बनी रहेगी

रोजरस कम्युनिकेशनस के सूत्रों ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि जल्द ही रोजरस कम्युनिकेशनस, शॉ कम्युनिकेशनस नामक कंपनी को खरीदेगा, जिसके बाद देश की प्रमुख केबल कंपनियां आपस में मिलकर एक विशालकाय कंपनी बन जाएंगी, परंतु रोजरस के आंतरिक सूत्रों ने यह भी माना कि अन्य विदेशी कंपनियों से वायर संबंधी प्रतियोगिता अभी भी सुचारु रुप से चलेगी। सूत्रों के अनुसार देश की प्रसिद्ध वायर और फोन कंपनी इस मसौदे को 26 बिलीयन डॉलर खर्च करके पूरा करने का विचार कर रही हैं और जल्द ही रोजरस अपना अधिग्रहण शॉ पर कर लेगी। जानकारों का यह भी मानना है कि इस समय देश में रोजरस और शॉ प्रत्यक्ष रुप से प्रतियोगी नहीं हैं और न ही इनके उत्पादों से बाजार में किसी भी प्रकार की मांग-आपूर्ति समस्या उत्पन्न हो सकेगी। अधिकारियों ने यह भी माना कि इस डील की योजना गत 2016 से बनाई जा रही हैं परंतु सरकारी योजनाओं के अभाव में कंपनियों ने इस डील को स्वयं ही अनुमोदित करने की योजना को स्वीकार किया हैं।

फ्लाईट 752 दुर्घटना को 'सबसे बड़ी चूक' बताने वाली ईरानी रिपोर्ट को औटवा ने खारिज किया

परिवहन मंत्री उमर अलगाहब्रा और विदेश मंत्री मार्क गारन्यू ने 145 पृष्ठों की लंबी रिपोर्ट में बताई अपनी शंकाएं

औटवा। कैनेडियन केंद्र सरकार ने वर्ष 2020 जनवरी में हुई फ्लाईट 752 के दुर्घटना ग्रस्त संबंधी रिपोर्ट में ईरानी सरकार द्वारा सबसे बड़ी चूक कहने को गलत ठहराते हुए इस रिपोर्ट को पूर्णतः खारिज कर दिया है। ज्ञात हो कि पिछले वर्ष 8 जनवरी को तेहरान में हुई इस दुर्घटना के पश्चात जब यह उजागर हुआ कि इस हवाई जहाज पर ईरानी सैनिकों द्वारा गोलियां चलाई गई थी, तो इसके पश्चात ईरान से कैनेडा ने स्पष्टीकरण मांगा जिसमें 55 से अधिक निर्दोष कैनेडियनस की मृत्यु की पुष्टि की गई थी। ज्ञात हो कि कहते हैं बदले की आग किसी को भी अंधा बना सकती है, ऐसा ही कुछ ईरान के साथ हुआ, अमेरिका से बदला लेने की सनक ऐसी सवार हुई कि वह सही और गलत का भेद भूल गया और गुस्से में एक ऐसी बड़ी चूक कर गया, जिससे 1-2 नहीं बल्कि पूरे 176 निर्दोष लोगों की मौत हो गई, इस बड़ी चूक के लिए ईरान को पूरी दुनिया के सामने शर्मिंदा भी होना पड़ा। 8 जनवरी, 2020. पिछले साल ईरान ने यूक्रेन के एक यात्री विमान को मिसाइल से उड़ा दिया, कुछ ही दिन पहले अमेरिका ने एक ड्रोन हमले में ईरान के सबसे शक्तिशाली सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी को मार दिया था। इस एक घटना से ईरान का गुस्सा सातवें आसमान पर था. इस देश में हर कोई सिर्फ बदला लेना चाहता था. इसी गुस्से में ईरान से बड़ी चूक हुई, उसने गलती से यूक्रेन के एक यात्री विमान पर मिसाइल दाग दी, इस विमान में 176 यात्री सवार थे, जिसमें कई देशों के नागरिक सवार थे।

अपने सैन्य कमांडर की हत्या का बदला लेने के लिए ईरान ने इराक स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल से हमला किया था, इसके कुछ देर बाद ही तेहरान से उड़ान भरने वाला विमान क्रैश हो गया, यूक्रेन का बोइंग विमान 737 उड़ान भरने के महज नौ मिनट बाद ही हवा में आग का गोला बन गया. इस विमान में ईरान के 82 और कैनेडा के 57 नागरिक सवार थे, इसके अलावा यूक्रेन के 11, स्वीडन के 10 और अफगानिस्तान के चार जबकि जर्मनी व ब्रिटेन के 3-3 यात्री सवार थे. 10 क्रू सदस्यों की भी इस हादसे में मौत हो गई थी। ईरान गलती मानने से करता रहा इन्कार : शुरुआत में ईरान ने इस दुर्घटना में अपना हाथ होने से साफ इल्कार कर दिया, कैनेडा और ब्रिटेन ने एक स्थानीय वीडियो के हवाले से दावा किया कि इस विमान हादसे में ईरान का हाथ है और उसकी मिसाइल से ही यह विमान गिरा है, मगर ईरान ने सच कबूलने से साफ इनकार कर दिया था।

3 सार्वजनिक क्लिनिकों को खोलकर वरिष्ठ नागरिकों के वैक्सीनेशन का कार्य जल्द किया जाएगा पूरा : टोरी

टोरंटो। सिटी ऑफ टोरंटो द्वारा की गई नई घोषणा के अनुसार जल्द ही प्रांत में तीन नए सार्वजनिक संरक्षण क्लिनिकों को खोला जा रहा हैं जिसके पश्चात अगले सप्ताह से 80 वर्ष या इससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को लगने वाले वैक्सीनेशन के कार्य को जल्द ही पूरा कर लिया जाएंगा। सूत्रों के अनुसार आगामी 17 मार्च से सिटी में मेट्रो टोरंटो कन्वेन्शन सेंटर, द स्कारबरो टाऊन सेंटर और द टोरंटो कांग्रेस सेन्टर पर इन सार्वजनिक क्लिनिकों को खोला जाएगा। सिटी के आंतरिक सूत्रों के अनुसार इसके लिए सबसे पहले इच्छुक नागरिकों को अपाईटमेंट लेने होंगे जिसके लिए ओंटेरियो सरकार की प्रांतीय ऑनलाईन पोर्टल को 15 मार्च से खोल दिया जाएगा, ताकि संबंधित लोगों को इससे जल्द से जल्द लाभ मिल सके। मेयर जॉन टोरी ने इस बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि जल्द ही सिटी के संबंधित अधिकारी भी इस प्रक्रिया से जुड़ेंगे और लोगों को इस कार्य में हर संभव मदद देने का प्रयास करेंगे, जिससे कार्यों को शीघ्रता से निपटाया

जा सके और वरिष्ठ नागरिकों का वैक्सीनेशन कार्य समय से पूर्व ही पूरा हो सके, उन्होंने यह भी बताया कि हमारी टीम जल्द ही सभी कामों को अंतिम रुप देने में जुटी हुई हैं। इसके अलावा उन्होंने यह भी सूचना दी कि इन क्लिनिकों का कार्य समय प्रातः 11 बजे से रात्रि 8 बजे तक होगा जिससे एक दिन में अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिकों का वैक्सीनेशन पूरा किया जा सके।

ट्रक से टक्कर मारने वाले सैन्य कर्मी को मिली 6 साल की सजा

औटवा। गत वर्ष जुलाई में एक मनीटोबा निवासी ने प्रधानमंत्री जस्टीन ट्रुडो के घर के निकट रिड्यू हॉल के गेट पर जोरदार टक्कर मारी जिसके आरोप में इस व्यक्ति को कोर्ट ने 6 वर्ष के कठोर कारावास का दंड सुनाया गया। सूत्रों के अनुसार इस व्यक्ति की पहचान 46 वर्षीय कौरे हुरेन के रुप में की गई, जो इससे पूर्व भी यह अपराधी एक वर्ष की जेल काटकर वापस आया था।

हुरेन के ऊपर 21 अवैध हथियार रखने का भी आरोप हैं। इसके अलावा आरोपी ने यह भी माना था कि उसने ही रियडू हॉल के गेट पर टक्कर मारी थी, सूत्रों के अनुसार इस दुर्घटना के कारण हुरेन ने लगभग 100,000 डॉलर का नुकसान किया है।

इस केस से संबंधित ओंटेरियो कोर्ट जज रॉबर्ट वाडन ने कहा कि अभी तक हुरेन को अपनी गलती का कोई पछतावा नहीं जिसके कारण इन्हें क्षमा का कोई प्रशन ही नहीं उठता, यह कार्यवाही देश द्रोह में भी शामिल की जा सकती है। जानकारों के अनुसार गत वर्ष 2 जुलाई को प्रधानमंत्री आवास से यह सूचना दी गई कि एक अज्ञात ट्रक चालक ने रिड्यू हॉल का दरवाजा टक्कर मारकर तोड़ दिया हैं जिसके पश्चात इस कार्य की उच्च स्तरीय जांच आरंभ हो गई और अब इसके फैसले पर कोर्ट ने आरोपी को छः वर्ष की कड़ी कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने अपनी रिपोर्ट में यह भी माना कि अच्छी बात यह है कि उस समय प्रधानमंत्री या उनका परविार आवास में नहीं था, नहीं तो कोई भी अप्रिय घटना घट सकती थी।

फास्ट-ट्रेक परियोजनाओं के लिए

नीतियों में बदलाव के बचाव में उतरे प्रीमियर फोर्ड

टोरंटो। ओंटेरियो प्रीमियर डाग फोर्ड ने राज्य में बहुउद्देशीय परियोजनाओं के लिए कुछ नीतियों में संशोधन करते हुए उन्हें फास्ट-ट्रेक में चलाने का प्रस्ताव पारित करते हुए विपक्ष पर इनमें अड़चन डालने का आरोप लगाया।

ज्ञात हो कि कुछ योजनाओं को जल्द पूरा करने के लिए प्रीमियर ने इसके लिए पर्यावरण मानकों के परामर्श की अनिवार्यता को हटा दिया हैं, जिसके विरोध में विपक्ष ने सरकार पर मनमानी का आरोप लगाते हुए इन योजनाओं के नाम पर पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करने की बात कहीं, इसके बचाव में विधानसभा में प्रीमियर ने कहा कि विपक्ष योजनाओं को पूरा होने नहीं देना चाहता इसलिए इस प्रकार के निराधार विवाद उठा रहा हैं, उन्होंने योजनाओं को फास्ट-ट्रेक में चलाने के लिए उचित संसोधान पारित किए हैं न कि गलत, उन्हें भी राज्य के लोगों के स्वास्थ्य की परवाह

हैं और वे उन सभी मानकों को पूरा करेंगे जिसकी वास्तव में आवश्यकता होगी। इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा बल्कि राज्य में महामारी काल के कारण उत्पन्न वित्तीय संकट से निपटने के लिए भी शक्ति मिल सकेगी। एनडीपी प्रमुख ने इसे केवल प्रीमियर का झलावा बताया और लोगों को मिथ्या बातों से बरगलाने का प्रयास मात्र कहा है।

कोविड-19 प्रतिबंधों के दौरान कर्मचारी शोषण और जातीय भेदभाव का सामना कर रहे हैं : अधिकारी

टोंरटो। पील प्रांत के प्रख्यात ब्यूरोक्रेटस की चैकाने वाली रिपोर्ट ने सभी को हैरान कर दिया हैं, उन्होंने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट कहा कि पिछले एक वर्ष से चल रहे कोविड-19 प्रतिबंधों के अंदर लगभग सभी कर्मचारियों को शोषण और जातीय भेदभाव का सामना करना पड़ रहा हैं। पील प्रांत के प्रमुख प्रशासनीय अधिकारी जैनीस बेकर ने बताया कि पिछले एक वर्ष से बेरोजगारी के डर से कर्मचारी इस प्रकार की कई घटनाओं को मजबूरन सहन कर रहे हैं। इस समय यह समझ नहीं आ रहा कि कौन इस समय सुरक्षित हैं? जिसके पास रोजगार हैं या जो बेरोजगार हैं, यदि किसी कर्मचारी से बात करें तो अवश्य ही उसके साथ कार्य शोषण किया जा रहा हैं जिसका विरोध करने पर उसे

पील प्रांत के प्रमुख प्रशासनीय अधिकारी जैनीस बेकर ने बताया कि पिछले एक वर्ष से बेरोजगारी के डर से कर्मचारी इस प्रकार की कई घटनाओं को मजबूरन सहन कर रहे हैं।

जातीय भेदभाव संबंधी मानसिक पीड़ा भी दी जा रही हैं। पिछले एक वर्ष से देश में बेरोजगारी की दर दोगुना स्पीड से बढ़ी हैं जिसके लिए सरकार और कंपनियां संयुक्त कार्यों में लगी हुई हैं, परंतु फिर भी ऐसे कई केस सामने आएं हैं जिससे यह स्पष्ट हुआ कि मामलों को सुधारने के लिए आपसी मतभेदों को भुलाकर इस समय कर्मचारी केवल रोजगार बचाने की कवायद पर ध्यान दें रहे हैं। इसके अलावा सरकारी आंकड़ों में यह भी माना जा रहा है कि आगामी दिनों में डोजस प्राप्त करने वालों की संख्या दो मिलीयन के पार हो सकती हैं। यद्यपि देश में कोविड-19 के नए वैरिएंटस के भी कई मामले सामने आ रहे हैं परंतु लोगों की सतर्कता और धैर्य से इसे नियंत्रण करने में श्रेष्ठ भूमिका भी निभाई जा रही हैं। देश के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. थैरेसा टेम ने अपने बयान में माना कि देश में कोविड-19 के कई प्रकार देखने को मिले हैं और यह भी पुष्टि कर दी गई हैं कि ये मामले विदेशों से नहीं आएं हैं बल्कि अपने ही देश में इस संक्रमण ने अपने पैर पसारे हैं। पिछले एक माह के अंदर देश के कई राज्या में नए वैरिएंटस के मामलों में तेजी चिंता का कारण बन रही हैं जहां शासकेटचवान में यह संख्या 35 हुई, वहीं अल्बर्टा में यह संख्या 28 तक पहुंच गई, सूत्रों की माने तो इस समय देश में कुल 687 मामले सामने आ चुके हैं।

ओंटेरियो एलटीसी का सुरक्षा प्रस्ताव बहुत अधिक महंगा

टोरंटो। ओंटेरियो के लोन्ग-टर्म केयर सिस्टम के प्रभावों की जांच करने वाली सुनिश्चित कमीशन का यह मानना है कि सरकार की नियुक्ति के लिए पेश किया गया प्रस्ताव बहुत अधिक महंगा हैं जिसके लिए अभी ओंटेरियो वासियों के ऊपर करों का इतना अधिक बोझ डालना पूर्णतः अनुचित होगा।

ज्ञात हो कि कोविड-19 के दूसरे चरण के प्रारंभ होने के पश्चात सरकार को सबसे पहले लोन्ग-टर्म केयर में मामलों में बढ़ोत्तरी न हो इस बात की चिंता सताने लगी जिसके लिए वहां अत्यंत आवश्यक व आधुनिक संसाधनों को जुटाया जाने लगा, संक्रमित व्यक्ति के लिए दो या तीन रुम को उपलब्ध करवाने के लिए अधिक से अधिक संख्या वाले स्थानों को सुनिश्चित किया गया, जिसके प्रबंध के लिए सरकार ने जनता से कराधान मांगने के लिए कोई कमी नहीं रखी। परंतु एलटीसी के प्रभावों को सुनिश्चित करने वाले कमीशन ने इन प्रबंधों पर सवाल उठाते हुए स्पष्ट कहा कि दूसरे चरण के प्रबंधों में सरकार ने हड़बड़ी दिखाई और इसके लिए बहुत अधिक प्रसारित प्रबंधों को चुना जिसकी अभी कोई अति आवश्यकता नहीं थी, जिसे सरकार को जल्द ही सुधारना होगा अन्यथा ये खर्चे अत्यधिक रुप से राज्य की अन्य योजनाओं पर प्रभाव डालेंगे और इससे निवेशकों मानसिक व शारिरीक दोनों पीड़ाएं होगी, कमीशन ने सरकार को संबंधित योजनाओं के लिए पुनः विचार की याचिका दाखिल कर दी हैं जिससे आगामी प्रबंधों में फेर-बदल कर इनके खर्चों को कम किया जा सके और उचित प्रबंधों के कारण अन्य आवश्यक योजनाओं को भी सुचारु रुप से पूरा करने में सहयोग किया जा सके।

जानकारों का मानना है कि कोविड-19 का दूसरा चरण इतना अधिक भयंकर नहीं हैं इसलिए इसके लिए कुछ हद तक छूटों में बढ़ोत्तरी करना कारगर साबित हो सकता है। मक्ग्रियर ने माना कि एलटीसी के वर्तमान प्रबंधों को कम करके सभी को समान स्वास्थ्य लाभकारी योजनाएं उपलब्ध करवाई जाएं जिससे अधिक से अधिक योजनाओं को समय से पूरा किया जा सके।

सांसद याश्मीन रतनसी ने अपनी बहन को नौकरी दिलवाने में तोड़े नियम : कॉमन्स बोर्ड

औटवा। स्वतंत्र प्रभार के सांसद याश्मीन रतनसी पर लगाएं गए आरोपों के सत्यापित होने पर उन्हें जल्द ही हाऊस ऑफ कोमनस ने इस अपराध के लिए दंड रुप में धनराशि जमा करवानी होगी। ज्ञात हो कि याश्मीन रतनसी ने अपनी बहन को टोरंटो कार्यालय में नौकरी दिलवाने में कुछ गलत कार्यों का प्रयोग किया जिससे उसकी बहन की नौकरी वहां लग गई, इस बात की पुष्टि होने पर अब रतनसी को इस कृत्य के बदले जुर्माना भरना होगा, सूत्रों के अनुसार याश्मीन रतनसी को गत नवम्बर में लिबरल पार्टी छोड़नी पड़ी थी क्योंकि अधिकारियों के अनुसार उन्होंने अपनी बहन को सवैंधानिक सहायक का पद दिलवाना एक त्रुटि हैं जिसके लिए वे पार्टी में नहीं बने रह सकते। बोर्ड ने भी अपनी जांच में बताया कि याश्मीन ने नियमों का उल्लंघन करके अपनी बहन को एक सरकारी पद दिलवाया जिसके लिए उन्हें अवश्य ही दंड भरना होगा। बोर्ड ने यह भी कहा कि इस आरोप के सिद्ध होने से अब याश्मीन को 9,400 डॉलर का निष्कासन या हटाने आदि का जुर्माना भरना होगा।

उनकी बहन को यह भी कहा गया कि उनके इस घोटाले को क्षमा करते हुए उनसे वास्तविक घटना के बारे में सच कहने के लिए कहा गया, परंतु उन्होंने भी सरकारी अधिकारियों के साथ सहयोग नहीं किया। इसके पश्चात बोर्ड ने इस बारे में पारदर्शी जांच के आदेश पारित कर दिए और उसकी रिपोर्ट ने सभी को चौंका कर रख दिया। फिलहाल पूरे मामले के बारे में केंद्रीय नीतिशास्त्र आयुक्त जांच कर रहे हैं और वे ही इस बारे में निर्णय लेगे कि याश्मीन वास्तविक दोषी है या नही अपितु उन्हें भी उनकी बहन द्वारा तथ्यों की उपलब्धता में गलत जानकारी दी।

जे एंड जे वैक्सीन के उत्पादन में संकट

प्रधानमंत्री ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन के उत्पादन में संकट उत्पन्न हो रहे हैं

औटवा.संवाददाता

प्रधानमंत्री ने अपनी आगामी चिंता जाहिर करते हुए माना कि जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन के उत्पादन में संकट उत्पन्न हो रहे हैं जिसके कारण केंद्र सरकार जल्द ही इस कंपनी को मिलने वाली सब्सिडी को भी बंद कर सकती हैं, सूत्रों के अनुसार इस कंपनी में अभी तक किसी भी प्रकार से वैक्सीन निर्माण के चरणों को आरंभ नहीं किया हैं जबकि संबंधित अधिकारियों ने दावा किया था कि जल्द ही कंपनी द्वारा स्वदेशी वैक्सीन के उत्पाद का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा और इसे सार्वजनिक भी किया जा सकता हैं। प्रधानमंत्री ने मीडिया को दिए अपने बयान में यह भी माना कि जैनसेन फार्माक्यूटीकलस नामक इस कंपनी ने सुनिश्चित समय में एक डोज के निर्माण की पुष्टि की थी, परंतु अभी तक इसके कोई भी प्रमाण प्रस्तुत नहीं

किये जाने से यह माना जा रहा हैं कि जे एंड जे वैक्सीन की जल्द आने की संभावना बहुत कम हैं और इसके लिए कैनेडा और अधिक इंतजार नहीं कर सकता।

वहीं दूसरी ओर देश में लोगों को अमेरिका व भारत से मंगवाई डोजस दी जा रही हैं और आंकड़ों के अनुसार गत 67 दिनों में एक मिलीयन लोगों को पहले चरण के डोजस देने का कार्य पूरा भी कर लिया गया है। इसके अलावा सरकारी आंकड़ें में यह भी माना जा रहा है कि आगामी दिनों में डोजस प्राप्त करने वालों की संख्या दो मिलीयन के पार हो सकती हैं। यद्यपि देश में कोविड-19 के नए वैरिएंटस के भी कई मामले सामने आ रहे हैं परंतु लोगों की सतर्कता और धैर्य से इसे नियंत्रण करने में श्रेष्ठ भूमिका भी निभाई जा रही हैं। देश के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. थैरेसा टेम ने अपने बयान में माना कि देश में कोविड-19 के कई प्रकार देखने को मिले हैं और यह भी पुष्टि कर दी गई हैं कि ये मामले विदेशों से नहीं आएं हैं बल्कि अपने ही देश में इस संक्रमण ने अपने पैर पसारे हैं। पिछले एक माह के अंदर देश के कई राज्या में नए वैरिएंटस के मामलों में तेजी चिंता का कारण बन रही हैं जहां शासकेटचवान में यह संख्या 35 हुई, वहीं अल्बर्टा में यह संख्या 28 तक पहुंच गई, सूत्रों की माने तो इस समय देश में कुल 687 मामले सामने आ चुके हैं। जानकारों की मानें तो जॉनसन एंड जॉनसन की यह वैक्सीन आगामी अप्रैल से सितम्बर के मध्य बाजारों में आ जाएंगी जिससे करोड़ों को इस महामारी से बचाया जा सकता हैं, परंतु इस टिप्पणी पर शंका जताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बात की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है कि यह वैक्सीन लोगों के स्वास्थ्य पर कारगर होगी या नहीं इसलिए कंपनी के दावों को सटीक नहीं मानते हुए इसके उत्पादन को रोकने की घोषणा की जा सकती हैं।

इस युग में लिंग समानता को पसंद करते हैं अधिकतर पुरुष : पोल

औटवा। एक लंबे समय के पश्चात आज के युग का प्रत्येक कैनेडियन पुरुष लिंग समानता को पसंद कर रहा हैं, यद्यपि इस बदलाव को आने में बहुत अधिक समय लगा परंतु आज अधिकतर सभी कैनेडियनस पुरुष महिलाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने के पक्ष में हैं और इसी पक्ष के साथ उन्होंने आयोजित एक पोल रिपोर्ट में अपनी इच्छा व्यक्त की। लेजर एंड द एसोसिएशन फॉर कैनेडियन स्टडीज की ताजा रिपोर्ट में यह भी माना गया कि अभी फिलहाल वांछित लक्ष्य प्राप्त नहीं हो सका हैं परंतु पहले की तुलना में अब देश का पुरुष वर्ग अधिक संख्या में महिलाओं को अपने साथ देखना चाहता हैं। आंकड़ों के अनुसार अभी भी 80 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में देश की केवल 68 प्रतिशत महिलाएं ही बराबरी का दम्भ ठोक सकती हैं, जबकि इस आंकड़े को बढ़ाना होगा तभी वांछित लक्ष्य जल्द ही मिल सकेगा। इस पोल रिपोर्ट में देश के अलग-अलग क्षेत्रों में महिलाओं और पुरुषों की संख्या की तुलना के आधार पर यह कहा गया कि अभी भी लक्ष्य को प्राप्त करने में मेहनत करने की आवश्यकता हैं परंतु इस बात में प्रसन्नता है कि वास्तविक मेहनत करने से जल्द ही इस समानता के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि जहां सामाजिक क्षेत्र में 71 प्रतिशत पुरुषों का योगदान हैं वही महिलाओं की प्रतिभागिता केवल 58 प्रतिशत हैं, इसी प्रकार मीडिया क्षेत्र में 73 प्रतिशत पुरुषों के सामने 57 प्रतिशत महिलाएं काम के लिए आगे हैं और कार्य क्षेत्र में यह आंकड़ा 68 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में 50 प्रतिशत हैं तो विज्ञान क्षेत्र में 64 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या 48 प्रतिशत पर टिकी हुई हैं। वहीं राजनीति में यह संख्या बहुत अधिक गिरी है जिसमें 64 प्रतिशत की तुलना में 44 प्रतिशत महिलाओं का योगदान हैं जबकि खेलों में 48 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में महिलाओं का आंकड़ा 41 प्रतिशत पर सीमित रहा है।

महामारी काल में अत्यधिक प्रभावित सेक्टरों की अधिक मदद की जाएं

औटवा। देश की प्रमुख विपक्षी पार्टियां लगातार केंद्रीय लिबरल सरकार पर दबाव बना रही हैं कि कोविड-19 प्रकोप के कारण अत्यधिक प्रभावित हुए कुछ सेक्टरों की ओर अधिक वित्तीय मदद की घोषणाएं की जाएं, जिससे बिल्कुल समाप्ति की ओर जा रहे कई व्यापारिक संगठनों को बचाया जा सके। विपक्ष ने हाउस ऑफ कोमनस के सामान्य सत्र में अपने संबोधन में कहा कि देश के होस्पिटलटी, पर्यटन और चैरिटी आदि सेक्टरस इस समय बहुत अधिक प्रभाव से गुजर रहे हैं और यदि समय रहते इन्हें नहीं संभाला गया तो देश की कई संस्थाएं बंद हो जाएंगी।

बच्चों को अधिक सुरक्षा देने के लिए ...

तलाक अधिनियम में किया जाएगा बदलाव

विक्टोरिया। प्रांत में एक कानून विशेषज्ञ के पति ने तलाक के पश्चात साथ रह रही अपनी दोनों बेटियों की हत्या के पश्चात एक बार फिर से यह मामला तूल पकड़ रहा है कि तलाक के पश्चात बच्चों की सुरक्षा का और अधिक पुख्ता प्रबंध हो? जानकारों के अनुसार मार्च के आरंभ में इस बदलाव पर चर्चा आरंभ हो जानी चाहिए जिससे भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटना पुनः न हो सके।

परिवार कानून विशेषज्ञ प्रो. सारा रमेशॉ ने इस बारे में बताते हुए कहा कि वर्ष 2017 में क्रिसमस वाले दिन हुई इस घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था, जब एक निर्मम पिता ने तलाक के पश्चात दबाव में मिली अपनी छः वर्षीय और चार वर्षीय बेटियों की हत्या कर दी थी, ब्रिटीश कोलम्बिया सुप्रीम कोर्ट के जज एंड्रूरू बैरी ने इस मामले पर अपना आदेश

देते हुए आरोपी को गत 2019 दिसम्बर में 22 वर्ष का पैरोल दे दिया था, जिसके पश्चात संबंधित लोगों को इस बारे में और अधिक परेशानी पैदा हो गई, मामले से संबंधित लोगों का कहना है कि इस प्रकार से तलाकशुदा लोगों को उनकी जिम्मेदारी के अंतर्गत बच्चों की सुरक्षा के बारे में भी जागरुक करना होगा और उन्हें इस बारे में निर्णायक वचन देना होगा कि परिवार समाप्त होने के पश्चात भी बच्चों की सुरक्षा का दायित्व पूर्ण रुप से उनका होगा, जिसमें किसी भी कौताही बरतने पर उन्हें इसके लिए दंडित भी किया जा सकता हैं। अधिकतर मामलों में देखा जाता है कि तलाक के पश्चात पति-पत्नी एक दूसरे पर बच्चों की जिम्मेदारी देना चाहते हैं जिससे उनके भविष्य के साथ बहुत अधिक अनदेखी होती हैं और इसके गंभीर परिणाम सामने आते हैं इसे रोकने के लिए तलाक अधिनियमों में बदलाव ही सबसे कारगर उपाय होंगे जिससे अभिभावक तलाक से पूर्व इन अधिनियमों पर उचित विचार कर सके, कोर्ट इस बारे में यह भी विचार कर रहा है कि घरों में होने वाली हिंसा को रोकने के लिए भी इस अधिनियम में बदलाव का प्रावधान रखा गया हैं।

इस बदलाव के लिए देश के अधिकतर कानूनविदों ने इसमें अपना समर्थन देने की घोषणा की हैं और कहा कि जल्द ही बदलावों से देश में बढ़ रही परिवारिक हिंसाओं पर रोक लगेगी।

विश्व गौरैया बनाम खुशी दिवस!

सुश्री इंदु सिंह
'इंदुश्री'

20 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरैया दिवस ही नहीं खुशी दिवस भी मनाया जाता है । जो सोचने पर मजबूर करता है कि नन्ही-नन्ही चिड़ियों की तरह छोटी-छोटी खुशियां भी जीवन से विलुप्त होती जा रही हैं । जिन्हें बचाने के लिये समस्त संसार में एक पूरा दिन ही उनको समर्पित कर दिया गया लेकिन, क्या ऐसा करने मात्र से उनका सरंक्षण हो जायेगा या फिर हमें जमीनी स्तर पर भी ठोस प्रयत्न करने पड़ेंगे ।

क्योंकि, जिस तरह सभी सरकारी योजनायें महज़ कागज़ पर सिमट कर रह जाती ऐसे ही इस तरह के दिवस आने पर भी सभी बड़े-बड़े सामाजिक संगठनों द्वारा तरह-तरह के आयोजन किये जाते हैं । जिनमें कुछ ख़ास लोगों को आमंत्रित कर उनके उद्बोधन कराये जाते और अगले दिन वही ढाक के तीन पात याने कि बात चाहे किसी दिन विशेष की हो या किसी योजना को क्रियान्वित करने की वह कागज़ पर ही सिमट कर रह जाती हैं ।

ज्यादा दिन नहीं हुए जब गौरैया हर घर-आंगन का हिस्सा थी जिनका घरों में इतना अधिकार था कि एक कोना इनके नाम ही होता था जहाँ ये प्रतिवर्ष आकर न सिर्फ अपने छुटकू-मुटकू को जन्म देती थी बल्कि, यही उनको चुग्गा चुगाती व उड़ना भी सिखाती थी । इनकी उपस्थिति की वजह से गृह मालिक भरी दुपहरी में भी अपने घरों की खिड़कियां खुली रखते कि वे कभी-भी आ-जा सके यहाँ तक कि पंखें भी नहीं चलाते कि कहीं उनको चोट न पहुंचे या वे घायल न हो जाएं । यही नहीं इसके साथ ही वे लोग इनके दाना-पानी का इंतज़ाम भी करते थे । इस तरह के सह-जीवन ने ही मनुष्य को प्रकृति से जोड़ रखा था पर, इस नाते को तोड़कर उसने तकनीक संग हाथ मिला लिया । जिससे सुविधाएँ तो शायद, कम मिली पर, परेशानियां कुछ अधिक बढ़ गयी जिनमें प्रथम नंबर तो स्वास्थ्य का है जिसे शास्त्रों ने पहला सुख माना गया है । हम उससे वंचित हो रहे जिसके कारण खुशियां भी हमारा दामन छोड़ती जा रही तो उसके लिये भी एक दिन मुकर्रर कर दिया गया पर, क्या खुशियां भी किसी दिन विशेष की मोहताज है कि जब दिन आया तो खुश हो लिये । इसलिये जरूरी कि अब हम सचेत होकर प्रकृति के नजदीक आकर हर बात, हर शय ही नहीं अपने हृदय में छिपी खुशी ढूंढे तब पहले की तरह खुशियों के लिये किसी पर निर्भर होने की जरूरत न रहेगी ।

गौरैया और खुशी दिवस का एक साथ होना अपने आप में ये संकेत है कि हमने ही सहजता से प्राप्त इन नन्ही-मुन्नी खुशियों को खुद से दूर कर दिया है तो अब हमें ही इन्हें फिर से वापस लाना है । ताकि, हमारी आने वाली पीढियां हमें इस बात के लिए न कोसे कि हमने अपने स्वार्थ में अंधे होकर कुदरत का स्वयं के लिये ही दोहन कर लिया और उनके लिये कुछ भी न छोड़ा । इसलिये महज दिन नहीं मनाये बल्कि जो कुछ भी शेष है उसकी सुरक्षा का भी प्रबंध करे नहीं तो एक दिन अपने बिछाये इंटरनेट के इस जाल में हम खुद भी पंछियों की तरह घुटकर दम तोड़ देंगे । इस चेतावनी के साथ ही सबको इन दिनों की कि जागरूकता भरी शुभकामनायें कि हम इनका महत्व समझ पाएं और इन्हें बचाएं तब इन्हें मनाना सार्थक है ।

सीएम बदलने की परंपरा को फिर मिली हवा!

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

उत्तराखंड में राजनीतिक घटनाक्रम कब बदल जाए कहा नही जा सकता।सरकार की अकर्मण्यता व विधायको की नाराजगी सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत को ले बैठी।वे इस्तीफा देने राजभवन पहुंच गए हैं। कल रात तक वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के बाद से त्रिवेंद्र सिंह रावत डैमेज कंट्रोल में जुटे रहे।लेकिन विरोधियों को संतुष्ट नही कर पाए। जिसकारण उन्हें निराश होकर दिल्ली से देहरादून लौटना पड़ा।

जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचने पर उन्होंने किसी से बात नहीं की। चुपचाप निकल लिए। चर्चा है कि उनके इस्तीफा देने के बाद नए सीएम की घोषणा भाजपा की औपचारिक बैठक में होगी। सीएम के लिए भी अब चौंकाने वाला नाम सामने आ रहा है। तभी तो सीएम की दौड़ में शामिल एक वरिष्ठ भाजपा नेता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फोन के बाद चुप बैठ गए । जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र के स्वागत के लिए गिनती के कार्यकर्ता तो पहुंचे, लेकिन एक भी विधायक नहीं पहुंचा। दिल्ली में उत्तराखंड भाजपा के प्रवक्ता एवं विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने दावा किया कि किसी भी भाजपा नेता की सीएम को लेकर नाराजगी नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी त्रिवेंद्र सिंह रावत के साथ हैं।लेकिन जब उनसे पूछा गया कि क्या वे सीएम बने रहेंगे तो उनका कहना था कि इस बारे में कुछ नहीं कह सकता हूं। यह फैसला पार्लियामेंट्री बोर्ड का होता है। पांच राज्यों में चुनाव के चलते भाजपा फूंक फूंक कर कदम रख रही है।

यदि सीएम बदले जाते हैं तो उसका ये संदेश न चला जाए कि विधायकों में विद्रोह के चलते ऐसा किया गया है। ऐसे में एक रास्ता यह नजर आ रहा है कि मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को सीएम की जिम्मेदारी से मुक्त कर पार्टी संगठन में बड़ी जिम्मेदारी दी जाए और किसी दूसरे को सीएम बनाया जाए। ताकी मुख्यमंत्री बदलने पर भाजपा की बदनामी न हो। छह मार्च को ग्रीष्मकालीन राजधानी भराड़ीसैंण में विधानसभा का बजट सत्र चल रहा था। उसी दौरान अचानक सीएम सहित अन्य विधायकों को देहरादून पहुंचने का फरमान जारी हुआ था। इस बैठक के चलते विधानसभा का बजट सत्र भी बीच में छोड़कर सीएम सहित कोर कमेटी के सदस्य और विधायक देहरादून कूच कर गए थे। असम चुनाव के लिए लिस्ट फाइनल होते ही भाजपा के पार्लियामेंट्री बोर्ड ने पर्यवेक्षक के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता व छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह को उत्तराखंड भेजा था।

उन्होंने कोर ग्रुप की बैठक भी ली थी। इस बैठक में भाजपा के प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम भी मौजूद रहे। बाद में ये दोनों नेता पार्टी व सरकार की फीडबैक लेकर दिल्ली रवाना हो गए थे। इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक को यूपी के विमान से देहरादून आना पड़ा, लेकिन वे देर से देहरादून पहुंच पाए थे। जिसकारण बैठक में शामिल नहीं हो सके थे । उन्होंने जौलीग्रांट एयरपोर्ट में पर्यवेक्षक और प्रदेश प्रभारी से बातचीत की। भाजपा के महामंत्री संगठन अजय को भी कोलकाता से विशेष विमान से देहरादून बुलाया गया था।

इससे संकेत मिल रहे थे कि कुछ न कुछ गड़बड़ जरूर है।तभी तो दिल्ली में उत्तराखंड का सीएम बदलने की चर्चाओं के बीच सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत विधायक मुन्ना सिंह चौहान, कुछ विधायकों और महापौर सुनील उनियाल गामा के साथ दिल्ली गए थे। ये नेता भाजपा के आला नेताओं मिलने का दिन भर प्रयास कर रहे थे। देर शाम रात उनकी गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात हो पाई। इसके बाद वे बगैर किसी सुरक्षा के एक कार से सांसद अनिल बलूनी से मिलने गए। दोनों में करीब आधे घंटे तक बात हुई। इसके बाद सीएम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की।

मुख्यमंत्री रात में ही डैमेज कंट्रोल के लिए पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता विजय बहुगुणा से फोन पर बात की। इसके बाद पूर्व सीएम बहुगुणा का पुत्र सौरभ बहुगुणा सीएम त्रिवेंद्र से मिला। रात को ही सीएम त्रिवेंद्र की विधायक पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात हुई। लेकिन बात न बनने पर सीएम को राजभवन के लिए कूच करना पड़ा। डैमेज कंट्रोल के लिए भाजपा ने 12 से 14 मार्च तक चिंतन शिविर आयोजित करने की योजना भी बनाई थी।लेकिन उससे पहले ही रायता बिखर गया। मुख्यमंत्री सात मार्च को चमोली जिले के गैरसैंण में पहुंचे थे। वहां उनका सोमवार आठ मार्च को भी कार्यक्रम था। लेकिन वे वहां से दो घंटे के बाद ही देहरादून को रवाना हो गए थे। महिला दिवस के मौके पर भी सीएम के गैरसैंण में कार्यक्रम तय थे। देहरादून लौटने के बाद वे रात भर फाइल निपटाते रहे। मंगलवार तड़के ही करीब तीन बजे वह सोने गए और फिर सुबह साढ़े दस बजे दिल्ली के लिए निकल गए। दिल्ली में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उनका दिल्ली दौरा सामान्य दौरा है।उन्हें आला कमान से कुछ मुद्दों पर बात करनी है।किसी भी दल के पर्यवेक्षक का काम नेता चुनने में मदद करना होता है। जब कोई नेता बदलना होता है, या फिर पार्टी संगठन में कोई संकट आता है, तभी पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाता है। ऐसे में अचानक पर्यवेक्षक भेजना और विधानसभा सत्र को छोड़कर बीच में ही बैठक करना बदलाव की चर्चाओं को जन्म दे गया ।चर्चा के मुताबिक भाजपा के करीब 22 विधायक विद्रोह की स्थिति में हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत से बगावत करने वाले पूर्व कांग्रेसी व वर्तमान भाजपा विधायक भी शामिल हैं।विदित हो सीएम त्रिवेंद्र रावत के खिलाफ हाईकोर्ट के सीबीआइ जांच के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट में स्टे है। इस पर दस मार्च को सुनवाई होनी है। ऐसे में भाजपा हाई कमान आगामी चुनाव को देखते हुए कोई रिस्क नहीं लेना चाहती ।

विद्रोही विधायकों का आरोप है कि सीएम उन्हें तव्वजो नहीं देते । भाजपा विधायक कई बार विधानसभा सत्र में भी सरकार के खिलाफ आवाज उठा चुके हैं।

गैरसैंण मंडल बनाने से भी है नाराजगी है।इस मंडल में में चमोली, रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा और बागेश्वर जिले को शामिल किया जा रहा है। इससे अभी तक गढ़वाल और कुमाऊं की अलग-अलग राजनीति करने वाले नेताओं का दायरा कम होने की संभावना है। विरोध करने वालों का कहना है कि बोली व सस्कृति के आधार पर गढ़वाल और कुमाऊं मंडल थे। दोनों मंडल के दो दो जिले आपस में मिलने से उनकी पहचान खत्म हो जाएगी। साथ ही अल्मोड़ा जिला सबसे पुराना शहर है। इसकी अपनी संस्कृति व पहचान है जिसे बड़ा खतरा हो सकता है।

बोलो चुनाव काल की जय!

रामविलास जांगिड़

चारों ओर सियासी दुकानें सज गई है। एक दुकानदार कह रहा था-आइए! आइए! हमारे पास एक से बुरे एक नारे ले जाइए। गजदोंगा कोबरा पार्क, खच्चड़ खच्चर करें यार्क! तुल्ला मुझे नट्टा, पकड़ तेरा फट्टा! जैसे नारे लेकर तुरंत ही सीट पर कब्जा जमाइए।÷ नेताओं के लिए तैयार है- चार्टर प्लेन, हेलीकॉप्टर, गाड़ियां, साफा, माला, एसी, मिनरल वाटर और सुनहरे वादों की पोटलियां! पर्यवेक्षकों के लिए तैयार है- चश्मे, दूरबीन, माइक्रोस्कोप, हेलमेट, कागजों के पुलिंदे, रेडीमेड रिपोर्ट, सर दर्द की गोलियां, सस्पेंशन ऑर्डर और नवीरतन तेल! कार्यकर्ताओं के लिए तैयार है- दरियां, झंडी, बैनर, पोस्टर, फ्लेक्स, स्टीकर, पत्थर, एसिड बोतल, गोफन, टमाटर, अंडे, आलू, लाठियां, भाले, तलवारें, झाडू और पानी वाली दाल! वोटरों के लिए हाजिर है- वादे, संकल्प, नारे, सपने, झुनझुने, लॉलीपॉप, बर्फ की मीठी कुल्फी और बुढ़िया के बाल! दुकानदार के साइड में एक पार्टी दफ्तर में टिकट का बंटवारा हो रहा था। एक पार्टी के लीडर ने दूसरे से कहा- ÷प्रत्याशी के इस चयन में रिस्क मत पालिए सर! इस पर एक भी मुकदमा नहीं लगा हुआ है। न ही कोई रेप का आरोप लगा है। न कभी इसने भ्रष्टाचार किया। फिर यह कैसे जीत पाएगा?

पार्टी आलाकमान ने एक नेता को हड़काया और कहा-भुखमरी, भ्रष्टाचार, सड़क, बिजली, पानी, बेरोजगारी, शिक्षा ये भी कोई मुद्दे हैं? ऐसा कोई मुद्दा लाओ जिसमें प्याज, टमाटर, धर्म, जाति को फंसाओ। फिर वोटर को बुद्धू कैसे बना पाओगे?÷ तब नवोदित नेता बुदबुदाने लगा- इतनी भागदौड़! इतनी मिन्नतें! इतने दंद-फंद! इतने पांव पकड़ाई! इतने रुपए दिलवाई! इतनी जी हजूरी! फिर भी टिकट नहीं? हुजूर! जैसे यह पार्टी का टिकट नहीं होकर कोई बीपीएल कार्ड हासिल करना हो गया। इतना कहकर नेताजी टिकट लेने के लिए इतने उतावले हो गए कि वे चाय भी छुरी-कांटे से पीने लग गए। वैसे सब लोग कहते हैं कि इस दुनिया में राजनीति ने ही सबसे झूठे पैदा किए हैं; लेकिन यह गलत बात है। सबसे ज्यादा झूठे तो आयकर विभाग ने पैदा किए हैं। झूठों की मंडी में झूठे खरीदने के लिए आज ही झूठबाज नेताजी की पत्नी ने सुबह-सुबह महा झूठेले मंत्री जी को कहा- सुनो! विधानसभा में जाकर जमके नारे उछालना।

कुर्सियों को तोड़फोड़ करना। माइक तोड़कर हवा में उछाल देना। झंडे-बैनर फाड़ देना। वैल में घुसकर उत्पात मचाना। इसी प्रदर्शन पर चुनाव के लिए टिकट पक्का होता है। आज सत्र में तोड़फोड़ करके ही आना, वरना मुझ से बुरा कोई नहीं होगा। इधर यमराज ने धर्मराज को व्हाट्सएप किया- हेलो धर्मराज जी! मैं नेता नागनाथ को ढूंढ़ने की बहुत कोशिश कर रहा हूं। पहले पता लगा कि यह दलदल पार्टी में थे। फिर थोड़ी देर में कीचड़ पार्टी में चले गए। उसके बाद वे कचरा पार्टी में निकल लिए। पता नहीं अब कौन सी पार्टी में है। मैं इसे ढूंढ़ रहा हूं। कमबख्त नेता मिल ही नहीं रहा है! तभी! वाहन आए गांव में, उड़ी सड़क से धूल। बिजली पानी है नहीं, नेता बिखेरे शूल। वोटर ने नेताजी को पूछा- आप कितने पढ़े लिखे हो? नेता जी ने उत्तर दिया- नहीं जी! मैं तो सिटिंग एमएलए हूं! बोलो चुनाव काल की जय!

कैनेडा के सर्वश्रेष्ठ हिन्दी साप्ताहिक सामाचार पत्र
में हिन्दी Abroad
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
905-673-9929
Web : wwwhindiabroad.com

सम्पादकीय

फिर बढ़ा संक्रमण

कोरोना महामारी फिर सिर उठा रही है। देश में एक्टिव केस की संख्या घटकर 12 फरवरी को 1.36 लाख हो गई थी, पर उसके बाद से लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई। 10 मार्च को एक्टिव केस की संख्या 1.80 लाख को पार कर गई। ऐसे में विशेषज्ञ अब दूसरी लहर का अंदेशा जता रहे हैं। सरकार ने कहा है कि देश के 10 कोरोना प्रभावित जिलों में से आठ महाराष्ट्र में हैं। पुणे नए केस में टॉप पर है।

नागपुर, ठाणे, मुंबई, अमरावती, जलगांव, नासिक और औरंगाबाद में भी सबसे ज्यादा केस सामने आए हैं। दूसरी लहर का सबसे ज्यादा असर महाराष्ट्र में दिख रहा है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने संकेत दिए हैं कि राज्य में सख्त लॉकडाउन लगाया जा सकता है। नागपुर में 15 से 21 मार्च तक पूरी तरह लॉकडाउन रहेगा। इसी तरह औरंगाबाद में 12 मार्च से चार अप्रैल तक आंशिक लॉकडाउन रहेगा। पिछले महीने की तुलना में मार्च में मध्यप्रदेश में नए केस बढने लगे हैं। इसके बाद कई स्तरों पर नाइट कर्फ्यू की मांग हो रही है। आने वाले दिनों में इस पर फैसला हो सकता है। वहीं दुनियाभर के 40 से ज्यादा देशों में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बाद लॉकडाउन लगाने पड़े। इंग्लैंड जैसे कुछ देश तो तीन बार लॉकडाउन लगा चुके हैं। हाल ही में लंदन में कुछ पाबंदियों को हटाया गया था। यूरोप के करीब दो-तिहाई देशों में कोरोना वायरस के नए केस तेजी से बढ़ रहे हैं। जर्मनी में गुरुवार को 14,356 केस सामने आए। यह 4 फरवरी के बाद सबसे ज्यादा हैं। डिजीज कंट्रोल एजेंसी के चीफ रॉबर्ट वाइलर का कहना है कि नए केस में बढ़ोतरी का मतलब यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में कोरोना के तीसरी लहर की शुरुआत हो गई है। ब्राजील में एक दिन में कोरोना की वजह से होने वाली मौतों का रिकॉर्ड बना है। 24 घंटों में 2,286 लोगों की मौत हुई है। नए इंफेक्शन 79,876 हुए और इसे मिलाकर अब तक 1.12 करोड़ केस सामने आ चुके हैं। मौतों के मामले में ब्राजील 2,70,656 मौतों के साथ यूनाइटेड स्टेट्स के बाद दूसरे नंबर पर है। तुर्की में 14,556 केस सामने आए हैं।

जो इस साल में अब तक सबसे ज्यादा है।पिछले साल जब से लॉकडाउन में राहत मिलनी शुरू हुई थी, तब ये हिदायतें साथ में थीं कि अभी कोरोना का खतरा कम नहीं हुआ है, इसलिए इससे बचाव के सारे उपायों को लेकर हर वक्त सावधानी बरती जाए।

कामयाबी की कहानी

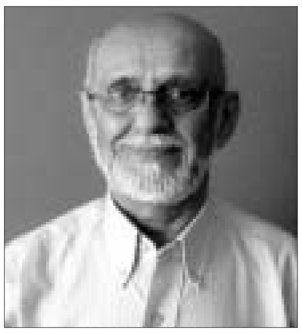

फिरोज़ ख़ान

पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं को सदियों से कमजोर माना जाता रहा है। महिलाओं की प्रताड़ना भारतीय समाज का एक अभिन्न अंग है। दकियानूसी विचारों के रहते अनगिनत बेटियां आगे नहीं बढ़ पाती।

खैर, हम यहाँ महिलाओं की प्रताड़नाओं के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। हमारा आज का विषय है एक महिला की कामयाबी की कहानी। एक ऐसी महिला जो कथित तौर पर 'पिछड़े' कहे जानेवाले मुस्लिम समाज की है। बहुत से लोगों को मुस्लिम समाज को 'पिछड़ा' कहने पर ऐतराज़ है। मुस्लिम समाज दूसरे समाजों के मुकाबले शिक्षा और आर्थिक दर्ष्टि से है पिछड़ा है यह एक सत्य है। शुतुरमुर्ग का रेत में अपना सर छुपा लेने से आंधी का आना रुक नहीं जाता।

पिछले कुछ सालों में मुस्लिम समाज शिक्षा और दूसरे क्षत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। महिलाऐं अपना विशेष स्थान बना रही हैं। आज मुस्लिम महिलाए केवल टीचर। प्रोफ़ेसर या प्रिंसिपल नहीं बनती। आज मुस्लिम महिलाऐं ट्रेन चलाती हैं, पुलिस विभाग में ऊँचे पदों पर है। आईएएस अफसर बनी हुई हैं। मुस्लिम समाज की महिलाओं को उच्च शिक्षा नहीं दिलाने की मानसिकता में जबरदस्त बदलाव आया है। और यह महिलाऐं उसी बदलाव का नतीजा हैं। भारत में देखा गया है कि लड़कों के मुकाबले लड़कियां अधिक पढ़ने लगी हैं। बहुत अच्छी बात है। एक महिला जब पढ़ी लिखी होती है तो वह एक परिवार और समाज को साक्षर करती है।

आज हम बात कर रहे हैं एक ऐसी महिला की जो भारत के पिछड़े उत्तर प्रदेश की है और जो 'मून गर्ल' के नाम से जानी जाती है। खुशबु मिर्ज़ा उत्तर प्रदेश केअमरोहा शहर की है। एक इलेक्ट्रॉनिक इंजिनियर है जो भारत के विश्व प्रसिद्ध इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गैनिएशन में सेवा दे रही है। भारत ने जो यान मंगल गृह पे भेजा था उस पर काम करनेवाली टीम की वह भी एक सदस्य थी। खुशबु आज इसरो में निर्देशक के पद पर है। भारत ने चद्रयान 1 और 2 जो अवकाश में भेजे थे खुश्बू उस टीम की मेंबर रही। खुशबू को जो पद मिला हुआ है उस से वह बहुत खुश है। भारत के राष्ट्रपति रह चुके ए पि जे अब्दुल कलाम इसरो में जिस पोज़िशन पर थे खुशबू उस से केवल दो पद नीचे है।

ऐसा नहीं है कि 24 जुलाई, 1985 में मरोहा में जन्मी खुश्बू के जीवन में तकलीफें न आई हो। उस के पिता, जिन का एक पेट्रोल पम्प था, की मृत्यु वह जब केवल सात साल की थी तब हो गयी थी। उस की माँ ने समाज क्या कहेगा इस को ध्यान में ना लेते हुए अपने पति के पेट्रोल पम्प को स्मभाला। उसने अपने बच्चोंकी पढाई के लिए ऐसा कदम उठाया।

खुशबु दसवीं तक हिंदी माध्यम से पढ़ी। कौन कहता है कि कामयाबी के लिए अंग्रेजी से पढ़ना जरूरी है? खुसबू ने अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में बी टेक में दाखिले के लिए आवेदन दिया। उस खेलकूद के कोटे में दाखिला मिल गया क्यों कि वह वॉलीबॉल कीअच्छी खिलाडी थी।

2006 में जब वह ग्रेजुएट हो गयी तो एडोब नामक एक अमरीकन कंपनी ने उसे जॉब ऑफर किया। लेकिन खुशबु ने इसरो में एक पद के लिए आवेदन दिया क्यों कि वह इसरो के जरिये देश सेवा करना चाहती थी। 2008 में चंद्रयान-1 कि टीम में उस का सिलेक्शन हुआ। 2015 में उसे इसरो टीम एक्ससेलेन्स एवार्ड दिया गया और चंद्रयान-2 कि टीम के लिए भी सिलेक्ट किया गया।

खुशबु जब इसरो में सब की लाड़ली बन रही थी वहीं अमरोहा में उस की माँ लोगों के ताने सुन रही थी। खशबू ने अपनी माँ को अपने पास बुला लिया। खुशबु पांच वक्तकी नमाज़ पढ़ती है। अमरोहा में कई लोग यह मानते हैं कि खुशबु चाँद पर जा चुकी है और इसी लिए वहां उसे लोग 'मून गर्ल' कहते हैं। उत्तर प्रदेश और देश के कई शहरो कि कॉलजों और हाईस्कूलों में खसबू को लेक्चर के लिए बुलाया जाता है।

खुश्बू और उसकी माँ फरहत ने उस पुरानी कहावत 'जहाँ चाह वहां राह' को सच साबित कर दिया। भविष्य में तुम कलाम साहब जहाँ थे वहां पहुंचो ऐसी प्राथना तुम्हारे लिए हम करते हैं।

व्यापार के लिए नहीं है सरकार

भरत झुनझुनवाला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही कहा है कि सरकार का कार्य बिजनेस करना नहीं है। सरकार बनिया का कार्य सफलतापूर्वक नहीं कर सकती है। प्रायः सरकारी इकाइयां घाटे में ही चलती हैं। सार्वजनिक इकाइयों में सरकार के अधिकारी और नेता अपने चहेतों को नियुक्त कराते हैं और ठेके दिलाते हैं और इनके गलत एवं घटिया कार्यों को इकाई के प्रबंधन को नजरअंदाज करने को मजबूर करते हैं।

इकाई का प्रबंधन असहाय हो जाता है चूंकि इकाई के बजट पर इन्ही अधिकारयों एवं नेताओं का नियंत्रण होता है। सार्वजनिक इकाइयों का ऑडिट भी उन्हीं के भाई-बंधु दूसरे सरकारी अधिकारी करते हैं। सरकारी इकाइयों के मुख्याधिकारी की व्यक्तिगत उन्नति इस बात पर निर्भर नहीं करती कि कंपनी को लाभ हो रहा है या हानि। उनकी पदोन्नति अकसर इस बात पर निर्भर करती है कि उन्होंने सचिव और मंत्री महोदय को कितना प्रसन्न रखा। मुख्याधिकारी का लगाव इकाई से नहीं होता है चूंकि उनका तबादला कभी भी हो जाता है। इन कारणों से सार्वजनिक इकाइयां अधिकतर घाटे में ही चलती हैं। जो इकाइयां किसी समय लाभ कमा रही थीं जैसे घड़ी और ट्रैक्टर बनाने वाली हिंदुस्तान मशीन टूल, उड्डयन कंपनी एयर इंडिया इत्यादि, ये भी समय क्रम में घाटे में आ गई हैं। इन्हीं के समानांतर निजी कंपनियां जैसे टाइटन घड़ी, महिंद्रा ट्रैक्टर और स्पाइस जेट एवं इंडिगो एयरवेज सफल हैं।

सरकारी इकाइयों में देश की भारी पूंजी लगने के बाद भी ये असफल हैं। इसी प्रकार सार्वजनिक बैंकों को जीवित रखने के लिए भी देश को लगातार भारी पूंजी निवेश करना पड़ रहा है, जबकि निजी बैंक लाभ कमा रहे हैं। इस समस्या का दूसरा कारण यह भी है कि सरकारी अधिकारियों का स्वभाव बिजनेस करने का नहीं होता है। वे कुशल अफसर होते हैं, पर कुशल व्यापारी नहीं। उन्हें व्यापारी की तरह दिन-रात पैसा कमाने की लत नहीं लगी होती है। लेकिन निजीकरण भी इस समस्या का हल नहीं है। निजी उद्यमी का उद्देश्य केवल मुनाफा कमाना होता है, जबकि सार्वजनिक इकाइयों का उद्देश्य सरकारी नीतियों को लागू करना होता है। देखा जाता है कि फिल्म जगत के महानायक बड़ी कंपनियों में उत्पादित हानिप्रद वस्तुओं जैसे गुटका आदि के विज्ञापन करके इनकी खपत को प्रोत्साहन देते हैं, चूंकि उनको वस्तु के गुण-दोष से कोई मतलब नहीं होता है। उद्यमी को शराब एवं गुटका बनाने और बेचने और इनमें मिलावट करने में तनिक भी संकोच नहीं होता है। इनका एकमात्र उद्देश्य लाभ कमाना होता है। इस प्रकार सार्वजनिक और निजी इकाइयां दोनों ही जनहित हासिल करने में नाकाम हैं। कानूनी दृष्टि से देखा जाए तो नेताओं एवं मंत्रियों का काम कानून बनाना है, जबकि अधिकारियों का काम उसे लागू करना है, यानी कानून के अनुरूप उद्यमियों का निरीक्षण एवं संचालन कराना अधिकारियों का काम है। लेकिन नेता, अधिकारी और उद्यमी की मिलीभगत का एक त्रिकोण बन गया है। जैसे बिड़ला ने 30 साल तक देश में घटिया अंबेसडर कार को बनाया, बेचा और भारी लाभ कमाया। कारण यह कि नेता और अधिकारियों ने इनकी प्रतिस्पर्धा में दूसरे उद्यमियों को कार बनाने का लाइसेंस नहीं दिया। टू-जी स्पेक्ट्रम में जो धांधलेबाजी हुई, उसके पीछे भी इन्हीं तीनों की मिलीभगत थी। माल्या और नीरव मोदी जैसे उद्यमियों ने देश के बैंक को चूना लगाया तो यह भी वित्त मंत्रालय और बैंक के अधिकारियों की मिलीभगत का ही परिणाम दिखता है। इसलिए समस्या यह है कि अधिकारी और उद्यमी दोनों ही अनैतिक कार्यों में लिप्त हैं।

शराबी के दोनों हाथ में शराब है। उसने शराब बाएं हाथ से पीया, फिर दाएं हाथ से, इससे अंतर नहीं पड़ता है। लेकिन अधिकारी अनिवार्य हैं। ये भ्रष्ट हों तो भी अनिवार्य हैं। मनुस्मृति के श्लोक 7.124 में कहा गया है 'प्रायः राजा के वे रक्षा अधिकारी अधिकतर दूसरे के धन को हरण करने वाले और वंचक होते हैं। इसलिए राजा उन लोगों से प्रजाओं की रक्षा करे। जो पापात्मा कर्मचारी घूस लें, राजा उनका सर्वस्व हरण करके उन्हें देश से निकाल दे।्य अतः प्रश्न है कि इस प्रकार के भ्रष्ट चरित्र वाले सरकारी अधिकारियों से उतने ही भ्रष्ट चरित्र वाले निजी उद्यमियों को कैसे नियंत्रित कराया जाए।

इस मुद्दे पर सार्वजनिक इकाइयों और निजी कंपनियों में एक मौलिक अंतर है। सार्वजनिक इकाइयों का भ्रष्टाचार सरकारी कर्मियों के दायरे में रह जाता है। इन पर कहीं से दबाव नहीं पड़ता है। ये घपलेबाजी और अपनी मनमानी आराम से कर सकते हैं। जब तक सरकार इन इकाइयों में उत्तरोत्तर पूंजी निवेश करती रहती है, तब तक इनकी अकुशलता और भ्रष्टाचार का खेल जारी रहता है। तुलना में निजी उद्यमी स्वयं घाटा खाता है। बड़ी कंपनी हो तो शेयर बाजार की नजर रहती है। इसके अलावा निजी उद्यमी और नियंत्रण करने वाले सरकारी अधिकारी के बीच घर्षण होता है। जिस प्रकार कांटे से कांटे को निकाला जाता है, उसी प्रकार संभव है कि इन दोनों के आपसी घर्षण का लाभ उठाकर इन दोनों पर ही नियंत्रण किया जा सके। सीधा उपाय यह है कि सरकार देश के आम आदमी यानी जनता को सक्षम बनाए क्योंकि इनके दुराचार की जानकारी जनता को तो होती ही है। सरकार को चाहिए कि उच्च सरकारी कर्मियों की 5 वर्षों के बाद जन सुनवाई करे और उन्होंने 5 वर्षों में जहां-जहां कार्य किया है, वहां जनता से उनकी कार्यशैली के बारे में जानकारी प्राप्त करे। सरकार इन अधिकारियों का गुप्त मूल्यांकन करा सकती है।

सरकार सूचना के अधिकार की तर्ज पर जवाब के अधिकार का कानून भी बना सकती है। वर्तमान में सूचना के अधिकार में जनता द्वारा सरकार की फाइलों में उपलब्ध सूचना मांगी जा सकती है, लेकिन सरकार के कार्यों पर कोई प्रश्न करने का जनता को कोई अधिकार नहीं है। यदि अधिकारी कोई गलत कार्य करते हैं तो उनसे जवाब मांगने के लिए न्यायालयों की चौखट पर ही जाना पड़ता है जो कि आम आदमी के लिए अति दुष्कर कार्य है।

प्रधानमंत्री को बधाई है कि उन्होंने इस बात का एहसास किया है और स्वीकार किया है कि सरकार का काम व्यवसाय करना नहीं है। लेकिन इससे भी आगे बढने की जरूरत है।

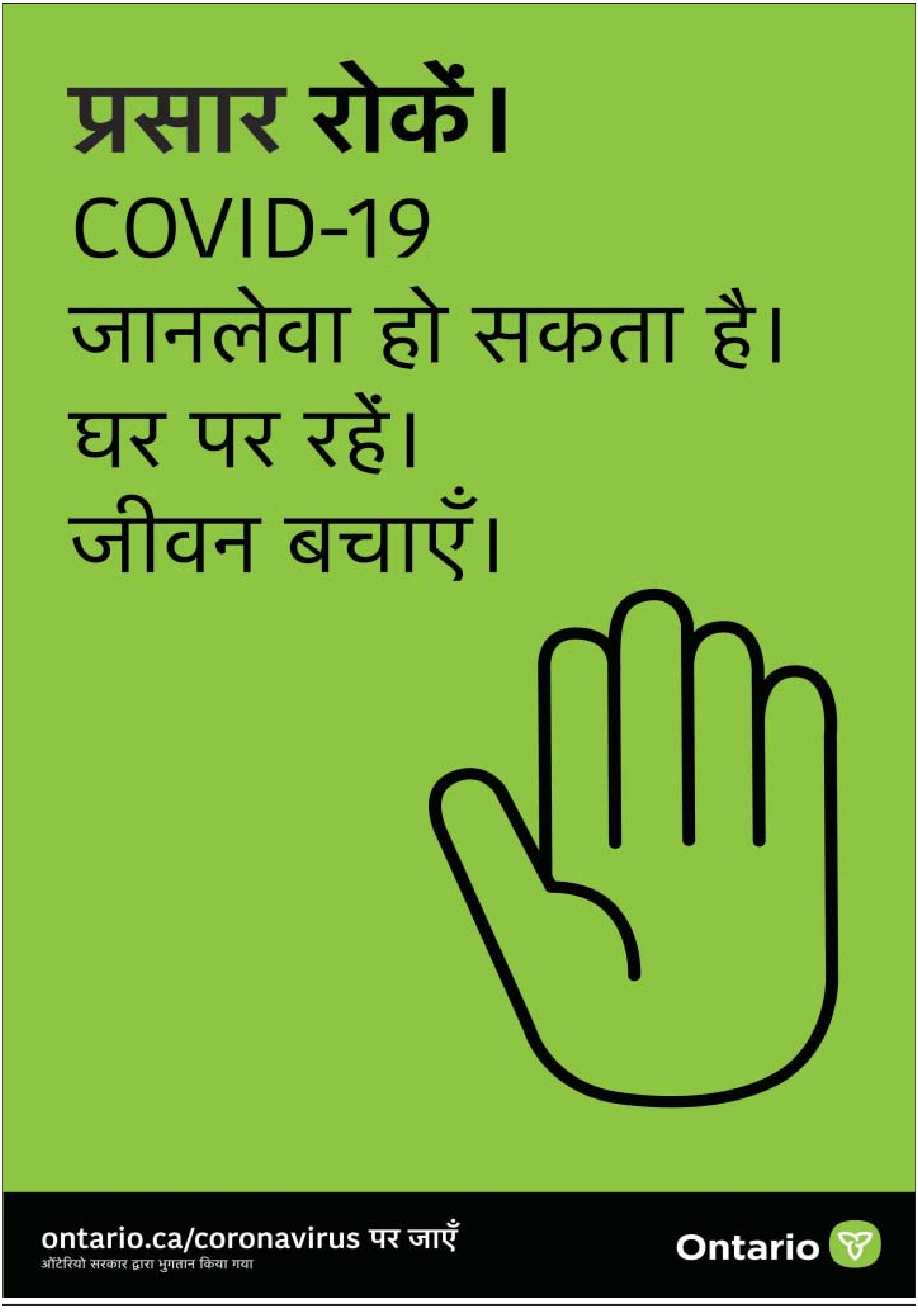
प्रसार रोकें।
COVID-19
जानलेवा हो सकता है।
घर पर रहें।
जीवन बचाएँ।
ontario.ca/coronavirus पर जाएँ
ऑंटेरियो सरकार द्वारा भुगतान किया गया
Ontario

बुजुर्गों के लिए स्वर्ग से कम नहीं हैं ये जगहें

जेपी शुक्ला

उम्र आपके जीवन को सीमित नहीं करती, अलबत्ता इसका विस्तार करती है, शायद यही एक सकारात्मक सोच होनी चाहिए इंसान के अंदर। बुजुर्गों के लिए भारत में यात्रा करने के लिए पर्याप्त जगह हैं और वह भी रियायती दरों पर, चाहे आप रोमांचकारी आउटडोर का आनंद लेना चाहते हैं या फिर आरामपूर्वक किसी शांत और खूबसूरत प्रकृति का आनंद लेना चाहते हैं। तो क्या आप भी अपनी दैनिक दिनचर्या से ऊब गए हैं और दूर कहीं प्रकृति के आँचल में खुली वादियों और खुले आसमान में कुछ समय व्यतीत करना चाहते हैं? फिर देर किस बात की - अपने सामान को पैक करें और इन अद्भुत स्थलों की यात्रा की योजना बनाएं। क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि ÷कहीं पर पहुंचने के लिए कहीं से निकलना बहुत ज़रूरी होता है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए सर्वश्रेष्ठ यात्रा योजना स्पेशल डिस्काउंट के साथ

अगर आप एक वरिष्ठ नागरिक हैं और किसी यात्रा का प्लान कर रहे हैं तो आपके लिए वरिष्ठ नागरिक कार्ड रखने के साथ यात्रा लाभों को भी समझना बेहतर होगा।

– **हवाई यात्रा** – 60 वर्ष से ऊपर के भारतीय वरिष्ठ नागरिकों को एयर इंडिया में घरेलू यात्रा के लिए इकॉनमी किराए में 50त्न की छूट मिलती है।

– **रेल यात्रा** – 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष और 58 वर्ष से अधिक की महिलाएं क्रमशः 40त्न और 50त्न छूट के पात्र होते हैं। ये छूट मेल / एक्सप्रेस / राजधानी / शताब्दी / जन शताब्दी / दुरंतो ट्रेनों के सभी वर्गों में ली जा सकती है।

– **सड़क यात्रा** – चयनित नगर निगम और राज्य सरकार द्वारा संचालित बसें वरिष्ठ नागरिकों को बस के किराए में छूट प्रदान करती हैं। इसके अलावा, वे उनके लिए सीटें भी आरक्षित करते हैं।

गोवा – अपने रोमांस को पुनर्जीवित करें

जीवन के हर मोड़ पर, हर क्षण आपके साथ खड़े रहने वाले इंसान के साथ उस प्यार को पुनर्जीवित करने के बारे में कैसा रहेगा? जरा सोचिए, सितारों से भरे आसमान के नीचे, गोवा के प्राचीन समुद्र तटों पर एक रोमांटिक चहलकदमी करना! क्या यह एक मंत्रमुग्ध करने वाला क्षण नहीं होगा? आप निश्चित रूप से तटों, बीचेज़ और प्रचुर मात्रा में हरे भरे प्राकृतिक वातावरण के बीच आराम महसूस करेंगे। अपने प्रियजन के साथ ताज़े समुद्री भोजन और स्थानीय फैनी और स्वादिष्ट गोवा के व्यंजनों का आनंद करना न भूलें। मुझे तो 'दिल चाहता है' फिल्म का एक डायलाग याद आता है कि हम लोगों को एक ना एक बार गोवा ज़रूर जाना चाहिए।

गोवा के प्रमुख आकर्षण-

- डेल्टिन रॉयल कैसीनो
- चापोरा का किला
- बेसिलिका ऑफ बोम जीसस
- पांडव गुफाएं और अरवलम झरना
- पलोलेम बीच
- गोवा कार्निवल
- वैगाटर बीच

प्रकृति की गोंद में बसे जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड जाएँ

वनस्पतियों की 400 और जीवजंतुओं की 550 प्रजातियों के बीच एक वन्यजीव सफारी निश्चित रूप से आपको रोमांचित कर देगी। निस्संदेह आपको उच्च स्थान वाले रिसॉर्ट या फारेस्ट हाउस, जिसे आपको अपने वरिष्ठ नागरिक यात्रा की योजना बनाते समय बुक करना होगा, में अपने प्रवास का आनंद लेते हुए बहुत शांति मिलेगी।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के प्रमुख आकर्षण-

- जीप सफारी
- हाथी की सफारी
- कैम्पिंग और फिशिंग
- कॉर्बेट झरना
- पंछी देखना
- गर्जिया मंदिर

कुन्नूर, तमिलनाडु में अद्भुत और सुखमय समय बिताएं

नीलगिरि पहाड़ियां और कैथरीन फॉल्स, कुन्नूर का एक शांत मनोरम दृश्य प्रदान करती हैं। टी एस्टेट में एक कॉटेज में रहें और अपने जीवन के खूबसूरत क्षणों का आनंद लें। इसकी खूबसूरत हरियाली और औपनिवेशिक संस्कृति में सजी हुई तलहटी आपको अपने जीवन की दूसरी पारी को एक अलग दृष्टिकोण के साथ देखने के लिए प्रेरित करेगी।

कुन्नूर के प्रमुख आकर्षण

- कैथरीन फॉल्स
- सिम का पार्क
- ड्रूग फोर्ट
- हेरिटेज ट्रेन
- सेंट जॉर्ज चर्च
- डॉल्फिन नोज
- लेडी कैनिंग सीट
- हाईफील्ड चाय फैक्टरी
- मेमने की चट्टान
- केटी और हिडन वैली
- द ताज गार्डन रिट्रीट
- आयुर्वेद रिट्रीट
- वेलिंगटन गोल्फ कोर्स - सबसे पुराना गोल्फ कोर्स

जयपुर में एक रॉयल हॉस्पिटैलिटी का आनंद लें

जयपुर में कई हवेलियों और किलों के साथ शाही युग की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करें, जो आपको बीते युग की याद दिलाते हैं। मुगल - ए - आज़म, लम्हे, जोधा अकबर, बाजी राव मस्तानी, ज़ुबैदा, और रंग दे बसंती जैसी लोकप्रिय बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग भारत के इसी गुलाबी शहर जयपुर में की गयी थी।इसीलिए इसे भारत में वरिष्ठ नागरिक के लिए सबसे अच्छे अवकाश स्थलों में से एक माना जाता है।

जयपुर के प्रमुख आकर्षण

- गलताजी
- सिटी पैलेस
- अंबर का किला
- नाहरगढ़ का किला
- जयगढ़ का किला
- हवा महल और जल महल
- जंतर मंतर वेधशाला
- अल्बर्ट हॉल संग्रहालय

उपर्युक्त सभी स्थान भारत में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सर्वोत्तम अवकाश स्थान हैं और अच्छी तरह से जुड़े हुए, सुरक्षित हैं और एक आरामदायक स्टे का भरपूर आनंद के लिए सभी आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करते हैं।

वीकेंड हॉलिडे के लिए एकदम परफेक्ट है रानीखेत

हिमालय की शांति के बीच, 1,869 मीटर की ऊंचाई पर एक छोटा रानीखेत स्थित है। रानीखेत भारत के उत्तराखण्ड राज्य का एक प्रमुख पहाड़ी पर्यटन स्थल है। इस छोटे से शहर की घाटियों में, दिन भर में सैकड़ों घंटियाँ और हिमालयी वन की मधुर ध्वनि सुन सकते हैं। देवदार और बलूत के वृक्षों से घिरे रानीखेत में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान हैं जो दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों के हजारों पहाड़ी प्रेमियों को इस छावनी में आकर्षित करते हैं। तो चलिए आज हम आपको रानीखेत में घूमने के कुछ बेहतरीन स्थानों के बारे में बता रहे हैं-

चौबटिया गार्डन

600 एकड़ की रोलिंग भूमि में फैला, चौबटिया गार्डन रानीखेत के सबसे अच्छे पर्यटन स्थलों में से एक है। प्लम, नाशपाती, सेब और खुबानी के रोपण के लिए जाना जाता है, यह विभिन्न रंगों के साथ चित्रित एक सुंदर बाग है। यह खूबसूरत दृश्यों का आनंद लेते हुए इत्मीनान से टहलने और परिवार के साथ पिकनिक मनाने के लिए एक आदर्श स्थान है। यहाँ से नंदादेवी, त्रिशूल और नीलकंठ जैसी हिमालय की चोटियाँ भी साफ-सुथरी धूप में दिखाई दे सकती हैं। यह सबसे खूबसूरत रानीखेत पर्यटन स्थलों में से एक है।

रानी झील

रानी झील एक आर्टिफिशियल झील है जिसे भारतीय सेना के कैंटोनमेंट बोर्ड ने वर्षा जल संचयन के उद्देश्य से बनाया था, लेकिन यह अब रानीखेत में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बन गया है। 2500 फीट की ऊंचाई पर स्थित, रानी झेल पिकनिक, रोमांटिक सैर और नौका विहार के लिए एक सुंदर स्थान है। यह निश्चित रूप से रानीखेत में सबसे रोमांटिक पर्यटन स्थलों में से एक है।

कुमाऊँ रेजिमेंटल सेंटर संग्रहालय

इस संग्रहालय की स्थापना 1970 के दशक की शुरुआत में भारतीय सेना की कुमाऊं रेजीमेंट ने इस क्षेत्र की समृद्ध विरासत को दर्शाने के लिए की थी। यह संग्रहालय भारतीय सेना में कुमाऊं और गढ़वाल रेजीमेंट के गौरवशाली योगदान और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली युद्ध कलाकृतियों का घर है। यह रानीखेत में सबसे अधिक देखी जाने वाली पर्यटक जगहों में से एक है। संग्रहालय में कारगिल युद्ध से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों और रानी लक्ष्मी बाई के कुछ चांदी के स्केप्टर्स भी रखे हैं।

मजखली

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध, मजखली शांति साधकों के लिए रानीखेत में सबसे अच्छी जगहों में से एक है। अल्मोड़ा रोड पर स्थित, रानीखेत से 12 किलोमीटर दूर-मजखली एक विचित्र और मनोरम हैमलेट है, जो हिमालय की चोटियों, विशेष रूप से त्रिशूल को देखने के लिए लोकप्रिय है। यह जगह वनस्पतियों और जीवों की समृद्ध किस्मों के लिए एक निवास स्थान है और एक विंटेज काली मंदिर के लिए भी लोकप्रिय है।

एडवेंचर्स प्लेसेस पर घूमना लगता है अच्छा तो...

शादी से पहले एक बार इन जगहों पर जरूर जाएं

भारत एक टूरिस्ट फ्रेंडली देश है। यहां अंतरराष्ट्रीय से लेकर घरेलू पर्यटकों के देखने व घूमने के लिए काफी कुछ है। फिर भले ही आप प्रकृति प्रेमी हों या कुछ वक्त शांत माहौल में खुद के साथ बिताना चाहते हैं। आपको बीचेस पर घूमना पसंद हो या फिर कुछ रोमांचक करना, भारत में आपको हर तरह की एक्टिविटी करने का मौका मिलेगा। आज इस लेख में हम आपको भारत की कुछ एडवेंचर्स जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप भरपूर मौज-मस्ती करके एक नया एक्सपीरियंस ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं भारत की कुछ एडवेंचर्स प्लेसेस के बारे में-

ऋषिकेश

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। आप गंगा नदी में राफ्टिंग, रॉक एंड क्लिफ चढ़ाई जैसी गतिविधियां कर सकते हैं, पास के जंगल में एक सर्वाइवल कैंप में भाग ले सकते हैं या बंजी जंपिंग भी कर सकते हैं।

लद्दाख

लद्दाख को कई मठों की भूमि के रूप में जाना जाता है। यह शहर भारत में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित है। यहां के आसपास की भूमि की स्थलाकृति, ट्रेकिंग और राफ्टिंग के लिए एक आदर्श स्थान है। लद्दाख की प्रसिद्ध चदर ट्रेक, जो एक जमी हुई नदी पर एक ट्रेक है, यहाँ होता है। इसके अलावा, आप खूबसूरत ज़ांस्कर घाटी में राफ्टिंग कर सकते हैं।

गुलमर्ग

गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित है। यहां पर आने के बाद आपको स्विट्जरलैंड के एक विशिष्ट गांव की याद जरूर आएगी। पूरा शहर एक उच्च ऊँचाई पर स्थित है और भारी बर्फबारी का सामना करता है। यहां प्राप्त बर्फबारी होने के कारण, हेलि-स्कीइंग यहां का एक लोकप्रिय रोमांचक खेल है। हेलि-स्कीइंग में स्की पर हेलीकॉप्टर से कूदना और कठोर ठंडी हवाओं का सामना करना शामिल है।

मनाली

मनाली उत्तरी राज्य हिमाचल प्रदेश में स्थित एक टाउनशिप है और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। मनाली में आपको कई एडवेंचर्स एक्टिविटी जैसे पार्वती घाटी में ट्रैकिंग आदि करने का मौका मिलेगा। हालांकि, यहां सबसे प्रसिद्ध रोमांचक गतिविधियों में से एक बाइकिंग करना है। मार्ग आपको मनाली में स्थित विभिन्न गाँवों और इसके आसपास के इलाकों में ले जाएंगे। इस दौरान आपको कुछ सुंदर परिदृश्यों से गुज़रना होगा और वास्तव में आप इस जगह का अनुभव कर सकते हैं।

अयोध्या में शुरू होने जा रही है अक्षय कुमार की फिल्म राम सेतु की शूटिंग

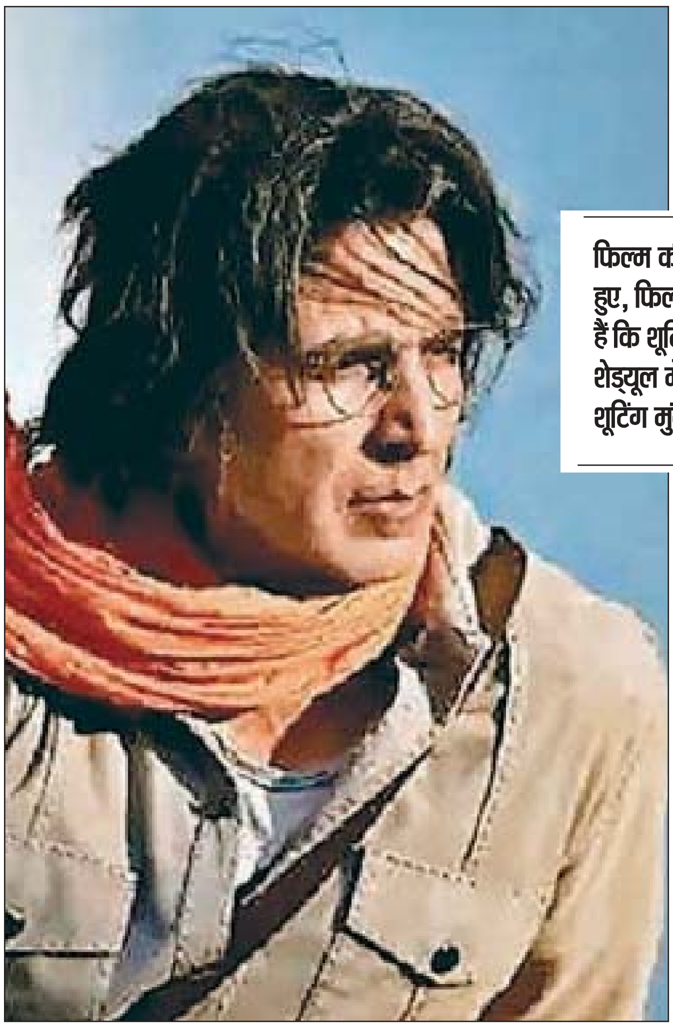

अभिनेता अक्षय कुमार अयोध्या जाने के लिए तैयार हैं। फिल्म बच्चन पांडे के बाद अक्षय कुमार अपने अगले प्रोजेक्ट 'राम सेतु' का शूटिंग शुरू करेंगे। केसरी अभिनेता और फिल्म की निर्माण टीम

फिल्म की शूटिंग के बारे में बात करते हुए, फिल्म के निर्देशक अभिषेक बताते हैं कि शूटिंग अगले कुछ महीनों में कई शेड्यूल में होगी। फिल्म की 80 प्रतिश शूटिंग मुंबई में होगी।

अभिषेक शर्मा और निर्माता डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी 8 मार्च को अयोध्या के लिए उड़ान भरेंगे। अक्षय इस समय मालदीव में एक परिवार की छुट्टी पर हैं और वापस आते ही काम पर लग जाएंगे। फिल्म की शूटिंग के बारे में बात करते हुए, फिल्म के निर्देशक अभिषेक बताते हैं कि शूटिंग अगले कुछ महीनों में कई शेड्यूल में होगी। फिल्म की 80 प्रतिशत शूटिंग मुंबई में होगी। शर्मा ने यह भी खुलासा किया कि अभिनेता फिल्म में एक नए अवतार में दिखाई देंगे। उन्होंने कहा कि अक्षय कुमार एक पुरातत्वविद् की भूमिका निभा रहे हैं। उनका लुक और चरित्र कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर पुरातत्वविदों से प्रेरित है जो इस क्षेत्र में काम करते हैं। लुक और किरदार दोनों के संदर्भ में, अक्षय सर के प्रशंसक उनके बिल्कुल नए अवतार में देख सकते हैं। फिल्म में अक्षय कुमार के अपोजिट लीड एक्ट्रेस के बारे में बात करते हुए उन्होंने फिल्म की लीड एक्ट्रेस के नाम का भी खुलासा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म में जैकलीन फर्नांडीज और नुसरत भरुचा दोनों महिला प्रधान भूमिका में हैं।जैकलीन फर्नांडीज फिल्म में अक्षय के साथ अभिनय करने के लिए तैयार हैं। नुसरत भरुचा भी फिल्म में दूसरी महिला प्रधान भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। प्रमुख महिलाओं के बारे में बोलते हुए, अभिषेक ने साझा किया कि वे दोनों अच्छी तरह से को समझ चुकी है और किरदार के लिए मजबूत, स्वतंत्र महिलाओं की भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

अयोध्या जाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट रूप से निर्माता द्विवेदी थे, जो अयोध्या में राम सेतु यात्रा शुरू करने के विचार के साथ आए थे। उन्होंने महसूस किया कि भगवान राम के जन्म स्थान पर शूट को शुरू करने की तुलना में राम सेतु की यात्रा शुरू करने का कोई और बेहतर तरीका नहीं है।

आमिर ने सोशल मीडिया को कहा अलविदा

अपने फैन्स को शुक्रिया कहा

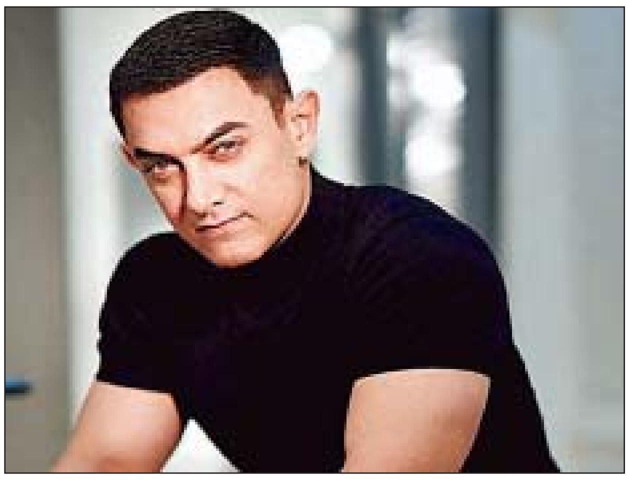

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने सोशल मीडिया को अलविदा कह दिया है। आमिर ने ट्विटर पर जो पोस्ट लिखा है उसमें भरपूर प्यार देने के लिए अपने फैन्स को शुक्रिया कहते हुए बताया है कि यह सोशल मीडिया पर उनका आखिरी पोस्ट है। आमिर ने ये पोस्ट अपने ट्विटर और इंस्टाग्राम दोनों हैंडल पर शेयर किए हैं। आमिर ने अपने शेयर किए नोट में लिखा, ष्हेलो दोस्तो, मेरे जन्मदिन पर आपके प्यार और गर्मजोशी से मेरा दिल भर गया है और इसके लिए बहुत बहुत शुक्रिया। खबर यह है कि यह मेरे सोशल मीडिया पर आखिरी पोस्ट होगा। मैंने फैसला किया है कि मैं यह दिखावा करना बंद कर दूं कि मैं बहुत ऐक्टिव हूं। हम संपर्क में रहेंगे जैसे पहले थे। आमिर खान ने बताया है कि फैन्स उनके प्रॉडक्शन हाउस आमिर खान प्रॉडक्शंस के ऑफिशल हैंडल को फॉलो कर सकते हैं।ष् आमिर ने लिखा, ष्आमिर खान प्रॉडक्शंस ने अपना ऑफिशल चैनल बनाया है। इसलिए अब मुझसे और मेरी फिल्मों से जुड़ी अपडेट्स वहां मिलेगी।ष् आमिर इन दिनों फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म में आमिर के साथ करीना कपूर खान नजर आएंगी। यह फिल्म हॉलीवुड की फिल्म 'फॉरेस्ट गम्प' का हिंदी अडैप्टेशन है और इसके इस साल क्रिसमस पर रिलीज होने की उम्मीद है।

रुबीना दिलैक के झुमकों पर आया फैन्स का दिलए दिखा मां लक्ष्मी का रूप

रुबीना दिलैक की गिनती टीवी की टॉप ऐक्ट्रेसेस में होती है। जितने कद्रदान उनकी ऐक्टिंग के हैंए उतने ही रुबीना के लाजवाब फैशन और स्टाइल के। बिग बॉस के घर में भी रुबीना के दिलकश अंदाज और कपड़ों ने खूब चर्चा बटोरी। अब रुबीना के झुमकों पर फैन्स का दिल अटक गया है। जी हांए रुबीना ने हाल ही अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की हैए जिसमें कानों में वह खूबसूरत झुमके पहने नजर आ रही हैं। झुमकों की खासियत यह कि इनमें मां लक्ष्मी की मूर्ति नजर आ रही है। यही फैन्स को भा गया है और वो तारीफें करते नहीं थक रहे हैं। फैन्स ने किस तरह रुबीना के झुमकों की तारीफ की हैए उनके पोस्ट पर जाकर कॉमेंट बॉक्स में पढ़ सकते हैं। हालांकि कुछ फैन्स को ऐसा भी लग रहा है कि रुबीना शशक्तिरू अस्तित्व

के अहसास कीश् में सौम्या के रोल में वापसी कर रही हैं। हो सकता है कि यह तस्वीर उसी शो के सेट से हो। अब ऐसा है या नहींए यह तो रुबीना ही बता सकती हैं। हो सकता है कि रुबीना किसी जूलरी ब्रैंड के लिए शूट कर रही हों और ये तस्वीरें उसी से हों। दूसरी तस्वीर में रुबीना मेकअप आर्टिस्ट से टच.अप लेती दिख रही हैं। वैसे शिबग बॉस 14श् जीतने के बाद से रुबीना दिलैक के पांव जमीं पर नहीं पड़ रहे हैं। शो जीतने के बाद वह सेलिब्रेशन में मशगूल हो गई और फिर अपने प्रॉजेक्ट्स में बिजी हो गई। रुबीना के पास अब ऑफर्स की लाइन लगी है। एक तरफ जहां वह पारस छबड़ा के साथ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगीए वहीं वह हाल ही पति अभिनव शुक्ला के साथ श्मरजानियाश् म्यूजिक वीडियो की शूटिंग करके चंडीगढ़ से वापस लौटीं। हाल ही रुबीना ने पति अभिनव के साथ इंस्टाग्राम पर लाइव सेशन रखाए जिसमें उन्होंने शिबग बॉसश् से लेकर कई और चीजों पर बात की। एक फैन ने उनसे पूछा था कि क्या बिग बॉस स्क्रिप्टेड होता हैघ् इसके जवाब में रुबीना और अभिनव ने इनकार किया और कहा कि ऐसा संभव नहीं है। यह लोगों की गलतफहमी है।

ईशा गुप्ता ने फ्लोरल बिकीनी में ढाया कहर

बॉलिवुड की कुछ ऐक्ट्रेस ऐसी हैं जो अपने विदेशी लुक्स को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। इन्हीं में से एक हैं ईशा गुप्ता। ईशा पिछले काफी समय फिल्मों में तो ज्यादा ऐक्टिव नहीं हैं मगर सोशल मीडिया पर उनकी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। ईशा की तस्वीरों और वीडियोज को फैन्स काफी पसंद करते हैं। अब ईशा ने फ्लोरल प्रिंट वाली बिकीनी में अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं जिन्हें देख फैन्स दीवाने हुए जा रहे हैं। फ्लोरल प्रिंट वाली इस बिकीनी में ईशा का अंदाज देखने लायक है। ईशा के शेयर करने के बाद लाखों लोग इन तस्वीरों को लाइक कर चुके हैं और इन पर हजारों कॉमेंट्स आ चुके हैं। इन तस्वीरों में ईशा की गजब की फिटनेस दिखाई दे रही है और लोग इनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। साल 2007 में मिस इंडिया रह चुकीं ईशा गुप्ता ने बॉलिवुड में फिल्म 'जन्नत 2' से डेब्यू किया था। हालांकि ईशा ने बहुत ज्यादा फिल्मों में काम नहीं किया है लेकिन वह अपने लुक्स को लेकर हमेशा चर्चा में रही हैं। इन तस्वीरों को देखने के बाद ईशा गुप्ता के फैन्स उनकी तुलना अमेरिकन मॉडल और सोशलाइट काइली जेनर से कर रहे हैं। कई लोगों ने ईशा को देसी काइली जेनर भी कहा है। वैसे इससे पहले भी लोग ईशा के लुक्स की तुलना हॉलिवुड ऐक्ट्रेस ऐंजिलिना जोली से करते रहे हैं और उन्हें देसी ऐंजिलिना जोली भी कहा जाता है। यह पहली बार नहीं है जबकि ईशा ने बिकीनी में अपनी तस्वीरें शेयर की हों। वर्क फ्रंट की बात करें तो ईशा अभी तक 'चक्रव्यूह', 'हमशकल्स', 'रुस्तम', 'कमांडो 2', 'टोटल धमाल', 'बादशाहो' और 'वन डेः जस्टिस डिलीवर्ड' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इसके अलावा ईशा ने कुछ तमिल और तेलुगू फिल्मों में भी काम किया है।

अभिषेक बच्चन की मोस्ट अवेटेड फिल्म द बिग बुल 8 अप्रैल को होगी रिलीज

अभिषेक बच्चन की मोस्ट अवेटेड फिल्म द बिग बुल आखिरकार 8 अप्रैल को डिज्नी + हॉटस्टार पर रिलीज़ हो रही है। अभिनेता ने आज फिल्म की रिलीज़ की तारीख की घोषणा करने के लिए एक टीज़र जारी किया। हर्षद मेहता द्वारा स्टॉक मार्केट घोटाले पर आधारित फिल्म में, 1980 से 1990 तक 10 साल की अवधि में अभिषेक अलग-अलग लुक के साथ मुख्य भूमिका में हैं। अजय देवगन ने फिल्म का निर्माण किया है। हर्षद मेहता

को दलाल स्ट्रीट का बिग बुल कहा जाता था। अभिषेक बच्चन ने द बिग बुल को पेश करने के लिए फिल्म का टीज़र साझा किया। टीजर में, हेमंत शाह (फिल्म में उनके किरदार का नाम) की भूमिका में अभिनेता को 1987 के मुंबई के विभिन्न स्थानों पर देखा जा सकता है। फिल्म का वर्णन कर रहे अजय देवगन को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि छोटे घरों में पैदा होने वाले को अकसर बड़े सपने देखने का हक नहीं होता हैं।

नारीवाद का डंका बजाने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री

भारत में भी अब महिलाएं अपने अधिरकारों के लिए लड़ रही है और लड़े भी क्यों न, उन्हें अपने अधिकारों के बारे में मुखर होना बहुत जरूरी है। ऐसे में सेलिब्रिटीज पहले से कहीं ज्यादा महिलाओं के अधिकारों के लिए बोलते नज़र आए हैं। एक ऐसे देश में जहां फिल्म स्टार अक्सर राजनीतिक नेताओं से अधिक प्रभावशाली होते हैं, वहीं अभिनेत्रियों का एक झुंड महिलाओं के अधिकारों के लिए हमेशा ही आगे रहता है। इनमें से कुछ को आप अच्छे से जानते भी हैं जिन्होंने या तो अपने फिल्मों के

जरिए महिलाओं के अधिकार के लिए आवाजा उठाई है या तो खुद मीडिया के सामने आकर अपनी बात रखी है। आज हम बात कर रहे हैं ऐसी ही कुछ सेलिब्रिटिज के बारें में जिन्होंने अपने एक्टिंग और अपनी फिल्मों के जरिए फेमिनिज़्म का e&treme promotion किया है। यह सेलिब्रिटिज है तापसी पन्नू, कंगना, पार्वती थिरुवोथु, ऋचा चड्ढा, स्वरा भास्कर, शबाना आजमी, और नंदिता दास। तापसी पन्नू हमेशा से ही एक मुखर feminist रही है। वह उन ही फिल्मों का चयन करती है जो ज्यादातर महिलाओं पर केंद्रित होती हैं। उनकी हालिया फिल्मों में से एक, थाप्पड ने विवाह में महिलाओं के सम्मान के बारे में दर्शकों को बताया। कंगना रनौत का बॉलीवुड में सफर आसान नहीं रहा।लेफ्ट विचाराधाराओं से विपरित एक परिभाषा नारीवाद की कंगना भी देती है जो राम का नाम भी लेती है और झांसी की रानी और क्वीन दिद्दा की बहादुरी पर फिल्म भी बनाती हैं। कंगना नारी शक्ति पर विश्वात करती हैं। वह नारी को कमजोर नहीं बल्कि सबसे मजबूत मानती हैं। इसलिए एक तरह से देखा जाए तो उन्होंने फर्श से अर्श तक का सफर अपने दम पर तय किया है और अभी भी वह एक मजबूत महिला की मिसाल है।

प्रियंका की द व्हाइट टाइगर ऑस्कर के लिए नॉमिनेट

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और राजकुमार राव की जोड़ी वाली फिल्म द व्हाइट टाइगर ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हो गयी है। प्रियंका चोपड़ा और राजकुमार राव की फिल्म 'द व्हाइट टाइगर' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। f

फल्म में प्रियंका और राजकुमार के साथ गौरव आदर्श लीड रोल में नजर आए हैं। प्रियंका चोपड़ा ने पति निक जोनस के साथ ऑस्कर 2021 के नॉमिनेशन अनाउंस किए हैं और इस लिस्ट में उनकी फिल्म द व्हाइट टाइगर ने अपनी जगह बना ली है। द व्हाइट टाइगर को अडॉप्टेड स्क्रीनप्ले कैटेगरी में शामिल किया गया है। ऑस्कर में नॉमिनेट होने के बाद प्रियंका चोपड़ा और राजकुमार राव ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की है। प्रियंका ने ट्वीट किया, ष्हम ऑस्कर में नॉमिनेट हुए हैं। द व्हाइट टाइगर टीम और रमीन मुबारक हो। फिल्म का नॉमिनेशन खुद अनाउंस करते हुए मुझे बहुत स्पेशल महसूस हो रहा था। सब पर गर्व है।ष् राजकुमार राव ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके खुशी जाहिर की है। उन्होंने लिखा, ष्हम ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हुए हैं। रमीन बहरानी और द व्हाइट टाइगर टीम।

सिंगल लड़के-लड़कियों की शादी भी करवाएंगे सोनू सूद

अभिनेता सोनू सूद, जो सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं, ने लॉकडाउन के दौरान बहुत से लोगों की मदद की। सोनू सूद को लॉकडाउन में प्रवासी मजदूरों की मदद करने के लिए उन्हें प्रवासियों का

मसीहा कहा गया था। सोनू सूद दूसरे देश- राज्य में फंसे लोगों को भी भारत लाने में मदद की। सोनू सूद का गरीबों को मदद करने का सिलसिला चलता रहा। आज भी वह सोशल मीडिया पर आयी मदद की गुहार को सुनते हैं और मदद करते हैं। सोनू सूद से सोशल मीडिया के माध्यम ले लोग मदद मांगते हैं। उन्हें लोग मदद के लिए ट्वीट करते करते हैं और सोनू सूद उन ट्वीट पर रिप्लाई भी करते हैं। विभिन्न राज्यों और देशों के लोग सोशल मीडिया पर सोनू से अनुरोध करते हैं कि वे अपने मेडिकल बिलों का भुगतान करें या अपनी शिक्षा की फीस और अन्य चीजों के लिए मदद मांगते हैं। हाल ही में, एक प्रशंसक ने सोनू से पूछा कि क्या वह उनकी शादी करवा सकते हैं? जिसपर सोनू सूद का काफी फनी रिप्लाई किया। एक फैन ने पूछा, ÷सर आप शादी करवा देंगे क्या।÷ इस पर, अभिनेता ने नम्रतापूर्वक उत्तर दिया, ÷क्यूं नहीं .. शादी के लिए मंत्र भी पढ़ दूंगा लेकिन कन्या ढूढने का आप कष्ट करें। हाल ही में अभिनेता ने झाँसी के एक गाँव में रहने वाले एक व्यक्ति की मदद की जब व्यक्ति ने अपने गाँव में पानी नहीं होने की चिंता के साथ अभिनेता से संपर्क किया, जिसके कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों की मदद करने के लिए, 47 वर्षीय अभिनेता ने वहां हैंडपंप लगाने का काम शुरू किया। इसके बारे में बात करते हुए, सूद ने कहा, इन लोगों ने पूछा क्योंकि पानी नहीं था, परिवार में बच्चे वास्तव में पीड़ित थे।

AVADH LAW
LEGAL CONSULTANCY IS OUR PATRONAGE
Anup Srivastava
BARRISTER, SOLICITOR & NOTARY PUBLIC
For Excellent Quality Legal Services In:
REAL ESTATE
ESTATE AND WILLS
FAMILY LAW
CIVIL LITIGATION
NEW ADDRESS
609-5770 Hurontario Street, Mississauga, ON L5R 3G5
P: 905-501-8590, F: 905-501-0481, E: anup@avadhlaw.com, W: www.avadhlaw.com

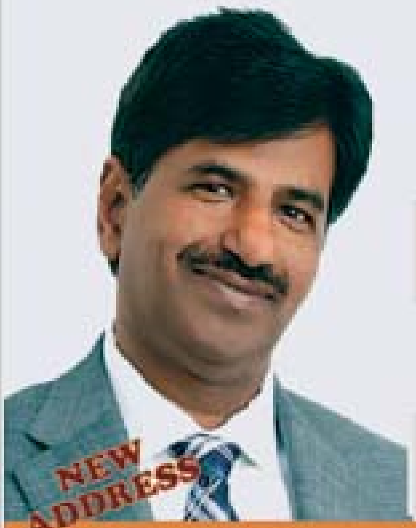

उर्वशी रौतेला को मां ने भेजी चाय बनाते विराट कोहली की तस्वीर

डरी एक्ट्रेस ने फैंस से मांगी मदद

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। वो आए दिन अपने फैंस के साथ दिलचस्प तस्वीरें शेयर करती दिखाई दे जाती हैं। वहीं हाल ही में उनके एक पोस्ट ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। उन्होंने अपने सोशल

मीडिया एकाउंट अपनी मां द्वारा भेजी गई विराट कोहली की एक तस्वीर शेयर की है। इस फोटो को साझा करते हुए उर्वशी ने बताया है कि मां के इस मैसेज से बहुत डर गई है, इसके लिए उन्होंने फैंस से मदद मांगी है।

उर्वशी रौतेला ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में उन्होंने विराट कोहली की एक तस्वीर शेयर की है, इस फोटो में विराट अपनी मां के साथ किचन में खड़े हैं और बड़े ध्यान से चाय बनाते दिखाई दे रहे हैं। उर्वशी को ये तस्वीर उनकी मां ने व्हाट्सएप पर भेजी है। जिसे देखकर वो बहुत डर गई हैं। उन्होंने इस फोटो को भेजना का मतलब समझने के लिए फैंस से मदद मांगी है। यहां देखें उर्वशी द्वारा शेयर किया गया पोस्ट- इस पोस्ट को शेयर करते हुए उर्वशी ने लिखा- हैलो दोस्तों मुझे आप सबकी मदद की जरूरत है!!! मेरी मां मीरा रौतेला ने अभी मुझे ये तस्वीर मैसेज की है। आपको क्या लगता है?? वो मुझसे क्या करवाना चाहती हैं। उनका छुपा हुआ मकसद क्या है?? डर हुई हूं। वहीं उर्वशी की इस तस्वीर पर फैंस की ताबड़तोड़ प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं।

सुशांत की मौत मामले में...

रिया चक्रवर्ती को फिर से जेल भिजवाने की तैयारी में एनसीबी!

रिया चक्रवर्ती 2020 में सबसे ज्यादा सुर्खियों में बनीं रहने वाली एक्ट्रेस है। रिया चक्रवर्ती को सुशांत सिंह राजपूत की मौत के केस की जांच के दौरान, आये ड्रग्स एंगल के तहत एनसीबी ने गिरफ्तार किया था। रिया चक्रवर्ती पर सुशांत के परिवार ने आरोप लगाया था कि उन्होंने सुशांत को जहर के तौर पर ड्रग्स देकर उन्हें सुसाइड करने के लिए उकसाया है। ये आरोप साबित नहीं हुआ है अभी केस की जांच सीबीआई कर रही हैं। परिवारवालों की एफआइआर के बाद रिया चक्रवर्ती से लगातार पूछताछ हुई और एनसीबी ने उन्हें गिरफ्तार किया। महीनों तक रिया चक्रवर्ती जेल में रही और आखिर में उन्हें कोर्ट ने जमानत दे दी।

रिया चक्रवर्ती की गिरफ्तारी के दौरान काफी ड्रामा हुआ था। मीडिया ने इस खबर को एक-एक मिनट कवर किया था। सुशांत सिंह राजपूत के लिए पूरा देश न्याय की मांग कर रहा था। कुछ मिलाकर कहा जाए तो 2020 में कोरोना वायरस के साथ साथ भारत में सुशांत सिंह राजपूत की मौत का मामला सोशल मीडिया पर छाया रहा। सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स ने रिया चक्रवर्ती को काफी ट्रोल भी किया।

रिया चक्रवर्ती पर फिर से कसा जाएगा शिकंजा

रिया चक्रवर्ती को मुंबई हाई कोर्ट से जमानत मिल चुकी है अब वह आराम से मुंबई में घूम रही हैं। जमानत मिलने का मतलब ये रही है कि रिया चक्रवर्ती आरोप मुक्त हो गयी है। ताजा रिपोर्ट में सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में दाखिल चार्जशीट में रिया चक्रवर्ती का टॉप पर है। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े मादक पदार्थ के मामले में 5 मार्च को यहां एक विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया। मादक पदार्थों के इस्तेमाल की रोकथाम से संबद्ध एनडीपीएस कानून के तहत गठित विशेष अदालत में दाखिल किये गए 11,700 से ज्यादा पृष्ठों के आरोपपत्र में जब्त किये गए मादक पदार्थ, जुटाए गए विभिन्न साक्ष्यों और अब तक हुई जांच के बारे में विस्तृत विवरण दिया गया था।

राखी सावंत ने आलिया भट्ट को बताया अपनी जैसी कहा. वही करे मेरा रोल

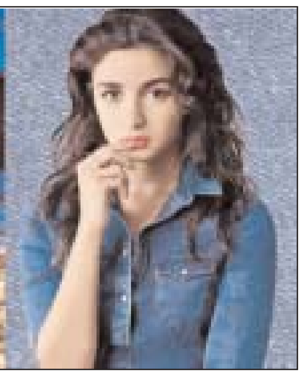

श्बिग बॉस 14 में राखी सावंत ने खूब धमाल मचाया। वह टॉप फाइनलिस्ट भी बनीं। राखी जितनी एंटरटेनिंग हैंए उनकी निजी जिंदगी की कहानी उतनी ही उलझी हुई भी। राखी ने लाइफ में बहुत स्ट्रगल किया है। बीते दिनों राखी सावंत ने कहा था कि गीतकार जावेद अख्तर उनकी जिंदगी पर फिल्म बनाना चाहते थे। बाद में जावेद अख्तर ने भी कहा कि यह बात सच है। अब एक इंटरव्यू में राखी सावंत ने इच्छा जाहिर की है कि उनकी बायोपिक में आलिया भट्ट लीड रोल प्ले करे। राखी की बायोपिक पर बात करते हुए जावेद अख्तर ने कहा था कि उन्होंने इस ओर इच्छा जताई थी। जावेद अख्तर ने यह भी कहा कि उन्होंने राखी सावंत से यह बात कही थी कि किसी दिन वह उनकी कहानी पर स्क्रिप्ट तैयार करना चाहेंगे। अब राखी सावंत ने हमारे सहयोगी श्ईटाइम्सश् को दिए इंटरव्यू में अपनी बायोपिक पर और भी इच्छाएं जाहिर की हैं। राखी सावंत ने इंटरव्यू में कहाए श्मैं चाहती हूं कि आलिया भट्ट मेरे बायोपिक में लीड रोल करें। आलिया बोल्ड हैंए वह किसी से नहीं डरतीं।श् राखी का मानना है कि पर्दे पर जो भी ऐक्ट्रेस उनका किरदार निभाएए उसमें ये गुण होने चाहिए। इसलिए राखी का यह भी मानना है कि प्रियंका चोपड़ा जोनस और राधिका आप्टे भी पर्दे पर उनके किरदार को बखूबी निभा सकती हैं।

राखी कहती हैंए श्प्रियंका चोपड़ा और राधिका आप्टे भी बोल्ड हैं। मैं जिंदगी में बहुत उतार.चढ़ाव देखे हैं। मैंने कभी अपने सम्मान को घटने नहीं दिया। मैंने जीवन में कई लक्ष्मण रेखाएं पार की हैं और जिंदगी को एक सम्मानजनक तरीके से जीने का काम किया है। स्पॉटबॉयश् को दिए एक इंटरव्यू में जावेद अख्तर ने राखी की बातों को सच बताया था। जावेद अख्तर से जब पूछा गया कि क्या राखी सच कह रही हैं कि आप उनकी जिंदगी पर फिल्म बनाना चाहते हैंए जवाब में जावेद अख्तर ने कहा थाए श्हांए वह सही कह रही हैं। मुझे याद हैए कुछ चार.पांच साल पहले एक फ्लाइट में हमारी मुलाकात हुई थी। वहां उन्होंने मुझे अपने बचपन के किस्से सुनाए थे और मैंने उनसे कहा था कि किसी दिन मैं उनकी जिंदगी पर फिल्म की स्क्रिप्ट लिखना चाहूंगा।

रणबीर कपूर के बगैर ही आलिया ने काटा अपना जन्मदिन का केट

आलिया भट्ट ने सोमवार (15 मार्च) को दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में अपना 28वां जन्मदिन मनाया। फिल्म निर्माता करण जौहर ने विशेष अवसर पर अपने घर पर एक बड़ी पार्टी की मेजबानी की। इस मौके पर बर्थडे गर्ल एक काले रंग की ड्रेस में सुंदर लग रही थी। हालाँकि, ऐसा लग रहा है कि आलिया के लिए केवल वही पार्टी होस्ट नहीं थी। उन्होंने अपनी माँ, सोनी राजदान, बहन शाहीन भट्ट और प्रेमी रणबीर कपूर की माँ नीतू कपूर के साथ भी जन्मदिन की खुशियां मनाई। आलिया के बर्थडे बैश का एक वीडियो इंटरनेट पर खूब धूम मचा रहा है। वीडियो में, आलिया को हंसते हुए देखा जा सकता है क्योंकि उसके आसपास के लोग जन्मदिन का गाना गाते नजर आ रहे हैं। आलिया को चांदी के झुमके के साथ एक काले रंग की हूडि पहने हुए देखा जा सकता है।

JOSHI LAW OFFICE
BARRISTER, SOLICITOR & NOTARY PUBLIC

• Real Estate Law
• Family Law
• Immigration • Wills
• Power of Attorney
• Notarization • Affidavit
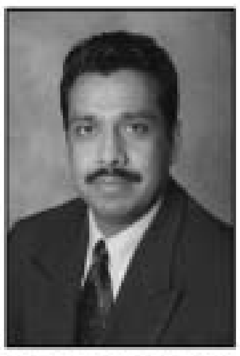
416-213-8600
Fax: 416-213-8601
E-mail: info@joshilawoffice.com
RAKESH JOSHI
B.A. L.L.B.
6921 Steeles Ave. West, Unit #11
Etobicoke, Ontario M9W 6T5

जीवन को अपसेट नहीं, परफेट बनाये

ललित गर्ग

आज सुविधाओं का बहुत विस्तार हुआ है, जो साधन किसी समय में विरले व्यक्तियों के लिए सुलभ थे, वे आज सर्वसाधारण के लिए सुलभ हैं, आज साधारण परिवारों में भी टी.वी. है, लेपटाप है, मोबाइल है, कार है, सोफा-सेट है, गोल्डन-सेट है, डायमण्ड-सेट है, पर इन सारे कीमती सेटों के बावजूद मन 'अपसेट' है? व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में तनाव, टकराव और बिखराव बढ़ रहे हैं। हमारे जीवन में मन की शांति साधन-सुविधाओं से भी अधिक महत्वपूर्ण है, लेकिन हमारा ध्यान उस ओर नहीं जा रहा है। नतीजा इंसान का मिजाज बिगड़ रहा है, जिससे वह स्वयं भी अशांत रहता है, पारिवारिक जीवन भी अशांत और अव्यवस्थित रहता है और इसका प्रभाव समाज एवं देश में भी देखने को मिलता है।

'मूड-ऑफ' की बात मम्मी-पापा ही नहीं, छोटे-छोटे बच्चों में देखने को मिलती है। जब तक मन को प्रशिक्षित, संतुलित और अनुशासित बनाने की दिशा में मानव समाज जागरूक नहीं होगा, तब तक बौद्धिक और आर्थिक समृद्धि भी तलवार की धार बन सकती है, विकास और उल्लास का साधन नहीं होकर विषाद और विनाश का कारण हो सकती है। जीवन अवसर नहीं, अनुभव का नाम है। हर समय की तेरी-मेरी, हार-जीत और हरेक चीज को अपने काबू में करने की उठापटक बेचैनी के सिवा कुछ नहीं देती। हर पल आशंकाओं से घिरा मन जिंदगी के मायने ही नहीं समझ पा रहा है। ओशो तो कहते हैं कि जीवन तथ्य नहीं, केवल एक संभावना है-जैसे बीज, बीज में छिपे हैं हजारों फूल, पर प्रकट नहीं, अप्रकट हैं। बहुत गहरी खोज करोगे तो ही पा सकोगे।

किसी न किसी रूप में दुख हरेक की जिंदगी में होता है। कई बार कचोट इतनी गहरी होती है कि जैसे-जैसे समय बीतता है, उसकी कड़वाहट हर चीज को अपनी गिरफ्त में लेने लगती है। पर दार्शनिक रूमी कहते हैं, ' देखना, तुम्हारे दुख और दर्द जहरीले न हो जाएं। अपने दर्द को प्रेम और धैर्य के धागे के साथ गूंथना।' ऐसा करने का एक ही माध्यम है मन को समझाना, उसे तैयार करना। मन के संतुलन एवं सशक्त स्थिति से, मन की भावना और कल्पना से ही मनुष्य सम्राट और भिखारी होता है। जिसका मन प्रसन्न और स्वस्थ है, वह अकिंचन होकर भी सम्राट है। जो अशांति और व्याकुलता के दावानल में जलता रहता है, वह संपन्न और समृद्ध होकर भी भिखारी के समान है। मानसिक स्वास्थ्य एवं संतुलन के अभाव में थोड़ी-सी प्रतिकूलता भी व्यक्ति को भीतर से तोड़ देती है। उस स्थिति में जीना भी भार प्रतीत होने लगता है। ऐसे लोगों के सिर संसार की कोई भी शक्ति आलंबन नहीं हो सकती। 'मन के जीते जीत है, मन के हारे हार'-यह कहावत बिल्कुल सही है। अनुकूलता और प्रतिकूलता, सरलता और कठिनता तथा सुख व दुःख की अनुभूति के साथ मन की कल्पना का संबंध निश्चित होता है।

जिस प्रकार दिन और रात का अभिन्न संबंध है उसी प्रकार सुख-दुःख, हर्ष-शोक, लाभ-अलाभ व संयोग-वियोग का संबंध भी अटल है। हमें सच्चाई को गहराई से आत्मसात् करना चाहिए। किसी भी व्यक्ति और परिस्थिति के प्रति शिकायत, ईर्ष्या, धृणा, द्वेष और गिला-शिकवा की भाषा में नहीं सोचना चाहिए। जब मन में शांति के फूल खिलते हैं, तो कांटों में भी फूलों का दर्शन होता है। जब मन में अशांति के कांटे होते हैं तो फूलों से भी चुभन और पीड़ा का अनुभव होता है।

कहा जाता रहा है- ईर्ष्या मत करो, धृणा और द्वेष मत करो। क्योंकि ये समस्या के कारण हैं। यह उपदेश धर्म की दृष्टि से ही नहीं, स्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बन गया है। विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे निषेधत्मक भावों से बचना चाहिए। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लडने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति खुशियों से वंचित होकर बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। खुशियों की एक कीमत होती है। लेकिन अच्छी बात यह है कि सर्वश्रेष्ठ खुशियों का कोई दाम नहीं होता। जितना हो सके झप्पियां, मुस्कराहटें, दोस्त, परिवार, नींद, प्यार, हंसी और अच्छी यादों के खजाने बढ़ाते रहें।

धूप और छांव की तरह जीवन में कभी दुःख ज्यादा तो कभी सुख ज्यादा होते हैं। जिन्दगी की सोच का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि जिन्दगी में जितनी अधिक समस्याएं होती हैं, सफलताएं भी उतनी ही तेजी से कदमों को चुमती हैं। बिना समस्याओं के जीवन के कोई मायने नहीं हैं। समस्याएं क्यों होती हैं, यह एक चिन्तनीय प्रश्न है। यह भी एक प्रश्न है कि हम समस्याओं को कैसे कम कर सकते हैं। इस प्रश्न का समाधान आध्यात्मिक परिवेश में ही खोजा जा सकता है।

अति चिन्तन, अति स्मृति और अति कल्पना- ये तीनों समस्या पैदा करते हैं। शरीर, मन और वाणी- इन सबका उचित उपयोग होना चाहिए। यदि इनका उपयोग न हो, इन्हें बिल्कुल काम में न लें तो ये निकम्मे बन जायेंगे। यदि इन्हें बहुत ज्यादा काम में लें, अतियोग हो जाए तो ये समस्या पैदा करेंगे। इस समस्या का कारण व्यक्ति स्वयं है और पास विश्वास, साहस, उमंग और संकल्पित मन है तो दुनिया की कोई ताकत हमें अपने पथ से विचलित नहीं कर सकती और सफलता का राजमार्ग भी यही है। व्यक्ति के उन्नत प्रयास ही सौभाग्य बनते हैं।

छोटे-छोटे सुख हासिल करने की इच्छा के चलते हम कई बार पूरे माहौल एवं जीवन को प्रभावित करते हैं, दूषित बना देते हैं। किसी के घर के आगे गाड़ी पार्क करने से लेकर पीने के पानी से वाहन की धुलाई करने तक, ऐसी ही नकारात्मकताएं पसरी है। ये उन्नत जीवन की राह में रोड़े हैं। हमें और भी कई तरह के गिले-शिकवे, निंदा, चुगली और उठा-पटक से गुजरना पड़ता है। गुस्सा आता है और कई तरह की कुंठाएं सिर उठाने लगती हैं। लेखक टी. एफ. होग कहते हैं, ' कुंठाओं से पार पाने का एक ही तरीका है कि हम बाधाओं की बजाय नतीजों पर नजर रखें।' हम सबसे पहले यह खोजें- जो समस्या है, उसका समाधान मेरे भीतर है या नहीं?

वह समाधान खोजता है दवा में, डॉक्टर में या बाहर ऑफिस में। यही समस्या व्यक्ति को अशांत बनाती है। जरूरत है संतुलित जीवनशैली की। जीवनशैली के शुभ मुहूर्त पर हमारा मन उगती धूप की तरह ताजगी-भरा होना चाहिए, क्योंकि अनुत्साह भयाक्रांत, शंकालु, अधमरा मन समस्याओं का जनक होता है। यदि हमारे बीमारी पैदा हुई, डॉक्टर को बुलाया और दवा ले ली। यह एक समाधान है पर ठीक समाधान नहीं है। पहला समाधान अपने भीतर खोजना चाहिए। एक व्यक्ति स्वस्थ रहता है। क्या वह दवा या डाक्टर के बल पर स्वस्थ रहता है? या अपने मानसिक बल यानी सकारात्मक सोच पर स्वस्थ रहता है? हमारी सकारात्मकता अनेक बीमारियों एवं समस्याओं का समाधान है। जितने नकारात्मक भाव (नेगेटिव एटीट्यूट) हैं, वे हमारी बीमारियों एवं समस्याओं से लडने की प्रणाली को कमजोर बनाते हैं।

एक नज़र

टीबी रोग उन्मूलन में जन प्रतिनिधि अग्रणी भूमिका निभायें : नायडू

नयी दिल्ली। राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू ने सांसदों और जन प्रतिनिधियों से क्षय (टीबी) रोग के देश से उन्मूलन के लिए अग्रणी भूमिका निभाने का अनुरोध किया। श्री नायडू ने मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरु होने पर कहा कि देश से वर्ष 2025 तक टीबी रोग का उन्मूलन करने का लक्ष्य है। सरकार ने इस बीमारी की रोकथाम के लिए अनेक कदम उठाये हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में टीबी से पीड़ित लोगों का पता लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। सरकार दवाएं और अन्य सुविधायें उपलब्ध करा रही है।

एलआईसी के निजीकरण करने की कोई योजना नहीं : जावडेकर

नयी दिल्ली। भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्री प्रकाश जावडेकर ने स्पष्ट किया है कि सरकार जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के निजीकरण का कोई प्रयास नहीं कर रही है। लोकसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल एक पूरक प्रश्न के जनाब में श्री जावडेकर ने कहा कि एलआईसी के निजीकरण की अफवाहों में ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुनाफे वाली सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में सरकार का दख़ल रहेगा और इनके निजीकरण की सरकार की कोई मंशा नहीं है। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) जैसी सरकारी उपक्रमों में सरकार का दख़ल कम नहीं होगा।

यूपीएससी परीक्षाओं के लिए एक और अवसर देने की मांग

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संजय सिंह ने मंगलवार को सरकार से कोरोना संकट के कारण संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं से वंचित रह गये लोगों को एक अवसर देने की मांग की। श्री सिंह ने शून्यकाल के दौरान कोरोना महामारी के कारण अनेक लोग पारिवारिक कारणों से परीक्षा देने से वंचित रह गये। कई लोगों के माता और पिता का इस दौरान निधन हो गया था। इसलिए लोगों को अतिरिक्त मौका दिया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि इसमें छात्रों का कोई दोष नहीं था, उनके जीवन से खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिये।

लोकसभा में पांच विधेयक पेश

नयी दिल्ली। लोकसभा में आज राष्ट्रीय राजधानी प्रक्षेत्र (संशोधन) विधेयक 2021 सहित पांच विधेयक पेश किये गये। प्रश्नकाल के बाद अध्यक्ष ओम बिरला की अनुमति से गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने राष्ट्रीय राजधानी प्रक्षेत्र (संशोधन) विधेयक 2021 पेश किया। श्री प्रह्लाद जोशी ने खान एवं खनिज (विकास एवं नियमन) (संशोधन) विधेयक 2021 सदन के पटल पर रखा। रसायन एवं उर्वरक मंत्री डी. वी. सदानंद गौड़ा ने राष्ट्रीय औषधि शास्त्र शिक्षा एवं अनुसंधान (संशोधन) विधेयक 2021 तथा श्रीमती स्मृति ईरानी बाल न्याय (बच्चों की देखभाल एवं सुरक्षा) संशोधन विधेयक 2021 पेश किया।

एजेंसी

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला, बड़े प्रोजेक्ट की फंडिंग के लिए बनेगा नया नेशनल बैंक

विकास वित्त संस्था को 20000 करोड़ रुपये की शुरुआती पूंजी दी जायेगी : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली.संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में दिल्ली में मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट को फंड के लिए एक नया नेशनल बैंक बनाने का फैसला किया गया। बैठक के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बजट के दौरान हमने उल्लेख किया था कि हम फंड इंफ्रास्ट्रक्चर और डेवलपमेंट एक्टिविटी के लिए एक राष्ट्रीय बैंक की स्थापना करेंगे। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने डेवलपमेंट फाइनेंस इंस्टीट्यूशन (डीएफआई) की स्थापना को मंजूरी दे दी है, ये एहसास होने पर कि डीएफआई की स्थापना के लिए विकास और फाइनेंशियल उद्देश्य

दोनों मायने रखेंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि कैबिनेट ने अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन को मजबूत करने के लिए 9129.32 करोड़ रुपये संशोधित लागत अनुमान को मंजूरी दी। जिन बैंकों का निजीकरण होने की संभावना है उनके निजीकरण होने के बाद भी कार्य जारी रहेगा और कर्मचारियों की इंटरेस्ट की भी रक्षा होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विकास वित्त संस्था को 20000 करोड़ रुपये की शुरुआती पूंजी दी जायेगी। संसद में इस संबंध में एक विधेयक पेश किया जायेगा। इस संस्था में एक व्यावसायिक बोर्ड होगा। इसमें बाजार, बीमा कम्पनियों आदि से पूंजी जुटाया जायेगा। बजट के दौरान इस तरह की संस्था की बात कही गयी थी । उन्होंने बैंकों के निजीकरण को लेकर किये गये एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि सभी बैंकों का निजीकरण नहीं किया जा रहा है। देश की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बैंकों का विलय किया जा रही है। वह देश में भारतीय स्टेट बैंक की क्षमता का बैंक चाहती हैं।

सभी सरकारी बैंकों का नहीं किया जाएगा निजीकरण, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया आश्वस्त

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि सरकार पब्लिक सेक्टर के सभी बैंकों का निजीकरण नहीं करेगी। वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में IDBI Bank के अलावा दो अन्य बैंकों के निजीकरण के प्रस्ताव के विरोध में बैंककर्मियों की दो दिन की हड़ताल के बीच वित्त मंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा, हमने पब्लिक इंटरप्राइज पॉलिसी की घोषणा की है, जहां हमने चार ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है जिनमें पब्लिक सेक्टर की उपस्थिति रहेगी। इनमें फाइनेंशियल सेक्टर भी शामिल है।

राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी का गठन !

नई दिल्ली.चन्द्रमोहन शर्मा

आज हम एक ऐसे समाज और राष्ट्र की परिकल्पना करते हैं जहां समाज का अंतिम व्यक्ति भी महसूस करें कि देश के प्रत्येक विकास में उसकी भी अहम भूमिका और हिस्सेदारी है। लोकतंत्र की गूँजऔर राष्ट्र उत्थान में उसके पसीने की गंध का भी मोल हो, तभी सही मायने में लोकशाही का राम-राज्य स्थापित हो सके !यह कहना था राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी के कन्वीनर एडमिन दीपक पांडिया का!

राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी के लॉन्च के अवसर पर सर्वसम्मति से राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमें ब्रिगेडियर बी. के. खन्ना को चीफ कन्वीनर, दीपक पांडिया को कन्वीनर एडमिन, एन. के. शर्मा को कन्वीनर फाइनेंस, डॉ. एल. सी. शर्मा को मेंटोर और रेणु नेगी को कन्वीनर मीडिया रिलेशन नियुक्त किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड में जे. पी. सिंह, अलोक कुमार, आईएएस रिटायर्ड गौतम मारवाह, पद्मश्री भारत भूषण त्यागी और ब्रिगेडियर विनोद दत्ता शामिल हुए। ब्रिग्रेडियर खन्ना एक अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व है उन्होंने सेना में रहकर देश के लिए अपनी सेवाएं प्रदान की हैं तथा 1987 में भारत की सेना ने जब श्रीलंका में शांति के लिए भेजी गई थी तो ब्रिगेडियर खन्ना ने उसमें अहम भूमिका निभाई थी, इन्होंने समाज सेवा में सर्वोच्च सेवाओं को प्रदान करने का गौरव हासिल किया, इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सेना में रहते हुए हमारा पूरा जीवन देश के प्रति समर्पित रहा है और हर चुनौती को पूरा करने के लिए प्रयासरत रहे है, आज इस लोकनीति के तहत हम लोगों ने जो संकल्प लिया है उसे भी अवश्य पूरा करेंगे। एन. के. शर्मा ने कहा की आज की स्थितियॉं इतनी बदल चुकी हैं कि व्यक्ति,परिवार, समाज समेत शिक्षा, स्वास्थ्य,प्रशासन, कृषि, उद्योग आदि सभी क्षेत्र पूरी तरह नवीन और भिन्न हो चुके हैं। ऐसे में हमारी सदियों पुराने प्रशासनिक ढॉंचे पर आधारित राजनीति पूरी तरह बेमानी साबित हो चुकी है। ऐसे में उसी क्षेत्र के 15 लोगों को रोजगार जो हर सेवा को घर पर ही उपलब्ध करवाएंगे, सरकारी एवं निजी स्कूलों में एक समान व्यवस्था, फीस ढांचा एवं अन्य सुविधाओं को भी एक समान करना है। पार्टी के प्रवक्ता डॉ. एल. सी. शर्मा ने कहा की हमारा उद्देश्य है नए परिपेक्ष्य में नई सोच और नेतृत्व को आगे लाना ज़रूरी है!

जे. पी. सिंह ने कहा की व्यवस्था बदल रही है तो हम क्यों न बदले, नेताओं के साथ नागरिकों की भी रेटिंग तय हो, जब दूसरे देश यह कर सकते है तो हम क्यों नहीं। पार्टी का एजेंडा बिल्कुल सही है यह नई दिशा तय करने वाली है।

भाजपा पर बरसीं ममता, बोलीं-मैं बाघ की तरह हूं, केवल जनता के सामने झुकाती हूं अपना सिर

कोलकाता.एजेंसी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक दलों में जोर शोर से चुनावी रैलियां कर रहे हैं। इस बीच तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भाजपा पर निशाना साधा और महिलाओं, दलितों के साथ अत्याचार करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि मैं एक बाघ की तरह हूं और मैं अपना सिर नहीं झुकाऊंगी। मैं केवल जनता के सामने अपना सिर झुकाती हूं। लेकिन भाजपा जैसी पार्टी महिलाओं, दलितों पर अत्याचार करती है, मैं उनका समर्थन नहीं करती हूं। ममता बनर्जी ने कहा कि प्रदेश के सभी होटल भाजपा कार्यकर्ताओं से भरे हुए हैं। इतना ही नहीं भाजपा ने तो 100 विमानों को किराये पर ले रखा है। ममता बनर्जी ने कहा कि चुनावों के दौरान भाजपा नेता नकदी से भरा बैग लेकर आते हैं और मतदाताओं को पैसा देते हैं लेकिन जब कोई परेशानी आती है तब वे कहीं नजर नहीं आते हैं। इस दौरान ममता बनर्जी ने वोटर्स को भाजपा के बहकावे में नहीं आने की नसीहत दी है।

भारत और सऊदी अरब ने अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग शुरू करने पर चर्चा की

बेंगलुरु.एजेंसी। भारत और सऊदी अरब ने अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग शुरू करने पर चर्चा की और देश के स्तर पर सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की संभावनाओं पर विचार किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और सऊदी अंतरिक्ष आयोग ने बुधवार को डिजिटल माध्यम से द्विपक्षीय बैठक की। भारत की ओर से चर्चा की अगुवाई भारतीय अंतरिक्ष विभाग के सचिव व इसरो के अध्यक्ष के शिवन ने की जबकि सऊदी अरब की ओर से बातचीत का नेतृत्व सऊदी अंतरिक्ष आयोग के निदेशकों के बोर्ड के प्रमुख शहज़ादे सुल्तान बिन सलमान ने किया। इसरो के बेंगलुरु स्थित मुख्यालय से जारी बयान के मुताबिक, ÷ दोनों ने पारस्परिक हित के क्षेत्रों में अंतरिक्ष सहयोग शुरू करने पर चर्चा की। अंतरिक्ष सहयोग के लिए देश-स्तरीय समझौता ज्ञापन करने की संभावना पर भी चर्चा की गई।

आंदोलनकारी किसानों को भी लगनी चाहिए वैक्सीन, हम आंदोलन को समाप्त नहीं होने देंगे : राकेश टिकैत

नयी दिल्ली.संवाददाता

केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन पिछ्ले 112 दिनों से जारी है और दूसरी तरफ देशभर में तेजी से कोरोना वायरस संक्रमण फैल रहा है। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की मांग है कि प्रदर्शन कर रहे किसानों को भी कोरोना वैक्सीन की खुराक दी जाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे किसानों और जेल के कैदियों को भी कोरोना की वैक्सीन लगनी चाहिए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि प्रदर्शनस्थल पर किसान शारीरिक दूरी के नियमों का पालन कर रहे हैं। इसके अलावा यहां पर आने जाने वाले लोगों को कोरोना वैक्सीन की खुराक दी जानी चाहिए। मैं भी वैक्सीन लगवाऊंगा। इसके साथ ही राकेश टिकैत ने कहा कि

जेल में मौजूद कैदियों के परिवार वाले भी चिंता जाहिर कर रहे हैं और मुद्दा उठाने की बात कह रहे। राकेश टिकैत ने कहा कि जेल में भीड़ ज्यादा है। ऐसे में वहां पर भी कोरोना के दिशानिर्देशों का पालन होना चाहिए। वहां पर कैदी एक-दूसरे से सटकर सोते हैं। वहां पर भी शारीरिक दूरी के नियमों का पालन होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कोरोना वायरस महामारी की वजह से हम आंदोलन को समाप्त होने नहीं देंगे। टेंटों को और भी बड़ा बनाया जाएगा।

22 मार्च से लगेगा होलाष्टक

जानिए शुभ मुहूर्त, पूजा विधि के साथ पूरी जानकारी

होली होलिका दहन तिथि- 28 मार्च 2021 दिन रविवार।
होलिका दहन मुहूर्त - 28 मार्च 2021 शाम 06.36 मिनट से लेकर 8.56 मिनट तक
कुल अवधि लगभग 02 घंटे 19 मिनट की रहेगी।
होली 2021 की तिथि आरंभ और समाप्त समय
पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ- 28 मार्च 2021 को प्रातः 03.27 से
पूर्णिमा तिथि समाप्त- 29 मार्च 2021 को रात 12.17 मिनट पर

पंचांग के अनुसार साल 2021 में होलाष्टक का आरंभ 22 मार्च से हो जाएगा। इस दिन फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि रहेगी। ज्योतिष के मुताबिक चंद्रमा मिथुन राशि में विराजमान होंगे और इस दिन आद्रा नक्षत्र भी रहेगा। वहीं अन्य ग्रहों व राशियों की बात की जाए तो वृष राशि में राहु और मंगल, वृश्चिक राशि में केतु, मकर राशि में गुरू और शनि, कुंभ राशि में बुध और मीन राशि में सूर्य व शुक्र विराजमान रहेंगे। ज्योतिषों के मुताबिक होलाष्टक का समापन होलिका दहन के दिन हो जाता है। पंचाग के मुताबिक होलिका दहन 28 मार्च को होगा। साथ ही 29 मार्च को होली खेली जाएगी। वहीं फुलेरा दूज 15 मार्च को मनाई जाएगी। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण राधा के साथ इसी दिन फूलों के साथ होली खेली थी। मथुरा और बृज में होली का महोत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। वहीं फुलरा दूज का भी विशेष महत्व है।

होलाष्टक में नहीं किए जाते हैं शुभ कार्य

पौराणिक मान्यता है कि होलाष्टक के दौरान शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। साथ ही इस दौरा खरमास भी शुरू हो चुके हैं। सूर्य के मीन राशि में प्रवेश के साथ खरमास का आरंभ हो चुका है। होलाष्टक के बाद 8 दिनों तक शादी विवाह या अन्य शुभ कार्य संपन्न करना अशुभ माना जाता है। साथ ही भूमि, भवन और वाहन आदि की भी खरीदारी को शुभ नहीं माना गया है। साथ ही यह भी मान्यता है कि होलाष्टक के दौरान पूजा पाठ का विशेष महत्व होता है और इसका पुण्य भी मिलता है। साथ ही ये त्योहार ऐस समय में आता है, जब मौसम में बदलाव होते रहता है, इसलिए अपनी दिनचर्या व खानपान को भी काफी अनुशासित रखना चाहिए।

499 साल बाद बन रहा है दुर्लभ योग

ज्योतिष विज्ञानियों के मुताबिक इस बार होली पर 499 सालों के बाद एक दुर्लभ योग बन रहा है। साथ ही दो खास संयोग बन रहे हैं। ज्योतिष के अनुसार इस बार को होली बहुत ही खास रहेगी। होली पर इस बार ध्रुव योग का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष के जानकारों के अनुसार इस तरह से ग्रहों का योग 499 साल पहले 03 मार्च, 1521 को बना था।

श्रीकृष्ण संग फूलों की होली खेलने का त्यौहार है फुलेरा दूज

प्रज्ञा पाण्डेय

बसंत पंचमी और होली के बीच आने वाला त्यौहार फुलेरा दूज है। फुलेरा दूज मथुरा और वृंदावन में खासतौर से मनाया जाता है तो आइए हम आपको फुलेरा दूज के महत्व के बारे में कुछ रोचक बातें बताते हैं।

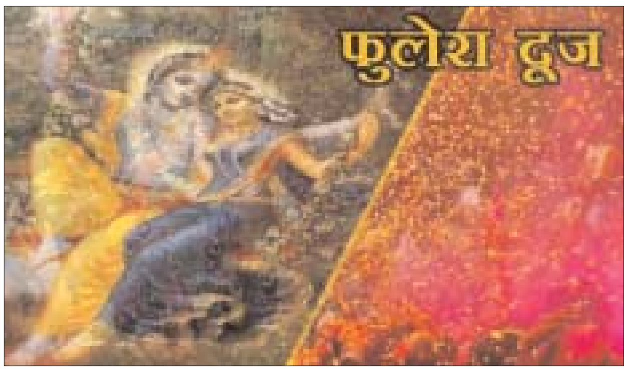

जानें फुलेरा दूज के बारे में

फुलेरा दूज एक शुभ त्यौहार है जिसे उत्तर भारत में विशेष रूप से मनाया जाता है। यह त्योहार भगवान कृष्ण को समर्पित है। फुलेरा दूज में फुलेरा का अर्थ है 'फूल' जो फूलों को दर्शाता है। यह माना जाता है कि भगवान कृष्ण फूलों के साथ खेलते हैं और फुलेरा दूज की शुभ पूर्व संध्या पर होली मनायी जाती है। यह त्योहार लोगों के जीवन में खुशियां और उल्लास लाता है। यह त्यौहार फाल्गुन माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है।

ऐसे मनाएं फुलेरा दूज

फुलेरा दूज विशेष त्यौहार होता है। इस दिन पर, भक्त भगवान कृष्ण की पूजा होती है। उत्तरी भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित मंदिरों भव्य उत्सव होते हैं। इस दिन भगवान कृष्ण के साथ रंग-बिरंगे फूलों की होली खेली जाती है। ब्रज में इस दिन देवता के सम्मान में भव्य उत्सव होते हैं। मंदिरों को फूलों और रोशनी से सजाया जाता है और भगवान कृष्ण की मूर्ति को एक सजाये गए और रंगीन मंडप में रखा जाता है। रंगीन कपड़े का एक छोटा टुकड़ा भगवान कृष्ण की मूर्ति की कमर पर लगाया जाता है। यह कपड़ा इस बात का प्रतीक है कि वह होली खेलने के लिए तैयार हैं। शयन भोग की रस्म पूरी करने के बाद, रंगीन कपड़े को हटा दिया जाता है। देवता के सम्मान में भक्त भजन-कीर्तन करते हैं। होली के आगामी उत्सव के प्रतीक देवता की मूर्ति पर थोड़ा गुलाल फैलाया जाता है। उसके बाद मंदिर के सभी पुजारी इकट्ठा होकर लोगों पर गुलाल छिड़कते हैं।

फुलेरा दूज का महत्व

फाल्गुन मास में आने वाले इस त्योहार को सबसे महत्वपूर्ण और शुभ माना जाता है। पंडितों की मान्यता है कि यह दिन भाग्यशाली माना जाता है क्योंकि इस दिन हानिकारक प्रभावों और दोषों का प्रभाव नहीं होता है। इसलिए इसे अबुझ मुहूर्त भी माना जाता है। फुलेरा दूज विवाह, संपत्ति की खरीद इत्यादि सभी प्रकार के शुभ कार्यों को करने के लिए पवित्र होता है। उत्तर भारत के राज्यों में, ज्यादातर शादी समारोह फुलेरा दूज की पूर्व संध्या पर होते हैं।

फुलेरा दूज से जुड़ी पौराणिक कथा

फुलेरा दूज हिन्दुओं का प्रमुख त्यौहार है। इससे जुड़ी एक पौराणिक कथा प्रचलित है। इस कथा के अनुसार द्वापर युग में एक बार भगवान श्रीकृष्ण बीमार पड़ गए। बीमारी के कारण सभी दवा और जड़ी बूटियां बेअसर हो रही थीं। तब भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों को चरणामृत पिलाने के लिए कहा। श्री श्रीकृष्ण का मानना था कि जो उनके परम भक्त हों उनके पांव को धोने वाले जल को ग्रहण करने से वह पूरी तरह से स्वस्थ हो जाएंगे। लेकिन गोपियां को शंका थी कि यह उपाय निष्फल हो जाएगा। तभी उन्हें राधा रानी की याद आ गयी। श्रीकृष्ण की हालत देखकर राधा ने उनसे उपाय पूछा तो गोपियां श्रीकृष्ण के द्वारा बताया गया उपाय बता दीं। राधा जी फौरन पांव धोकर उसका चरणामृत तैयार कर भगवान श्रीकृष्ण को पिलाने के लिए आगे बढ़ जाती हैं।

राधा यह अच्छी तरह से जानती थीं कि वह क्या कर रही हैं। जो बात अन्य गोपियों के लिए भय का कारण थी वही भय राधा को भी था। लेकिन भगवान श्री कृष्ण को वापस स्वस्थ करने के लिए वह नर्क जाने के लिए भी तैयार थीं। जिसके बाद राधा जी ने अपने पांव का चरणामृत श्री कृष्ण को दिया और कृष्ण जी ने वह चरणामृत ग्रहण कर लिया। जिसके बाद वह स्वस्थ हो गए। राधा ही वह थीं जिनके प्यार एवं सच्ची निष्ठा से श्री कृष्ण तुरंत ही स्वस्थ हो गए।

फुलेरा दूज पर भोग भी होता है खास

हिन्दूओं का प्रमुख त्यौहार फुलेरा दूज के दिन भगवान श्रीकृष्ण के लिए खास किस्म का भोग तैयार किया जाता है। इस भोग में पोहा और अन्य विशेष व्यजंनों को शामिल किया जाता है।

किस धातु से बने शिवलिंग से मिलता है मनचाहा फल ?

शिवलिंग की कैसे करें प्राण प्रतिष्ठा ?

शुभा दुबे

भारतवर्ष में आपको बारहों ज्योतिर्लिंगों के अलावा भगवान शिव के लाखों मंदिर मिलेंगे जहाँ विभिन्न धातुओं से शिवलिंग बने हुए हैं और लोग नित उनकी पूजा करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि विभिन्न वस्तुओं से बने शिवलिंग विभिन्न प्रकार के कार्य सिद्ध करते हैं ?

शिवलिंग मात्र की पूजा करने से ही पार्वती-परमेश्वर दोनों की पूजा हो जाती है। पौराणिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि लिंग के मूल में ब्रह्मा, मध्य देश में त्रैलोक्यनाथ विष्णु और ऊपर प्राणस्वरूप महादेव स्थित हैं। वेदी महादेवी हैं और लिंग महादेव हैं। अतः एक लिंग की पूजा में सबकी पूजा हो जाती है। शिव पुराण में शिवलिंग की अपार महिमा का संपूर्ण बखान किया गया है। इसमें उल्लेख मिलता है कि सृष्टि के आरम्भ काल से ही समस्त देवता, ऋषि, मुनि, असुर, मनुष्यादि विभिन्न प्रकार के शिवलिंगों की पूजा करते आये हैं। यही नहीं स्कन्दपुराण में तो उल्लेख मिलता है कि शिवलिंग की उपासना से इन्द्र, वरूण, कुबेर, सूर्य, चंद्र आदि का स्वर्ग पर राज रहा और पृथ्वी पर राजाओं का चक्रवर्ती साम्राज्य भी शिवलिंग की पूजा से ही रहा।

भारतवर्ष में आपको बारहों ज्योतिर्लिंगों के अलावा भगवान शिव के लाखों मंदिर मिलेंगे जहाँ विभिन्न धातुओं से शिवलिंग बने हुए हैं और लोग नित उनकी पूजा करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि विभिन्न वस्तुओं से बने शिवलिंग विभिन्न प्रकार के कार्य सिद्ध करते हैं ? आइये सबसे पहले जानते हैं उन शिवलिंगों के बारे में जो भारत में अधिकांशतः मिलते हैं उसके बाद आपको बताएंगे कि किस वस्तु से शिवलिंग बनाकर आप अपनी कौन-सी मनोकामना पूर्ण कर सकते हैं। भारत में अधिकतर पाषाणमय शिवलिंग प्रतिष्ठित और पूजित होते हैं। इन्हें अचल मूर्तियां कहा जाता है। वाणलिंग या सोने-चांदी के छोटे लिंग जंगम कहलाते हैं। इन्हें प्राचीन पाशुपत-सम्प्रदाय एवं लिंगायत-सम्प्रदाय वाले पूजा के व्यवहार में लाने के लिए अपने साथ भी रखते हैं। गरूण पुराण में इसका अच्छा विस्तार है। उसमें से कुछ का संक्षेप में परिचय इस प्रकार है।

विविध द्रव्यों से शिवलिंग बनाकर इस तरह करें मनोकामना को पूर्ण

गन्धलिंग- दो भाग कस्तूरी, चार भाग चंदन और तीन भाग कुंकुम से इसे बनाया जाता है।

पुष्पलिंग- विविध सौरमय फूलों से बनाकर यह पृथ्वी के आधिपत्य लाभ के लिए पूजे जाते हैं।

गोशकृल्लिंग- स्वच्छ कपिल वर्ण की गाय के गोबर से शिवलिंग बनाकर पूजने से ऐश्वर्य मिलता है। अशुद्ध स्थान पर गिरे गोबर का उपयोग वर्जित है।

बालुकामयलिंग- बालू से बनाकर पूजने वाला शिवलिंग विद्याधरत्व और फिर शिवसायुज्य प्राप्त कराता है।

यवगोधूमशालिजलिंग- जौ, गेहूं, चावल के आटे का शिवलिंग बनाकर श्रीपुष्टि और पुत्रलाभ के लिए पूजते हैं।

सिताखण्डमयलिंग- यह शिवलिंग मिस्त्री से बनता है, इसके पूजन से आरोग्य लाभ होता है।

लवणजलिंग- यह शिवलिंग हरताल, त्रिकटु को लवण में मिलाकर बनता है। इससे उत्तम प्रकार का वशीकरण होता है।

तिलपिष्टोत्थलिंग- यह शिवलिंग तिल को पीसकर उसके चूर्ण से बनाया जाता है, यह अभिलाषा सिद्ध करता है।

भस्मयलिंग- यह शिवलिंग सर्वफलप्रद और गुडोत्थलिंग प्रीति बढ़ाने वाला है और शर्करामयलिंग सुखप्रद है।

वंशांकुरमय- बांस के अंकुर से निर्मित लिंग वंशकर है। पिष्टमय विद्याप्रद और दधिदुग्धोद्भवलिंग कीर्ति, लक्ष्मी और सुख देता है। धान्यज शिवलिंग धान्यप्रद, फलोत्थ शिवलिंग फलप्रद, धात्रीफलजात शिवलिंग मुक्तिप्रद और नवनीतज शिवलिंग कीर्ति और सौभाग्य देता है। दूर्वाकाण्डज शिवलिंग अपमृत्युनाशक, कर्पूरज शिवलिंग मुक्तिप्रद, अयस्कान्तमणिज शिवलिंग सिद्धिप्रद, मौक्तिक शिवलिंग सौभाग्यकर और स्वर्णिनर्मित महामुक्तिप्रद शिवलिंग राजत भूतिवर्धक है।

पित्तलज तथा कांस्यज शिवलिंग मुक्तिद, त्रपुज शिवलिंग, आयस शिवलिंग और सीसकज शिवलिंग शत्रुनाशक होते हैं। अष्टधातुज शिवलिंग सर्वसिद्धप्रद, अष्टलौहजात शिवलिंग कुष्ठनाशक, वैदूर्यज शिवलिंग शत्रुदर्पनाशक और स्फटिकलिंग सर्वकामप्रद हैं। शिव पूजा के समय यह अवश्य ध्यान रखें कि ताम्र, सीसक, रक्तचंदन, शंख, कांसा, लोहा, इन द्रव्यों के लिंगों की पूजा कलियुग में वर्जित है। पारे का शिवलिंग महान ऐश्वर्यप्रद माना जाता है।

शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा अवश्य करें

लिंग बनाकर उसका संस्कार करना पड़ता है। इसके लिए स्वर्णपात्र में दूध के अंदर तीन दिनों तक इसे रखकर फिर 'त्र्यम्बकं यजामहे' इत्यादि मंत्रों से स्नान कराकर वेदी पर पार्वतीजी की षोडशोपचार से पूजा करनी चाहिए। फिर पात्र से उठाकर लिंग को तीन दिन गंगाजल में रखना होता है। उसके बाद प्राण प्रतिष्ठा करके स्थापना की जाती है। प्राण प्रतिष्ठा यानि मूर्ति को सजीव करना और स्थापना मतलब कि आपने उन्हें विराजित कर दिया है। अब भगवान को विराजित कर दिया है तो नित्य उन्हें नहलाएं, खिलाएं, उन्हें वस्त्र पहनाएं और उनका पूजन करें।

आपका साप्ताहिक राशिफल

19 मार्च से 25 मार्च, 2021 तक

मेष

नजरिए व प्राथमिकताओं में बदलाव के साथ ही व्यावसायिक परिस्थितियों व निजी संबंधों में ताजगी का अनुभव करेंगे। पुरानी समस्याओं का नए नजरिए से हल सुनिश्चित करेंगे। दिमाग के बजाय दिल की सुनें। ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के साथ प्रबल बदलावों का योग बन रहा है। अतीत को भुलाकर आगे बढ़ना कठिन होगा, पर इस तकलीफ से गुजरना जरूरी है, तभी तरक्की के नए अनुभवों से साक्षात्कार होगा।

वृष

अपने कौशल का इस्तेमाल करते हुए सफलता व भौतिक लाभ प्राप्त करेंगे। पेशे व सामाजिक दृष्टि से यह उत्साहजनक समय है। व्यावसायिक जीवन में नए अवसर प्राप्त होंगे। खेलों, थिएटर व यात्रा में व्यस्त रहेंगे। दूरदराज से सुखद समाचार या मेहमान दस्तक दे सकते हैं। निजी संबंधों में प्रेम रहेगा। आपके द्वारा कही गई बातें,गलत रूप ले सकती हैं। इसलिए शब्दों पर नियंत्रण रखें। साथी संग अलौकिक जुड़ाव महसूस करेंगे।

मिथुन

प्रेम संबंधों के कल्पनालोक से बाहर निकलें। पुरानी यादों से निकलकर असल जिंदगी व संबंधों को स्वीकार करें। प्रेम का आधार निर्भरता व जरूरत नहीं, बल्कि यह स्वयं के परिष्कार, स्वतंत्रता व परिपक्वता से आकार लेता है। जितना प्रेम दूसरों में बांटेंगे, वही लौटकर जीवन में आएगा। आप सामने प्रस्तुत लक्ष्यों के लिए जीतोड़ परिश्रम में जुटे हैं। दूसरों की अपेक्षाओं का भार ओढ़ने के बजाय अपने मुक्त रूप को अंगीकार करें।

कर्क

अवकाश से लौटने के बाद ऊर्जावान महसूस करेंगे। खेलों व विभिन्न कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आपको बहुत कुछ देखना व अर्जित करना है। आलस्य से बचें। वित्तीय लेन-देन सुचारू रहेगा। कोई प्रिय शख्स जीवन में खुशी लेकर आएगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। काम व खान-पान के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्या के हल के लिए नजरिए में बदलाव लाएंगे। अपनी खुशियों को दूसरों से साझा करें।

सिंह

संबंधों की अहमियत को आप बखूबी समझते हैं। स्वजनों संग सुखद वक्त बिताएंगे। पारिवारिक व सामाजिक मेलजोल के अवसरों पर खान-पान व मौज-मस्ती पर संयम रखें। एक स्वार्थी व आलसी युवती से बचें। वह आपके अच्छे बर्ताव का फायदा उठा सकती है। सुख-सुविधा के साधनों व स्टाइल पर खर्च करेंगे। रोमांच के क्षणों का आनंद उठाने के लिए आप तैयार हैं। व्यावसायिक मामलों में भावुकता को आड़े न आने दें।

कन्या

निजी संबंधों में प्रेम व संतुष्टि का भाव रहेगा। आध्यात्मिकता की नींव पर पनपी रचनात्मकता से भौतिक लाभ व भावनात्मक उत्कर्ष प्राप्त करेंगे। व्यावसायिक जिम्मेदारी आपको काबिलियत साबित करने व सम्मान अर्जित करने का मौका देगी। कला संबंधी गतिविधियों में रुचि लेंगे। दूरदराज से कोई समाचार अथवा मेहमान दस्तक दे सकते हैं। कर्क राशि का शख्स आपके प्रति अपनी खास भावनाओं का इजहार करेगा।

तुला

ईश्वरीय ताकतों का साथ पाकर व्यक्तिगत तरक्की व रचनात्मकता को गति देंगे। प्राथमिकताओं का गहन अवलोकन भीतरी ऊर्जा के स्रोत से रूबरू कराएगा। नई शुरुआतें करने के लिए प्रेरित महसूस करेंगे। दिल को छू लेने वाला अनुभव साथी के करीब ले जाएगा। जिस अवसर की लंबे समय से तलाश में थे, उसकी अनदेखी न करें। ऐसे कार्यों पर अमल व निर्णय सुनिश्चित करेंगे, जिनसे भविष्य की दिशा बदलेगी

वृश्चिक

घर व कार्यस्थल पर नई शुरुआत करने के अवसर बनेंगे। हालांकि इसे लेकर विस्मय भी महसूस करेंगे कि आपके बढ़ते कदम किस राह पर ले जाएंगे। इस मार्ग में चुनौतियां भी पेश आएंगी। सप्ताहांत में निजी संबंधों व व्यावसायिक साझेदारी को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी। संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। जश्न के मौके बनेंगे। जीवन में प्रेम की दस्तक होगी। कोई शख्स आपकी ओर आकर्षित होगा। विनोदप्रियता कायम रखें।

धनु

व्यावसायिक व निजी जीवन में कुछ अप्रत्याशित बदलाव होंगे। किसी भी परिस्थिति का साहस व मजबूती के साथ सामना करने में आप सक्षम हैं। बदलावों का स्वागत करने के अलावा आपके पास कोई विकल्प नहीं है। सुरक्षा कवच को चुनौती मिलने पर मंथन आवश्यक है। आप नए अनुभवों के लिए तैयार हैं। इस क्रम में प्राथमिकताओं व नजरिए में बदलाव आएगा। संतुलित खान-पान व व्यायाम पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

मकर

निजी संबंधों में आनंद रहेगा व भौतिक लाभ के योग बनेंगे। संवाद व स्नेह से स्वजनों व मित्रों के बीच गलतफहमियां दूर होंगी व पुराने घाव भरेंगे। आप अहम अंदरूनी बदलाव के मोड़ पर हैं, ऐसे में आनंद के साथ कुछ चिंताएं रहेंगी। खान-पान व भावुकता के अतिरेक से बचें। बाह्य जीवन के बदलावों से आप संतुष्ट हैं, अब अंतर्मन को समझने का यत्न करें। सांसारिक उपलब्धियों के मोह से निकलकर वह करें जो दिल कहे।

कुंभ

घर व कार्यस्थल की परिस्थितियों पर नियंत्रण रखने के तरीके आपने निर्मित कर लिए हैं, लेकिन वे आपकी सीमाओं व तनाव का सबब भी हैं। नियंत्रण खोने का डर लोगों से आपके जुड़ाव व तरक्की को रोकता है। परिस्थितियों को वश में करने का मोह त्यागकर जीवन के प्रवाह के साथ बहें व प्रत्येक अनुभव का आनंद लें। कुछ गलत होने पर व्यथित न हों। गलतियां ही सही राहों की ओर मोड़ती हैं। नए विचारों को अभिव्यक्ति देंगे।

मीन

अपने अंतस के सच व बाह्य भूमिकाओं का अवलोकन करें। जरूरत के अनुरूप आप मुखौटा बदलते हैं। अंततः महसूस करेंगे कि लोगों को प्रभावित करने के लिए किसी मुखौटे की जरूरत नहीं, बल्कि सच्चाई ही पर्याप्त है। कौशल निखारने पर जोर दें। जो कार्य पूर्ण होने ही वाले हैं, उन्हें अधूरा छोड़ने से बचें। साथी के प्रति प्रेम जताएं व ईमानदार बनें। सड़क यात्रा का योग है। खुद पर भरोसा रखें, सफलता मिलेगी।

आजमाइये रोटी के ये 6 उपाय, चमक जाएगी आपकी किस्मत

कुछ लोग होते हैं जो हमेशा अपनी नाकामयाबियों के लिए किस्मत को दोष देते हैं। कुछ भी हो इन्हें सिर्फ अपनी किस्मत पर ही रोना आता है। अगर आप भी यही समझते हैं कि आपकी किस्मत आपका साथ नहीं दे रही है तो आज हम आपको रोटी का एक ऐसा छोटा और अचूक उपाय बता रहे हैं, जिसे रोज करने से आपकी किस्मत आपका साथ देने लगेगी। सुबह जब घर में भोजन बने तो सबसे पहले वाली रोटी अलग निकाल लें। इस बात का ध्यान रखें कि ये रोटी अन्य रोटियों से थोड़ी बड़ी हो ताकि आसानी से इसके चार टुकड़े किए जा सकें। अब इस रोटी के बराबरी से चार टुकड़े कर लें और इन चारों पर कुछ मीठा जैसे- खीर, गुड़ या शक्कर रख दें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि बाहर का कोई व्यक्ति आपको यह टोटका करते हुए न देख पाए।

रोटी के चार टुकड़ों में से सबसे पहला वाला गाय को खिला दें और भगवान से प्रार्थना करें कि आपकी समस्याओं का निदान जल्दी से जल्दी हो जाए और आपकी मनोकामना पूरी हो। धर्म ग्रंथों के अनुसार गाय में ही सभी देवताओं का निवास होता है इसलिए सबसे पहले रोटी गाय को ही दी जाती है।

अब दूसरा टुकड़ा कुत्ते को खिला दें। शिवमहापुराण के अनुसार कुत्ते को रोटी खिलाते समय बोलना चाहिए कि- यमराज के मार्ग का अनुसरण करने वाले जो श्याम और शबल नाम के दो कुत्ते हैं, मैं उनके लिए यह अन्न का भाग देता हूं। वे इस बलि (भोजन) को ग्रहण करें। इसे कुक्करबलि कहते हैं।

अब रोटी के तीसरे भाग को कौओं को खिला दें और बोलें- पश्चिम, वायव्य, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में रहने वाले जो पुण्यकर्मा कौए हैं, वे मेरी इस दी हुई बलि को ग्रहण करें। धर्म ग्रंथों में इसे काकबलि कहते हैं। अब रोटी का अंतिम टुकड़ा जो बचा है उसे घर पर आए किसी भिक्षु को दे दें। इस प्रकार ये छोटा सा उपाय रोज करने से आपकी किस्मत कुछ ही दिनों में बदल जाएगी।

May Everyone Think Good Of Others
हिन्दू सांस्कृतिक केन्द्र
HINDU HERITAGE CENTRE
6300, Mississauga Road, Mississauga
Ontario, Canada L5N 1A7
Email : info@hinduvision.com
www.hinduvision.com

मंदिर का दैनिक समय
प्रातः ७ बजे से रात्रि ९ बजे तक
प्रातः आरती प्रातः ७ बजे
सायं आरति सायं ७ बजे

Temple Timings
Everyday 7am to 9pm
Morning Aarti 7am
Evening Aarti 7pm
Daily Hawan 7:30am

Monday : Walking Club with breakfast - 9 AM to 11 AM
Rudrabhishek - 6:00 PM to 7:00 PM Bharatnatyam Class - 6:30 to 7:30 PM

Tuesday : Shri Sundarkand paath 9 AM to 10 AM Seniors Program - 1:00 PM to 4:00 PM
CHANTING OF DEVI SAHSRANAM, BHAJANS, HANUMAN CHALISA - 6 to 9 PM

Wednesday : Walking Club with breakfast - 9 to 11 AM Bharatnatyam Class - 6:30 to 7:30 PM

Thursday : Kucchipudi Dance Class - 6 PM to 8 PM

Friday : Shri Durga Saptshati Paath - 9 AM to 11 AM Telugu Class - 6:30 PM to 8:30 PM

Saturday : Occasional Mata ji Ki Chowki - 6:00 to 9:00 PM

Sunday : YOG PRANAYAM CLASS - 7:30 to 8:30 AM Sanskrit Class - 10 AM to 12 Noon
Satsang, Bhajan, Meditation, Aarti & Preetibhoj - 4:00 PM to 6:00 PM
BAL VIHAR CLASS - 5:15pm to 6:00pm HINDI CLASS - 3:45pm - 5:15pm
INDIAN MUSIC CLASS (Harmonium, Tabla, Vocal) - 3:15 PM to 6:45 PM
Kathak Nritya/Bollywood class - 4 PM to 6 PM VEDIC MATHEMATICS - 4 PM to 6 PM

Every month on Purnima day Satyanarayan Puja katha evening time.
Every month first Thursday Shri Gita ji Paath 5 pm to 7pm.

For all Sanskaar's (Ritual), Bhajan, Chowki, Jagran, Sundarkand Paath, Puja, Hawan, Katha, Shraadh etc. Please contact Hindu Heritage Centre 905-369-0363 OR Acharya Surendra Sharma Shastri at 416-457-0719

JOBS JOBS JOBS

EMPLOYMENT AGENCY LOOKING

J O B S

WANTED Men & Women, Part Time and Full Time Jobs at Factories in Toronto, Mississauga, Brampton, Scarborough Areas, (Loading and Unloading, Packaging, Production Lines).

LDA CONSULTING

206-900 ALNESS STREET, NORTH YORK, ON M3J 2H6

Tel : 647-784-3434 , Fax : 647-361-8484

J O B S

Big Bakery located on Jane/Wilson hiring general labour, forklift drivers, line operators for full-time positions.

Contact us for more information

647-799-0443

Basement for rent

One bedroom walkout basement for rent in heart of Mississauga Major intersection Mavis /Dundas Available. From 15 October Contact Satish at 416 666 7773

Email

sgkala@gmail.com

THE LORD DWELLS IN ALL

HINDU PRARTHANA SAMAJ

हिन्दू प्रार्थना समाज

62 Fern Ave., Toronto, Ontario M6R 1K1 Tel: (416) 536-9229 • (416) 534-0228

Worship Place the GTA Hindu Community for the last 51 years

Temple Hours: Open 7 days a week from 6:00 am to 9:00 pm

TEMPLE SERVICES SCHEDULE

Sundays: 10:00 am - 12:00 noon Baba Balak Nath Ji ki Chauki and Pritibhoj
4:00 pm - 6:00 pm Bhajans, Kirtan, Satsang, Aarti and Pritibhoj

Mondays: 5:30 pm - 7:30 pm Shiv Ji Pooja, Rudrabhishek, Aarti and Pritibhoj

Tuesday: 5:30 pm - 7:30 pm Mata Ji Ki Chauki, Hanuman Chalisa, Bhajans, Aarti and Pritibhoj

Aarti Schedule: Everyday 7:00 am and 5:30 pm

Temple Services offered to Devottees (at Temple or House)

Wedding Ceremony, Mata Ji Ki Chauki, Baba Balak Nath Ji Chauki Sunderkand Recital, Ramayan Recital, Nav Grah Shanti, Havan and House warming Pooja or any other religious services.

MATRIMONIAL

For Matrimonial

Advertise

Contact : 905-673-9929

कैनेडा के सर्वश्रेष्ठ हिन्दी साप्ताहिक सामाचार पत्र

हिन्दी Abroad

में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

905-673-9929

Web : wwwhindiabroad.com

संक्षिप्त समाचार

तंजानिया के राष्ट्रपति जॉन मगुफुली का निधन

नाकुरू। तंजानिया के राष्ट्रपति जॉन मगुफुली का निधन हो गया है। वह 61 वर्ष के थे। उपराष्ट्रपति सामिया सुलुहू ने बुधवार को बताया कि मगुफुली का हृदय गति रुकने के कारण निधन हो गया। राष्ट्रपति को फरवरी के अंत से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया था। सोशल मीडिया पर ऐसी अटकलें थीं कि वह बीमार चल रहे हैं लेकिन शीर्ष सरकारी अधिकारियों ने इन बातों का खंडन किया था। मगुफुली अफ्रीका के उन प्रमुख नेताओं में से एक थे जिन्होंने कोविड-19 वैश्विक महामारी को खारिज कर दिया था।

ईरान ने तीसरे स्वदेशी कोविड-19 टीके का शुरू किया परीक्षण

तेहरान। तीसरे स्वदेशी कोविड-19 टीके के क्लीनिक परीक्षण के चरण में पहुंचने की आधिकारिक घोषणा के साथ ही ईरान अपने लोगों को टीका लगाने के अभियान में और अपने आपको उभरते टीका विनिर्माता के रूप पेश करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ा है। हालांकि इस टीके का उत्पादन ब्यौरा पूरी तरह सामने नहीं आया है। आठ करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले ईरान ने अब तक रूस, चीन, भारत और क्यूबा से विदेशी टीके मंगवाये एवं 12 लाख लोगों को टीके लगवाये। ऐसे में टीकाकरण की पिछड़ती गति को लेकर उत्पन्न चिंता ने स्थानीय रूप से टीके विकसित करने के ईरान के अभियान को गति दी है। वैसे भी समृद्ध देश दुनिया में टीकों का बहुत बड़ा हिस्सा हथिया ले रहे हैं।

इमरान खान की बढ़ी मुश्किलें! पाकिस्तान चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने देश के प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी तथा उसकी अपनी जांच समिति को नोटिस जारी कर 22 मार्च को उनके समक्ष पेश होने और पार्टी को विदेश से मिले चंदे के दस्तावेज छुपाने के मामले में अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। मीडिया की खबरों में यह दावा किया गया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के असंतुष्ट संस्थापक सदस्य अकबर एस बाबर द्वारा पार्टी के दस्तावेजों को गुप्त रखने के जांच समिति के फैसले के खिलाफ की शिकायत के बाद ये नोटिस जारी किए गए हैं। 'जियो न्यूज' की एक खबर के अनुसार, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) इरशाद कैसर की अध्यक्षता में पाकिस्तान के तीन सदस्यीय चुनाव आयोग (ईसीपी) की पीठ ने शिकायत पर सुनवाई की और नोटिस जारी किए।

बहुत तेजी से फैल रहा कोरोना का नया स्ट्रेन

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में कोरोना वायरस के नए स्वरूप के चलते संक्रमण तेजी से फैल रहा है, जिससे अस्पताल के आईसीयू के बिस्तर कम पड़ने लगे हैं। कोविड-19 टीके की आपूर्ति सीमित होने के चलते टीकाकरण अभियान भी प्रभावित हो रहा है। इस बीच, अधिकारियों का कहना है कि पेरिस में लॉकडाउन लगाया जा सकता है। सप्ताहांत में विशेष मेडिकल विमानों के जरिए मरीजों को पेरिस से कम प्रभावित क्षेत्रों में भेजा गया है। **एजेंसी**

क्वाड शिखर सम्मेलन के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने चीन को दिया संदेश

वाशिंगटन.एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि चार देशों की सदस्यता वाले 'क्वाड' समूह के नेताओं के पहले डिजिटल शिखर सम्मेलन में सब अच्छा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बाइडेन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने शुक्रवार को हुई इस ''चतुष्पदीय सुरक्षा वार्ता'' में भाग लिया था। बाइडेन ने क्वाड शिखर सम्मेलन पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए रविवार को संवाददाताओं से कहा, ''इसमें सब बहुत अच्छा रहा। ऐसा लगता है कि सभी को यह एक अच्छा समझौता लगा।'' बाइडेन ने शिखर सम्मेलन में चीन को एक स्पष्ट संदेश देते हुए कहा था कि एक ''मुक्त और खुला'' हिंद-प्रशांत क्षेत्र आवश्यक है। उन्होंने कहा था कि अमेरिका स्थिरता की स्थिति हासिल करने के वास्ते क्षेत्र में अपने सहयोगियों और साझेदारों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाइडन ने कहा था कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग के लिए 'क्वाड' महत्वपूर्ण मंच बनने जा रहा है और सहयोग बढ़ाने में यह एक नया तंत्र बनकर उभरा है। बाइडन ने परोक्ष तौर पर चीन की ओर इशारा करते हुए कहा था, ''हम अपनी प्रतिबद्धताओं को जानते हैं ... हमारा क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा संचालित है, हम सभी सार्वभौमिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध है और दबाव से मुक्त हैं। मैं हमारी संभावनाओं के बारे में आशावादी हूं।'' चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपनी सम्प्रभुता का दावा करता है, लेकिन वियतनाम, मलेशिया, फिलीपींस, ब्रुनेई और ताइवान भी इस पर अपना दावा करते हैं। पूर्वी चीन सागर में दावे को लेकर चीन और जापान के बीच विवाद है। 'क्वाड' के नेताओं ने शिखर सम्मेलन के बाद 'द वॉशिंगटन पोस्ट' में छपे एक लेख में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपना दबदबा बनाने की कोशिश कर रहे चीन को स्पष्ट संदेश देते हुए इस बात पर पुनः जोर दिया कि वे यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि यह क्षेत्र सभी के लिए सुगम हो और नौवहन की स्वतंत्रता एवं विवादों के शांतिपूर्ण समाधान जैसे मूल सिद्धांतों एवं अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार इसका संचालन हो।

बाइडेन प्रशासन में पहली बार दो अमेरिकी मंत्री होंगे जापान की यात्रा पर

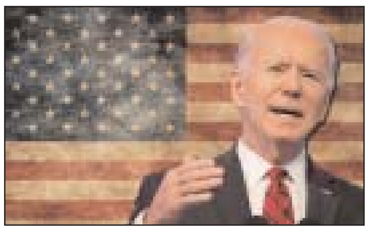

तोक्यो। अमेरिका में जो बाइडेन के राष्ट्रपति पद ग्रहण करने के बाद पहली बार दो अमेरिकी मंत्री जापान की यात्रा पर अपने जापानी समकक्षों से आमने-सामने की वार्ता के लिए आ रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस दौरान वार्ता के केंद्र में चीन की क्षेत्र में बढ़ते प्रभाव से जुड़ी चिंताएं होंगी। अमेरिकी विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन अपने जापानी समकक्षों और शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करने के लिए तोक्यो रवाना हो चुके हैं। माना जा रहा है कि पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की तुनकमिजाजी भरे व्यवहार के मद्देनजर वे क्षेत्र और अपने गठबंधन को अमेरिकी प्रतिबद्धताओं को दोहराएंगे। दोनों अमेरिकी मंत्री 'टू प्लस टू' वार्ता के तहत मंगलवार को जापान के विदेशमंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षामंत्री लोबुओ किशी के साथ राजनयिक और सुरक्षा वार्ता करेंगे। वाशिंगटन पोस्ट में सोमवार को प्रकाशित लेख में ब्लिंकन और ऑस्टिन ने कहा, ''अमेरिका अपने मित्रों और साझेदारों के साथ संबंधों में नई जान फूंकने के लिए बड़ी पहल कर रहा है।

म्यांमार में सेना की घातक कार्रवाई के बावजूद डटे हैं प्रदर्शनकारी

यांगून.एजेंसी

म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के खिलाफ हो रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर सेना की घातक कार्रवाई के बावजूद बुधवार को भी प्रदर्शनकारी डटे रहे। स्वतंत्र संगठन 'असिस्टेंट एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स' द्वारा एकत्र आंकड़ों के अनुसार, आंग सान सू ची की निर्वाचित असैन्य सरकार को अपदस्थ करने के लिए एक फरवरी को किए गए सैन्य तख्तापलट के बाद से सेना की कार्रवाई में मारे गए प्रदर्शनकारियों की पुष्ट संख्या अब 200 से अधिक हो गई है। संगठन ने आरोप लगाया कि जुंटा बल केवल प्रदर्शनकारियों ही नहीं, बल्कि आमजन को भी निशाना बना रहे हैं। उसने कहा, ''कुछ घायलों को गिरफ्तार किया गया और चिकित्सकीय सुविधा के अभाव में उनकी मौत हो गई, कुछ लोगों की पूछताछ के दौरान उत्पीड़न के कारण मौत हो गई, कुछ अन्य की मौत कार्रवाई के दौरान गोली लगने से हो गई, उनके शवों को खींचकर दूर ले जाया गया और जुंटा बलों ने उनके परिजन को शव नहीं सौंपे हैं।'' संगठन ने कहा कि मंगलवार तक 202 लोगों की मौत हो गई, 2,181 लोगों को गिरफ्तार किया गया या उन पर आरोप लगाए गए।

स्थानीय मीडिया संगठनों एवं सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसारमध्य म्यांमा के ताउंग, थायेत, मायिंगयान और मादाया, भारत के साथ लगती सीमा के पास स्थित तामू और यांगून के उत्तर-पश्चिम में इरावदी नदी के किनारे स्थित प्याय शहर में बुधवार को शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर मंगलवार को भी घातक कार्रवाई की थी।

जो बाइडेन ने व्लादिमीर पुतिन को बताया हत्यारा

वाशिंगटन.एजेंसी

अमेरिका और रूस के बीच तनाव बढ़ता दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रूस की भूमिका को लेकर जो बाइडेन ने सवाल उठाए हैं। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने पुतिन को हत्यारा बताया है। जिसके बाद रूस ने वाशिंगटन में मौजूद अपने राजदूत को वापस बुला लिया है। बाइडेन ने रूसी राष्ट्रपति को लेकर कहा कि पुतिन ने ट्रंप के समर्थन में प्रचार करने का आदेश दिया था। रूस ने बाइडेन को लेकर बिना तथ्य कई सूचनाएं फैलाने की कोशिश की और रूस की भूमिका को लेकर बाइडेन बहुत नाराज हैं। अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सिर्फ रूस ही नहीं ईरान ने भी ट्रंप के खिलाफ गोपनीय अभियान चलाए थे। हालांकि रूस अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप की खबरों को हमेशा से खारिज करता रहा है। एक इंटरव्यू बाइडेन से पुतिन विरोधी नेता एलेक्सी नवेलनी और अन्य प्रतिद्वंद्वियों को जहर देने का आदेश देने के आरोप

हैं एक हत्यारे है? इस पर बाइडेन ने जवाब दिया 'हां'। नेशनल इंटेलिजेंस डॉयरेक्टर के ऑफिस से जारी 15 पन्नों की रिपोर्ट में कहा कि ट्रंप के कुछ शीर्ष सहयोगी रूस के हाथों में खेल रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप को फायदा पहुंचाने के लिए पुतिन ने या तो चुनाव में दखल देने के ऑपरेशन की निगरानी की ती या कम से कम उसकी मंजूरी दी थी।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के आवास के निकट हथियार रखने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

वाशिंगटन.एजेंसी। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया पुलिस ने उपराष्ट्रपति के आवास के पास से एक व्यक्ति को हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अभी उस घर में नहीं रहती हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग ने एक बयान में कहा कि टेक्सास से खुफिया जानकारी मिलने के बाद बुधवार को व्यक्ति को मैसाच्युसेट्स एवेन्यू में देखा गया और उपराष्ट्रपति के आवास के पास तैनात खुफिया सेवा के अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया। हैरिस और उनके पति इस आवास में मरम्मत का काम चलने के कारण अभी नहीं रह रहे हैं। हैरिस व्हाइट हाउस के अतिथि गृह ब्लेयर हाउस में रह रही हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि सैन एंटोनियो के पॉल मुरे को भारी मात्रा में गोला-बारुद भरने वाले उपकरण, एक खतरनाक हथियार, राइफल और गोला बारूद रखने के आरोपों में पकड़ा गया है।

चीन के वीजा के लिए अब लगवानी होगी 'चीनी वैक्सीन', भारतीयों की बढ़ी मुश्किलें

बिजिंग.एजेंसी

चीन जानें वाले भारतीयों की मुश्किलें बढ़ने वाली है, बता दें कि चीनी दूतावास ने घोषणा की है कि अब देश उन यात्रियों को वीजा जारी करना शुरू कर देगा जिन्होंने चीनी निर्मित कोविड-19 टीका लिया है और टीकाकरण के प्रमाण पत्र के अधिकारी हैं।

चीनी दूतावास ने एक बयान में कहा, यह अपने कारोबार, कामकाज या मानवीय जरूरतों को करने के लिए चीन की यात्रा करने के इच्छुक लोगों के लिए उपायों की सुविधा प्रदान करेगा। 15 मार्च 2021 से शुरू होने वाले इस प्रक्रिया में लोगों को एक क्रमबद्ध तरीके से लोगों के आदान-प्रदान को फिर से शुरू करने के उद्देश्य से, भारत में चीनी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को चीनी-निर्मित कोविड-19 वैक्सीन लेने और कुछ लोगों के साथ टीकाकरण का प्रमाण पत्र रखने की सुविधा प्रदान करेगा। चीनी दूतावास के मुताबिक,

चीन जाने वाले व्यक्तियों और उनके परिवार के सदस्यों को अपने वीजा आवेदन चीनी दूतावास या भारत में वाणिज्य दूतावास में जमा करने की अनुमति है।

इस नियम से हालांकि, भारतीयों के लिए वीजा प्राप्त करना आसान नहीं होगा क्योंकि नई दिल्ली ने देश में चीन निर्मित टीकों के उपयोग को मंजूरी नहीं दी है। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। ऑफिशियल एपीईसी बिजनेस ट्रैवल कार्ड (एबीटीसी) वाले विदेशी वैध वीसीटीसी के साथ बिजनेस वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं और चीनी वीजा एप्लीकेशन सर्विस सेंटर (वीएफएस) के माध्यम से चीन में अपने समकक्ष से निमंत्रण पत्र ले सकते हैं। दूतावास के मुताबिक, भारत से चीन जाने वाले विदेशियों को बोर्डिंग के लिए इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ डिक्लेरेशन पेश करना होगा।

एस धनलक्ष्मी ने दुती चंद को पछाड़ा, 100 मीटर दौड़ में जीता गोल्ड मेडल

पटियाला.एजेंसी

एस धनलक्ष्मी ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक दुती चंद को पछाड़कर मंगलवार को यहां फेडरेशन कप सीनियर राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप की महिला 100 मीटर फर्राटा दौड़ का खिताब जीता जबकि हिमा दास गलत शुरुआत करने के कारण डिस्क्वालीफाई हो गई। तमिलनाडु की 22 साल की धनलक्ष्मी एनआईएस परिसर में 11.39 सेकेंड के समय के साथ ओडिशा की दुती (11.58 सेकेंड) को पछाड़कर चैंपियनशिप की सबसे तेज महिला धावक बनीं। तमिलनाडु की ही अर्चना सुसींद्रन ने 11.76 सेकेंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

इससे पहले अपने पसंदीदा 400 मीटर की जगह 100 और 200 मीटर में चुनौती पेश कर रही हिमा गलत शुरुआत के कारण डिस्क्वालीफाई हो गई। बहुप्रतीक्षित महिला 100 मीटर का फाइनल हालांकि उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। हिमा जहां डिस्क्वालीफाई हो गई तो वहीं दुती और धनलक्ष्मी 11.15 सेकेंड के ओलंपिक क्वालीफाइंग स्तर के करीब भी नहीं पहुंच सकीं। धनलक्ष्मी ने सोमवार को 11.38 सेकेंड के समय के साथ फाइनल में जगह बनाई थी।

वह फाइनल में अपने प्रदर्शन में सुधार नहीं कर सकीं। दुती भी सोमवार के 11.51 सेकेंड के प्रदर्शन में सुधार नहीं कर सकी। पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने 10.32 सेकेंड के समय के साथ पुरुष 100 मीटर दौड़ का खिताब जीता। तमिलनाडु के एलाकियादासन कन्नड़ा (10.43 सेकेंड) दूसरे जबकि महाराष्ट्र के सतीश कृष्णकुमार (10.56 सेकेंड) तीसरे स्थान पर रहे। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक ओडिशा के अमिया कुमार मलिक ने 10.75 सेकेंड के समय के साथ सातवां स्थान हासिल किया। पुरुष वर्ग में ओलंपिक क्वालीफिकेशन स्तर 10.05 सेकेंड है। कर्नाटक का प्रतिनिधित्व कर रहीं अनुभवी एमआर पूवम्मा ने 53.57 सेकेंड के समय के साथ महिला 400 मीटर वर्ग का खिताब जीता।

ओलंपिक का टिकट हासिल करने वाली पहली भारतीय तलवारबाज बनीं भवानी

चेन्नई.एजेंसी

तमिलनाडु की सीए भवानी देवी इस साल होने वाले तोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल कर इन खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय तलवारबाज बन गयी है। भवानी ने समायोजित आधिकारिक रैंकिंग (एओआर) के आधार पर ओलंपिक क्वालीफिकेशन हासिल किया। विश्व रैंकिंग के आधार पर पांच अप्रैल 2021 तक एशिया-ओशिनिया क्षेत्र के लिए दो जगह थीं। भवानी फिलहाल 45वें स्थान पर है और रैंकिंग के आधार पर वह एक स्थान हासिल करने में सफल रहेंगी।

इस 27 साल की खिलाडी के आधिकारिक क्वालीफिकेशन पर मुहर पांच अप्रैल को रैंकिंग जारी होने पर लगेगी। खेल मंत्री किरेन रीजिजू ने

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर भवानी देवी को शुभकामनाएं दीं। रीजीजू ने ट्वीट किया, '' भारतीय तलवारबाज भवानी देवी को बधाई जिन्होंने तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाली पहली भारतीय तलवारबाज बन गई हैं। भवानी देवी को मेरी शुभकामनाएं।'' आठ बार की यह राष्ट्रीय चैम्पियन रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही थी।

बबिता फोगाट की ममेरी बहन ने की आत्महत्या

नयी दिल्ली.एजेंसी

भारतीय रेसलिंग जगत को लेकर एक दुखद खबर सामने आई है। बता दें कि स्टार महिला रेसलर्स बबिता फोगाट की बहन ने आत्महत्या की है। दरअसल, बबिता फोगाट की ममेरी बहन रितिका ने रविवार को रेसलिंग टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला था। जिसमें रितिका को हार का सामना करना पड़ा। जिसका सदमा वह बर्दाश्त नहीं कर पाई और फिर उन्होंने आत्महत्या कर ली। भरतपुर में खेले गए स्टेट लेवल सब जूनियर टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार 14 मार्च को खेला गया था। जिसमें रितिका को एक प्वाइंट से हार का सामना करना पड़ा और उस एक प्वाइंट से हारने का सदमा इतना गहरा

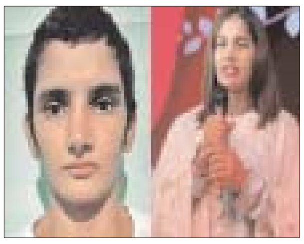

था कि उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद रितिका के परिजनों को उनका शव सौंप दिया। जिसके बाद मंगलवार को रितिका का अंतिम संस्कार राजस्थान के झुंझुनूं जिले के जैतपुर गांव में किया गया। आपको बता दें कि पुलिस अभी इस मामले की जांच कर रही है।

पुरस्कार विजेता फिलिपिनो कोरियोग्राफर, रूएल दौसन, बिहार क्रिकेट लीग गया ग्लेडिएटर्स के सह-मालिक बने

पुरस्कार विजेता कोरियोग्राफर रूएल दौसन वरिंदानी ने कुछ परियोजनाओं के लिए सिग्नीफिकेंट स्पोर्ट्स के साथ सहयोग किया है। सबसे महत्वपूर्ण में से एक, द बिहार क्रिकेट लीग, रूएल उनकी टीम - गया ग्लेडिएटर्स, के सह-मालिक बन गए हैं, कैप्टन राशिद अली खान, सीईओ और मालिक, सिग्नीफिकेंट स्पोर्ट्स के साथ। बॉलीवुड में अपना नाम बनाने के लिए वर्ष 2000 में फिलीपींस से आए रूएल ने फिल्म 'जग्गा जासूस' के लिए अपनी कोरियोग्राफी के लिए अपार मान्यता और पुरस्कार हासिल किए। कैप्टन राशिद अली खान, सीईओ और मालिक, सिग्नीफिकेंट स्पोर्ट्स और सीईओ और सह-मालिक, गया ग्लेडिएटर्स - मैं दोस्तों के माध्यम से रूएल से मिला और महसूस किया कि वह एक ऐसा व्यक्ति है जो नई प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और उन्हें बड़े मंच प्रदर्शन करने का अवसर देता है।

वह क्रिकेट में भी काफी उत्सुक थे और इसके बारे में अधिक जानना चाहते थे। इसलिए जब मैंने इसके लिए उनसे संपर्क किया, तो वह बोर्ड पर आने से ज्यादा खुश थे। रूएल दौसन वरिंदानी, सह-मालिक, गया ग्लेडिएटर्स - मैंने सीखा है कि आप आगे देख सकते हैं जब आप दिग्गजों के कंधे पर खड़े होते हैं, तो सचमुच और आलंकारिक रूप से भी। राशिद और मेरे बीच लगभग 1.5 फीट की ऊंचाई है, इसलिए आप जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है। (वह हंसता है) लेकिन, राशिद एक बहुत ही अच्छे और मेहनती व्यक्ति हैं, जिन्हें क्रिकेट की दुनिया और इसके कारोबार में कई वर्षों का अनुभव है। साथ ही, कई लोगों के शीर्ष पर होने के नाते, वह जानता था कि वह किस बारे में बात कर रहा है। मुझे तुरंत इस उद्यम का हिस्सा बनने के लिए आश्वस्त किया गया और उनकी संचालन टीम भी बहुत मजबूत है।

नमक को बालों में यूं करें इस्तेमाल, मिलेंगे चमत्कारी लाभ

जब भी नमक का नाम सामने आता है तो सबसे पहले यही लगता है कि यह तो केवल किचन में इस्तेमाल होता है। हालांकि घरों में महिलाएं इसे क्लीनिंग या फिर बॉडी स्क्रबिंग आदि के लिए भी इस्तेमाल करती हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि नमक आपके बालों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। अगर आप इसे सही तरह से इस्तेमाल करती हैं तो इससे आप अपने बालों की कई समस्याओं को आसानी से दूर कर सकती हैं।

तो चलिए जानते हैं कि नमक को बालों में किस तरह करें यूज-

रूसी को कहें बाय-बाय

अगर आपको रूसी की समस्या है तो नमक यकीनन आपके बेहद काम आ सकात है। रूसी के बढ़ने के पीछे सबसे आम कारण खोपड़ी पर मृत त्वचा कोशिकाएं हैं जो बाद में गुच्छे में बदल जाती हैं, और नमी व नमी के कारण कवक की वृद्धि होती है। ऐसे में नमक की मदद से आप खोपड़ी से अतिरिक्त तेल व नमी को अवशोषित कर सकती हे। इसके लिए आप अपनी खोपड़ी पर कुछ नमक छिड़कें और धीरे से मालिश करें। कुछ समय बाद, इसे धो लें जैसे आप सामान्य रूप से अपने बालों को धोते हैं। आपको एक बार ही काफी हद तक परिणाम नजर आएगा।

घने होंगे बाल

हेयर एक्सफोलिएशन एक बेहद महत्वपूर्ण है, जिसे हम अक्सर हेयर केयर रूटीन में एड नहीं करते। बालों में इस्तेमाल किए जाने वाले केमिकल व हेयर प्रोडक्ट्स आदि के कारण बाल अपनी चमक खो देते हैं और स्कैल्प को काफी ड्राई भी बनाते हैं। ऐसे में अगर आप शैम्पू में नमक मिलाकर उससे स्कैल्प को एक्सफोलिएट करती हैं तो इससे बालों को रिपेयर होने में मदद मिलती है। यह बालों को शाइनी और अधिक घना बनाता है। इसलिए, जितना ज़रूरत हो उतना शैम्पू लें और इसे नमक (शैम्पू की मात्रा का आधा) के साथ मिलाएँ। धीरे से मालिश करें और इसे कुछ समय के लिए बालों पर आराम दें। ज्यादा शिनियर और मोटे दिखने वाले बालों को देखने के लिए अपने बालों को ठंडे पानी से धोएं।

हेयर फॉल से मिलेगी निजात

अगर आप उन लोगों में से है, जो हेयर फॉल की समस्या से परेशान हैं तो ऐसे में समुद्री नमक आपकी समस्या को ठीक करने के लिए सबसे प्राकृतिक और सस्ता घटक है। नमक स्कैल्प पर अवरुद्ध छिद्रों को खोलता है और इस प्रकार बालों के उचित विकास की अनुमति देता है। ऐसे में आप सप्ताह में एक-दो बार अपने बालों को कुछ तेल और नमक से मालिश करने की कोशिश करें। आप अपने बालों को पहले की तुलना में बहुत तेजी से बढ़ते हुए देख पाएंगे।

Free Tax Clinic

Wednesday March 17th 10 am - 4 pm
Thursday March 18th 10 am - 4 pm
Friday March 19th 10 am - 4 pm

In partnership with the Canada Revenue Agency through the Community Volunteer Income Tax Program, our office will be hosting free virtual tax clinics for low income King-Vaughan residents with simple tax filings.

Volunteers will prepare personal 2020 Tax Returns for those who meet the eligibility criteria.

To book an appointment and to find out if you are eligible, please contact our office at **905-303-5000** or toll-free at **1-844-586-8999** or email us at **deb.schulte@parl.gc.ca.**

Constituency Office of Hon. Deb Schulte, MP
9401 Jane Street, Suite 115
Vaughan, ON L6A 4H7

Worldwides Astrologer
Rashi Ratan and Black Magic Taweezat Specialist

TRY YOUR LUCK ONE TIME

राशी रत्न और ब्लैक मैजिक ताविज़ात स्पेस्लिस्ट

For every problem there is a solution

- *If anyone does not know about his or her birth details so give us your name and thumb impression male only right hand thumb and female only left hand thumb*
- *The Worldwides Astrology has solution by the ocults*

-Money Problems
-Job Problem
-Love & Marriage
-Education
-Health Problems
-Depression
-Enemy Problems
-Children Mistakes
-Family Problems
-Black Magic

We don't have any branch
Consult time : **18 : 00 hrs to 20 : 00 hrs**
15 & 16 Scindia House, K.G. Marg,
Connaught Place, Delhi-110001
E-mail : worldwidesastro@gmail.com M.: **9990428101**

You may have met many astrologers before, but meet me once and get solutions to all your problems

STAY ALERT
STAY SAFE

Wearing Mask is Compulsory

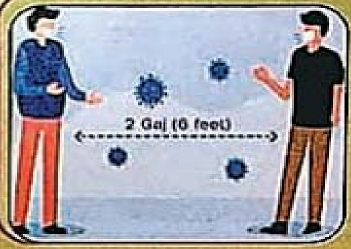

Maintain 2 Gaj (6 feet) Distance

Wash/ Sanitize Your Hands Frequently

Adopt Yoga and Regular Exercises

Adopt Ayurveda and Consume Healthy Food

Do Not Panic, Consult Doctor if required

THE POWER OF WORD

A Newspaper Committed to Fair Journalism In Hindi, World's 2nd Largest Spoken Language

WEEKLY - EVERY FRIDAY

Expand your Business,
Reach out to a Wider Community.
For Advertising & Info: 905-673-9929

HINDI ABROAD MEDIA INC.
7071 Airport Road, Suite 204A, Mississauga, ON Canada L4T 4J3
Tel: 905-673-9929 • Fax: 905-673-9114
E-mail: editor@hindiabroad.com • Web: www.hindiabroad.com